राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

f /Pratahkiran   /Pratahkiran   /Pratahkiran

12 अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान को बड़ी राहत.........

पाकिस्तान का कर दिया बुरा हाल, अब भारत से भी बाहर होगा चीनी माल 12

वर्ष : 16 | अंक : 17 | नई दिल्ली, गुरूवार, 22 मई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

नेशनल हेराल्ड केसः राउज एवेन्यू कोर्ट में 2 से 8 जुलाई तक रोज होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में बुधवार को हुई सुनवाई संपन्न हो गई। राउज ऐवन्यू कोर्ट मामले की अगली सुनवाई 2 से 8 जुलाई तक प्रतिदिन होगी। सोनिया गांधी और राहुल गांधी की तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील पेश की। सिंघवी ने सुनवाई को जुलाई तक टालने की मांग की। सिंघवी का कहना था कि उन्हें हाल ही में चार्जशीट की कॉपी मिली है इसे पढ़ने में वक्त लगेगा। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने चार्जशीट दाखिल की है। अभिषेक मनु सिंघवी की मांग का ईडी के वकील एएसजी एसवी राजू ने विरोध किया। राजू ने कहा, पिछली सुनवाई के समय ही चार्जशीट कॉपी उपलब्ध करवा दी गई थी और 21 तारीख को सुनवाई की तारीख तय की गई थी। उस समय सुनवाई टालने की मांग नहीं की गई लेकिन आज अचानक ऐसी मांग की जा रही है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की कोर्ट 2 जुलाई से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई करेगी। ईडी के वकील ने बताया कि, मामले में सोनिया गांधी को पहली आरोपी बनाया गया है जबकि दूसरे आरोपी राहुल गांधी हैं। अन्य पांच आरोपियों में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड और सुनील भंडारी का नाम शामिल है। कोर्ट ने कहा है, जिन आरोपियों की तरफ से कोई वकील नहीं है हम सुनवाई में उनके बिना भी आगे बढ़ेंगे। एएसजी राजू ने पीएमएलए की धारा 3 का हवाला देते हुए कोर्ट से कहा कि संपत्ति पर आरोपियों का कब्जा था। उस संपत्ति से आने वाला किराया भी अपराध की आय है। ईडी ने कहा, नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग

मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को 142 करोड़ का फायदा हुआ। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। हम तथ्यों से दिखाएंगे कि अपराध से प्राप्त आय के मूल्य में हुई वृद्धि भी अपराध की आय में शामिल की जाएगी। ईडी का आरोप है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की कंपनी यंग इंडियन ने एसोसिएट जर्नल प्रेस लिमिटेड की 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियों को महज 50 लाख में हासिल किया था। यह धोखाधड़ी है, इसमें 988 करोड़ की अवैध कमाई की गई। चार्जशीट धनशोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत दाखिल की गई है। इसमें पीएमएलए की धारा 3, 4, 44, 45 और 70 का उल्लेख किया गया है। यह पहला मौका है जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर किसी मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। ईडी ने 2014 में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश पर एजेएल और यंग इंडिया के खिलाफ पीएमएलए के तहत जांच शुरू की थी। ईडी ने एजेएल और यंग इंडियन की करीब 751.9 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना 80,405
चांदी 1,1000
संसेक्स 80,220
निफ्टी 24,472

संक्षिप्त खबरें

आतंकिस्तान है पाकिस्तान, विश्व स्तर पर करेंगे साबित : सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल सदस्य

नई दिल्ली। जेडीयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में पहला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आज जापान के लिए रवाना होगा। यह प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत के वैश्विक कूटनीतिक अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य वैश्विक मंच पर आतंकवाद के प्रायोजक के रूप में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करना है। झा के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद बृज लाल ने कहा, ह्ययह प्रतिनिधिमंडल बहुत प्रभाव डालेगा। पाकिस्तान पहले से ही आतंकवाद का गढ़ है और हम इसे साबित करेंगे। पिछले 35 वर्षों से पाकिस्तान लगातार भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित कर रहा है। भाजपा सांसद हेमांग जोशी ने एकजुटता पर जोर देते हुए कहा, आज हमारा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल एकजुट ह्यटीम इंडिया के रूप में दुनिया के विभिन्न देशों में जा रहा है। हम भारत का पक्ष रखेंगे और पाकिस्तान के आतंकवाद समर्थन को वैश्विक मंच पर उजागर करेंगे। सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने मिशन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ह्लहम अब जापान जा रहे हैं, इसके बाद दक्षिण कोरिया, फिर इंडोनेशिया और मलेशिया जाएंगे। यह एक जनसंपर्क कार्यक्रम है।

गोवा में मोरमुगाओ बंदरगाह के लिए प्रमुख परियोजनाओं के उद्घाटन अवसर पर उपराष्ट्रपति ने किया संबोधन

नई दिल्ली, एजेंसी

मैं स्वयं विधायक रहा हूं, और विधायक बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्या मैं सही कह रहा हूं? मुख्यमंत्री जी? विधायकों का महत्व बहुत बड़ा है। हम भाग्यशाली हैं कि आज विधानसभा में दो सदस्य हैं, दाजी सालकर और संकल्प अमोनकर। मैं वहां बैठे-बैठे आपसे आंख मिला रहा था, और मुझे मेरा समय याद आ रहा था, जब '93 से 98ह्न तक मैं विधायक था। कोस्ट गार्ड के सदस्यगण, वरिष्ठ जिला अधिकारीगण और गणमान्य श्रोतागण, मेरे लिए यह एक सुखद अवसर था जब आज लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ। नरेन्द्र मोदी सरकार का एक पहलू यह है कि ये समर्पित करती है, यानी तेजी से काम पूरा करती है। प्रधानमंत्री में विकास के लिए जुनून है। विकास उनका मिशन है और वे तेजी से क्रियान्वयन और बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन में विश्वास करते हैं। आज समर्पित ये तीन परियोजनाएं भारत की बदलती छवि को परिभाषित कर रही हैं, तीन मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र। आपको यह जानकर खुशी होगी कि अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का मुख्यालय भारत में है। एक दशक पहले, हमारे यहां सौर ऊर्जा की उपलब्धता बहुत कम थी। अब

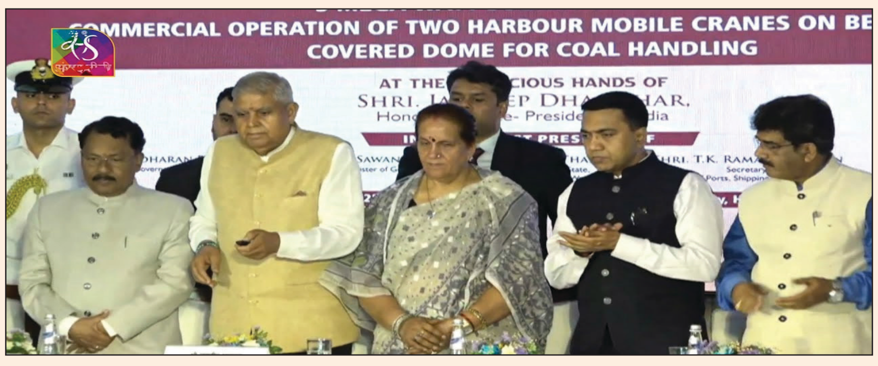

यह हर जगह हमारे परिदृश्य को सुशोभित कर रही है। सौर ऊर्जा में हम वैश्विक स्तर पर बहुत आगे हैं। यह एक स्वच्छ ऊर्जा है, नवीकरणीय ऊर्जा है, हरित ऊर्जा है। मुख्यमंत्री जी, आपको तो बहुत अच्छा लगा होगा, क्योंकि आपका जो पर्यावरण पुराना और आकर्षक है। मैं तो कहूंगा, पर्यटकों के लिए स्वर्ग। आपको इसकी बहुत आवश्यकता है, और काम भी हो रहा है। मैं चेहरे पर खुशी देख सकता हूं। हमने दो हार्बर मोबाइल क्रेन का व्यावसायिक संचालन देखा, जो बड़ी क्रेन थीं, जो 10वीं और 11वीं बर्स्ट पर थीं। यह भी दर्शाता है कि हमारे बंदरगाह आधुनिक हो रहे हैं। हम तकनीक के साथ तालमेल बनाए हुए हैं। हम विश्व में अग्रणी बनने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं और इसलिए, तकनीकी पैठ, तेज संचालन, पर्यावरण के अनुकूल संचालन, बंदरगाहों के लिए मौलिक हैं। और तीसरा, जो बहुत महत्वपूर्ण है, कोयला संचालन के लिए पक्का गुम्बदनुमा हॉल। यह सार्वजनिक-निजी-भागीदारी का संकेत देने वाली परियोजना है। अग्रणी कॉरपोरेट्स में से एक, जेएसडब्ल्यू ने इसे किया है। और मैंने स्क्रीन पर जो देखा वह एक उल्लेखनीय तकनीकी कृति है, लेकिन अगर हमें अपने पर्यावरण की रक्षा करनी है तो कोयले को कवर्ड तरीके से संभालना होगा। यह समय की मांग है। मुझे बहुत खुशी है कि यह शानदार पहल एक अग्रणी कॉर्पोरेट, जेएसडब्ल्यू के साथ मिलकर की गई है। गोवा राज्य में सबसे पुराने, सबसे रणनीतिक समुद्री प्रवेश द्वारों में से एक और देश के शीर्ष 10 में से एक, मोरमुगाओ बंदरगाह पर होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मोरमुगाओ बंदरगाह भारत की समुद्री विरासत का प्रतीक है, जो सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़ी है, और हमें एक बहुत ही अनोखी चीज की याद दिलाती है जिस पर गोवा और गोवा के लोग गर्व कर सकते हैं झ वो हैं गोवा के लोगों की समुद्री यात्रा की परंपराएं। ये परंपराएं दुनिया के लिए ईर्ष्या का विषय हैं और पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी, मुझे आपकी प्रबंधन कुशलता स्पष्टता से याद है, जब मैं पिछले वर्ष नवम्बर में यहां आया था, 37वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हुआ था, शानदार प्रदर्शन हुआ था, अच्छी तरह से प्रबंधित किया गया था, तथा हमारे खिलाड़ियों ने शक्ति और उत्साह का पूर्ण प्रदर्शन किया था। जरा सोचिए, 1.4 बिलियन की आबादी वाले देश में, गोवा जैसे राज्य में - जो बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन जनसंख्या के हिसाब से दो मिलियन से भी कम है - इतने बड़े खेल आयोजित किए गए। मैं प्रबंधन से रोमांचित था, और प्रदर्शन से भी। आपको बधाई, और अब, आज मेरे लिए एक विशेष अवसर है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में तीन वर्षों तक मैंने देखा, शांतनु ठाकुर जानते हैं कि मैं सही कह रहा हूं। एक ऐसा राज्य जो चक्रवातों, सुपर चक्रवातों से ग्रस्त रहता है। मैंने तटरक्षक बल के समर्पण, प्रदर्शन और प्रतिबद्धता को देखा। मैं आपके साहस और दृढ़ विश्वास को सलाम करने के लिए यहां आया हूं। मैं समुद्री प्रहरी के रूप में आपके अटूट संकल्प का गवाह रहा हूं। आप अद्भुत काम कर रहे हैं। जब मैं इस ढाल को देखता हूं, अभेद्य ढाल, एक ऐसी ढाल जो हमें गर्व से भर देती है। जो लोग आदर्श वाक्य को अपनाते हैं और आदर्श वाक्य पर खरे उतरते हैं, वे हमेशा आदर्श वाक्य को सही साबित करते हैं। ₹वयं रक्षामःₒ, हम न केवल अपने तटों की रक्षा करते हैं, बल्कि राष्ट्रीय हितों की भी रक्षा करते हैं। प्रिय तटरक्षक, मैं जानता हूँ कि आपका जीवन आसान नहीं है। आप कठिन परिस्थितियों में कठिन चुनौतियों का सामना करते हैं। जोखिम बहुत हैं, लेकिन कर्तव्य के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और समर्पण सुनिश्चित करता है कि संकट के समय में समुद्र में कोई मौत न हो।

छत्तीसगढ़ को पीएम मोदी की अनुपम सौगात, डोंगरगढ़ समेत 5 रेलवे स्टेशन का करेंगे वर्चुअल उद्घाटन

राजनांदगांव, एजेंसी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले स्थित मां बम्लेश्वरी देवी की नगरी डोंगरगढ़ समेत 5 रेलवे स्टेशनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनुपम सौगात देंगे। पीएम मोदी गुरुवार को ह्यअमृत भारत स्टेशन योजनाह्न के तहत नए आधुनिक रेलवे स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। रेलवे मंत्रालय की इस योजना के तहत देशभर के कई रेलवे स्टेशनों को आधुनिकीकरण से जोड़ा गया है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इस पहल के जरिए रेलवे बुनियादी ढांचे में सुधार किया जा रहा है, जो परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुगम बनाएगा। इन स्टेशनों को इस तरह से विकसित किया जा रहा है कि वे सिर्फ एक ठिकाना मात्र बनकर न रहें, बल्कि अपने-अपने इलाके की संस्कृति, वास्तुकला और परंपरा को दर्शाते हुए यात्रियों को एक अलग अनुभव दे सकें। डोंगरगढ़ के अलावा भिलाई, उरकुरा (रायपुर), भानुप्रतापपुर और अंबिकापुर स्टेशन भी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तैयार हैं। इन स्टेशनों में भारतीय संस्कृति, विरासत और आधुनिकता का समावेश किया गया है। वाणिज्य निरीक्षक पद्मनाभ शास्त्री ने बताया कि इस योजना के तहत डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन का बहुमुखी विकास हुआ है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को करने वाले हैं। यह स्टेशन यात्रियों के लिए बहुत उपयोगी रहेगा। बुधवार को डोंगरगढ़ के रेलवे स्टेशन में कार्यक्रम को सफल बनाने के संबंध में कालकपारा में जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान नवनियुक्त सांसद प्रतिनिधि, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष तरुण हथेल मौजूद रहे। लोगों को उम्मीद है कि आधुनिक रेलवे स्टेशन के बनने से उन्हें भविष्य में मदद मिलेगी। दशकों से लोगों ने डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन से कुछ गिनी-चुनी एक्सप्रेस और मालगाड़ियों को गुजरते और ठहरते देखा है। शिकायत रही है कि लोकल ट्रेनों के कम होने से नौकरीपेशा और छात्रों को परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। डिमांड है कि जनता की ख्वाहिश पर लोकल ट्रेनों और एक्सप्रेस ट्रेनों को बढ़ाया जाए। इससे जनता को सुविधा होगी और दूसरे राज्यों में जाने वाले नौकरीपेशा और तीर्थ यात्रियों को इसका फायदा जरूर मिलेगा। बता दें कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 2 वर्ष से भी कम की अवधि में 103 रेलवे स्टेशनों को पुनर्विकसित कर इसका उद्घाटन किया जा रहा है। रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की यह गति अद्वितीय है। अनेक कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री कह चुके हैं कि जिन परियोजनाओं का वह शिलान्यास करते हैं, उनका उद्घाटन भी वही करते हैं।

आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है राजीव गांधी को याद कर राहुल गांधी ने शेयर किया भावुक पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री ह्यभारत रत्नह्न राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उन्हें याद किया है। राहुल गांधी ने अपने पिता के नाम एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया। उन्होंने लिखा कि पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दो तस्वीरों को शेयर किया। एक तस्वीर में वह अपने पिता के साथ बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर राजीव गांधी की समाधि स्थल की है, जहां राहुल अपने पिता को हाथ जोड़कर श्रद्धांजलि देते हुए नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने इन तस्वीरों के साथ एक भावुक संदेश भी साझा किया। उन्होंने

लिखा, पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। इससे पहले कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने लिखा, ह्लस्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वीर भूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राजीव गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व ने हमारे राष्ट्र की नींव को बदल दिया, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित है। उनकी स्थायी विरासत हमारे दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती रहती है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भी राजीव गांधी को याद किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, ह्लआज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि। राजीव गांधी एक दूरदर्शी व्यक्ति थे और भारत के लिए शहीद हो गए। बता दें कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आज पुण्यतिथि है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने की डेनमार्क की प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन से मुलाकात, पीएम मोदी का दिया संदेश

कोपेनहेगन, एजेंसी

कोपेनहेगन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कोपेनहेगन में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्तिगत शुभकामनाएं दीं और भारत-डेनमार्क के बीच ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और गहरा करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, कोपेनहेगन में मेरा गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन को धन्यवाद। मैंने पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। आतंकवाद से लड़ने में डेनमार्क के समर्थन और एकजुटता के लिए आभार। हमारी ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने और सहयोग को और विस्तार देने के लिए पीएम फ्रेडरिकसन के मार्गदर्शन की सराहना करता हूं। यह मुलाकात मंगलवार शाम को हुई। इस साल के अंत में नॉर्वे में तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से पहले की मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण रही। इस शिखर सम्मेलन में पहले पीएम मोदी के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन शेड्यूल में बदलाव के कारण जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करने आए हैं। बैठक के दौरान जयशंकर और फ्रेडरिकसन ने आतंकवाद विरोधी सहयोग सहित आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। डेनमार्क ने वैश्विक आतंकवाद पर भारत के रुख का लगातार समर्थन किया है, जो हाल के दक्षिण एशियाई सुरक्षा घटनाक्रमों के बाद और भी महत्वपूर्ण हो गया है। भारत और डेनमार्क के बीच 2020 में शुरू हुई एक अनूठी कूटनीतिक व्यवस्था, ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप है, जो भारत की वैश्विक स्तर पर एकमात्र साझेदारी है।

समीक्षा | **उपलब्धियों तथा कार्ययोजनाओं की अद्यतन स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया................**

दिव्यांग शिक्षण संस्थानों में संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करें: योगी

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांग युवाओं के लिए संचालित शैक्षिक संस्थानों में प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशील, सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया है। बुधवार को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अराजक तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से दिव्यांगजनों के विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में भ्रम फैलाकर उन्हें अवांछित और समाजविरोधी गतिविधियों की ओर प्रवृत्त करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। ऐसी प्रवृत्तियों के प्रति हमें पूर्णतः सतर्क रहते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक-सामाजिक संरक्षण सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि इन संस्थानों में सहायता के नाम पर प्रस्ताव देने वाली बाहरी संस्थाओं की पृष्ठभूमि की गहन जांच-पड़ताल के उपरांत ही उनकी अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी बचपन डे केयर सेंटरों, मानसिक

मंदित आश्रय केंद्रों, समेकित विद्यालयों तथा ममता, स्पर्श और संकेत विद्यालयों का व्यापक निरीक्षण किया जाए। यहां अध्ययनरत बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं, आकांक्षाओं और अभिभावकों की अपेक्षाओं को समझते हुए संस्थागत व्यवस्थाएं और अधिक सुदृढ़ की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए और जब तक नियमित नियुक्ति न हो, तब तक अन्य वैकल्पिक व्यवस्था से योग्य युवाओं की सेवाएं ली जाएं। इन युवाओं को भविष्य की चयन प्रक्रियाओं में वेटेज प्रदान किया जाना चाहिए। बैठक में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों तथा कार्ययोजनाओं की अद्यतन स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त कल्याणकारी योजनाएं पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुसज्जित हों तथा लक्षित लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से लाभ प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते आठ वर्षों में विभाग के बजट में दस गुना से अधिक वृद्धि की गई है, जो दिव्यांगजनों के प्रति सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि दिव्यांगजन पेंशन योजना के अंतर्गत वर्तमान में 11.04 लाख लाभार्थियों को 1300 करोड़ की पेंशन राशि वितरित की गई है, जबकि कुष्ठरोग पीड़ित लगभग 12 हजार व्यक्तियों को 3000 प्रतिमाह की दर से सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्यस्तरीय अभियान चलाकर यह पता लगाया जाए कि किन पात्र व्यक्तियों को अभी तक पेंशन नहीं मिल रही है, साथ ही जो अपात्र लाभ ले रहे हैं, उन्हें भी चिह्नित कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि बीते वित्तीय वर्ष में 35,136 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, ब्रेल किट्स जैसे सहायक उपकरणों के लिए 28.93 करोड़ की सहायता दी गई है। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल योजना के अंतर्गत 270 अत्यंत दिव्यांगजन को 2 लाख तक की मशीनें उपलब्ध कराई गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ प्रदेश के लाभार्थियों तक पूरी तत्परता से पहुँचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल योजना में सांसदों और विधायकों से भी अपनी निधि से सहयोग देने का आग्रह किया जाए। दिव्यांगजनों को राज्य परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक में जानकारी दी गई कि बीते वित्तीय वर्ष में 31 लाख से अधिक दिव्यांगजनों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। ह्यकोक्लियर इम्प्लांट योजनाह्न की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना तभी प्रभावी हो सकती है, जब नवजात स्तर से ही उपचार प्रारम्भ हो। उन्होंने निर्देश दिए कि हाल ही में योजना से लाभान्वित 214 बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का फॉलोअप करते हुए उनके परिवारों से संवाद स्थापित किया जाए।

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम से निकली खालसा तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर के लिए सुरक्षा बलों के सम्मोन बुधवार को तालकटोरा स्टेडियम से कर्तव्य पथ तक खालसा तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद ने हरी झंडी दिखाई। खालसा तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, खालसा पंथ हमेशा देश की सेवा, सुरक्षा और एकता के लिए सबसे आगे रहा है। आज की तिरंगा यात्रा एक संदेश है कि सिख समुदाय का हर सदस्य इस मातृभूमि के लिए अपना जीवन देने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, वाहे गुरु जी दा खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह! देश और सेना के सम्मान में आज पूरा खालसा हाथ में तिरंगा थामे खड़ा है। यह एक आवाज है, एक ताकत है और देश की सेनाओं को दिखाने का जज्बा है कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर पूरा खालसा सीमा पर जाने के लिए तैयार है। यह प्रधानमंत्री के आह्वान का असर है ह्व वहीं, मंत्री आशीष सूद ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का स्वारगत करते हुए इस तिरंगा यात्रा के आयोजन के लिए सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा को धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त समाचार

सीएम हेल्पलाइनः आपका काम हुआ कि नहीं?...मुख्यमंत्री धामी ने शिकायतकर्ताओं से किया सीधे संवाद

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीएम हेल्पलाइन 1905 की सक्रियता की समीक्षा की। उन्होंने शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सीएम हेल्पलाइन 1905 की सक्रियता की समीक्षा करते हुए शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर

फीडबैक लिया। उन्होंने पूछा -आपका काम हुआ कि नहीं?

सीएम ने पिछली बैठक में सभी विभागों को तय समयसीमा में शिकायतों के समाधान के निर्देश दिए थे। अब इन निर्देशों का पालन हुआ या नहीं, यह जानने के लिए उन्होंने आवेदकों से स्वयं बात की। उत्तरकाशी की लक्ष्मी देवी ने बताया कि उनकी पारिवारिक पेंशन की समस्या अब सुलझ चुकी है।

रुद्रप्रयाग के जगदम्बा प्रसाद नौटियाल ने मेडिकल बिल भुगतान की शिकायत की थी, जिसका समाधान भी हो गया है। वहीं, नैनीताल निवासी बहादुर सिंह बिष्ट ने भी बताया कि उनका जीपीएफ भुगतान कर दिया गया है।

सभी शिकायतकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप से ही समाधान संभव हो सका। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि जनता की शिकायतों का समाधान तय समय पर और प्रभावी ढंग से होना चाहिए। मुख्यमंत्री धामी केवल समीक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे फॉलोअप में भी पूरी संवेदनशीलता के साथ लगे हैं। उनका यह कदम विभागों पर कार्यप्रणाली में तेजी लाने का दबाव भी बना रहा है।

शिक्षकों का प्रदर्शन जारी, कार्य बहिष्कार की दी चेतावनी

देहरादून, एजेंसी। वेतन अनुदान निर्गत न होने से गुस्साए अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। इस संबंध में मंगलवार को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ (ग्रूटा) से जुटे शिक्षकों ने विधायक खजानदास के जरिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि जल्द समस्या का समाधान नहीं होता है तो एक जून से संपूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा। ढ्ववहीं, दूसरी ओर एमकेपी पीजी कॉलेज में एमकेपी शिक्षक संघ से जुड़ी शिक्षिकाओं ने भी महाविद्यालय में प्रदर्शन किया। एमकेपी शिक्षक संघ की अध्यक्ष डॉ. ममता सिंह ने कहा कि शिक्षक अपना कार्य पूर्ण निष्ठा के साथ करते हैं। संसाधनों की कमी के बावजूद छात्राओं को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान की जाती है। विभिन्न विषयों में उच्च स्तरीय शोध शोधार्थी कर रहे हैं। लेकिन, हर तीन या छह महीने बाद वेतन के लिए शिक्षकों व कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन करने वालों में डॉ. पुनीत सैनी, डॉ. शालिनी उनियाल, डॉ. अलका मोहन, डॉ. नीतू त्रिपाठी, डॉ. संगीता खुल्लर, डॉ. अर्चना शुक्ला, ज्योत्सना शर्मा, डॉ. एल्वी दास, डॉ. मीनाक्षी शर्मा आदि मौजूद रहे।

विद्यालय में मैदान नहीं, बरामदे में हो रही प्रार्थना

देहरादून, एजेंसी। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के नए बने भवन में मैदान नहीं है। छात्राओं को प्रार्थना विद्यालय भवन के बरामदे में करनी पड़ रही है। वहीं, छात्राएं खेल प्रतियोगिताओं के लिए अभ्यास नहीं कर पा रही हैं। अभिभावक काफी समय से विद्यालय परिसर में मैदान के निर्माण की मांग कर रहे हैं। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के नए भवन का निर्माण छह महीने पहले पूरा हुआ है। लेकिन, विद्यालय परिसर में मैदान नहीं बनाया गया है। जिसके कारण छात्राओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय में 102 छात्राएं अध्ययनरत हैं और उन्हें विद्यालय के बरामदे में अव्यवस्थित ढंग से प्रार्थना करनी पड़ रही है। वहीं, छात्राओं को खेलने और अभ्यास के लिए स्थान नहीं मिल पा रहा है। विद्यालय अभिभावक संघ के अध्यक्ष सुरेश सिंह तोमर, प्रबंध समिति की अध्यक्ष रोशनी देवी, नरेंद्र सिंह, प्रेम दास, रवि वर्मा, डोडू दास आदि का कहना है कि चार करोड़ रुपये से विद्यालय भवन का निर्माण कराने वाले विभाग को छात्राओं की सुविधा के हिसाब से सभी व्यवस्थाएं करनी चाहिए थीं।

उत्तराखंड में हर साल कहर बरपाता है मानसून, इस बार मुसीबत से निपटने के लिए की जा रही खास तैयारियां

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में आगामी 15 जून के आस पास मानसून दस्तक देने जा रहा है. हर मानसून सीजन के दौरान उत्तराखंड के तमाम क्षेत्रों में आपदा जैसे हालात बन जाते हैं. इसके साथ ही मानसून के दौरान चारधाम यात्रा भी काफी प्रभावित होती है, लेकिन हर साल मानसून के दौरान सबसे ज्यादा सड़कों को नुकसान पहुंचता है. जिसके चलते यातायात बाधित हो जाता है. ऐसे में आगामी मानसून या आपदा सीजन को लेकर क्या हैं तैयारियां, किन विषयों पर दिया जा रहा है जोर? पूरी खबर विस्तार से पढ़िए.

विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य उत्तराखंड में मानसून के समय स्थितियां काफी गंभीर हो जाती हैं. खासकर प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में आपदा जैसी स्थिति बन जाती हैं, जिसके चलते स्थानीय निवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. इतना ही नहीं मानसून के दौरान होने वाले भूस्खलन से सबसे ज्यादा नुकसान सड़कों और पुलों को होता है.

जिसको देखते हुए आपदा और लोक निर्माण विभाग अभी से ही मॉनसून सीजन से संबंधित तैयारियों को दुरुस्त करने की कवायद में जुट गया है. भारी बारिश और जगह-जगह सड़कें बाधित होने की वजह से चारधाम भी बुरी तरह से प्रभावित हो जाती है. हालांकि,

मॉनसून सीजन के दौरान सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की भी होती है.

मानसून सीजन में होती है बड़ी परेशानी- दरअसल, मॉनसून सीजन के दौरान भले ही यात्रियों की संख्या काफी कम हो जाती है, लेकिन यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी चुनौती रहती है. हर साल मानसून सीजन के दौरान सड़कें बाधित होने के चलते यात्रियों को लंबे-लंबे जाम का सामना करना पड़ता है.

खासकर भूस्खलन होने के चलते कई बार सड़कें टूट जाती हैं, जिससे यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों को दिक्कतें होती हैं. जिसको देखते हुए लोक निर्माण विभाग और आपदा विभाग तमाम मशीनरी को लगाने का दावा कर रहा है. ताकि, भूस्खलन होने या फिर सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के दौरान मार्ग को तत्काल प्रभाव से खोला जा सके.

इसके अलावा पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की वजह से चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी रही, लेकिन जैसे ही स्थिति सामान्य होगी, धामों में यात्रियों की संख्या बढ़नी शुरू हो जाएगी. उन्होंने बताया कि पुराने पुलों के बेस को देखकर उसकी स्टडी करते हैं कि पुल कितनी मजबूत है? ऐसे में पुराने पुलों के रखरखाव करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं.

वहीं, उत्तराखंड में मानसून सीजन को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग भी हर तरह से तैयारियां मुकम्मल कर रहा है. इस बारे में आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने जानकारी दी.

स्टेक होल्डर के साथ होगी वर्कशॉप- आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि मौसम विभाग के सहयोग से बहुत जल्द एक वर्कशॉप करने जा रहे हैं. इस वर्कशॉप में सभी स्टेक होल्डर को शामिल किया जाएगा. साथ ही सभी को किस तरह की सावधानियां बरतनी हैं, इसकी जानकारी दी जाएगी. ऐसे में आपदा विभाग की कोशिश है कि कम से कम नुकसान हो और लोगों को राहत दी जा सके.

मानसून की तैयारियों के सवाल पर लोक निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पांडेय ने कहा कि मानसून का सीजन विभाग के लिए एक चुनौती भरा होता है. क्योंकि, इस दौरान पर्वतीय क्षेत्र से कई बार लैंडस्लाइड और सड़कों के बाधित होने का मामला सामने आता है. साथ ही कहा कि विभाग की गाइडलाइन तैयार है कि कहां-कहां पर दिक्कत होती हैं और कहां पर मशीन लगानी है, उसी आधार पर ही मशीनों और मैनपावर को लगाया जाता है.

पुलों की हो रही जांच- ऐसे में जैसे ही मानसून आने का संकेत मिलेगा, वैसे ही विभागीय एसओपी को एक्टिवेट कर दिया जाएगा. उसी के अनुसार सभी जरूरी काम किए जाएंगे. साथ ही बताया कि पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर जो पुल हैं, उसका साल में दो बार इंस्पेक्शन कराया जाता है, जिसके तहत पहली बार मानसून से पहले और दूसरी बार मानसून के बाद इंस्पेक्शन कराया जाता है. ऐसे में मानसून से पहले पुलों का इंस्पेक्शन किया जा रहा है.

विजिलेंस, सीबीआई के बाद पूर्व डीएफओ किशनचंद पर ईडी का शिकंजा, दाखिल की गई चार्जशीट

देहरादून, एजेंसी। ईडी ने पूर्व डीएफओ किशनचंद और उनकी पत्नी, एक स्टोन क्रशर समेत कई के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। कुछ दिन पहले पाखरो रेंज घोटाले में सीबीआई ने भी मुकदमा चलाने के लिए शासन से अनुमति मांगी थी।

विजिलेंस और सीबीआई के बाद अब पाखरो रेंज से जुड़े पूर्व डीएफओ किशनचंद व उनके करीबियों ने ईडी ने भी शिकंजा कसा है। धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के आरोप में ईडी ने किशनचंद, उनकी पत्नी, स्टोन क्रशन और चंद के एक फाउंडेशन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। विशेष धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए एक्ट) कोर्ट में इस मामले में अगली सुनवाई 23 मई को होगी।

बता दें कि पाखरो रेंज में अवैध पेड़ कटान और अनियमितताओं के मामले में वर्ष 2022 में विजिलेंस ने पूर्व डीएफओ किशन चंद समेत कई आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। विजिलेंस ने किशनचंद को गिरफ्तार भी किया था। इसके बाद चार्जशीट भी कोर्ट में दाखिल की जा चुकी थी।

इसी बीच सितंबर 2023 में हाईकोर्ट में इस मामले को उठाया गया।

हाईकोर्ट ने प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंपने के निर्देश सरकार को दिए थे। विजिलेंस ने जांच से संबंधित सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दिए। इसके आधार पर सीबीआई ने जांच की और किशनचंद समेत पांच पूर्व व वर्तमान अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति शासन से मांगी थी।

इसी बीच मामले में ईडी भी धन शोधन की जांच कर रही थी। इसे लेकर ईडी की देहरादून शाखा में एक मुकदमा दर्ज किया गया। करीब दो साल की जांच के बाद ईडी की ओर से किशनचंद, उनकी पत्नी बृज रानी उर्फ बृज रानी सिंह उर्फ राज रानी, युगेंद्र कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, कमलेंद्र सिंह, मैसर्स कुमार स्टोन क्रशर और बृज फाउंडेशन के खिलाफ विशेष पीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। बृज फाउंडेशन किशनचंद दंपती का ही बताया जा रहा है। इस मामले में बड़े पैमाने पर धन शोधन की पुष्टि हुई है। मामले में अगली सुनवाई के लिए 23 मई की तिथि नियत की गई है।

चार प्रमुख खेल परिसरों को मिले नए नाम, बनेगी नई पहचान, नामकरण का शासनादेश जारी

देहरादून, एजेंसी। चार प्रमुख खेल परिसरों को नए नाम को लेकर शासनादेश जारी कर दिया गया है। राज्य में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने के साथ उनकी नई पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से चार प्रमुख खेल परिसरों का नामकरण किया गया है। इन नामों को राज्यपाल की ओर से स्वीकृति मिलने के बाद मंगलवार को शासनादेश जारी हुआ।

अब, देहरादून के रायपुर में मौजूद सभी खेल अवस्थापनाओं को रजत जयंती खेल परिसर कहा जाएगा। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि रजत जयंती खेल परिसर में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और अन्य सभी खेलों का बुनियादी ढांचा शामिल रहेगा। इसी तरह गौलापार हल्द्वानी में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, हॉकी ग्राउंड, तरण ताल, मल्टीपर्पज हॉल व अन्य सभी खेल अवस्थापनाओं को मिलाकर मानसखंड खेल परिसर का नाम दिया गया है।

रुद्रपुर खेल परिसर अब शिवालिक खेल परिसर के रूप में पहचाना जाएगा। इसमें मनोज सरकार स्टेडियम, मल्टीपर्पज हॉल, वेलोड्रम और अन्य सभी अवस्थापनाएं शामिल हैं। इसी तरह हरिद्वार खेल परिसर को योगस्थली खेल परिसर का नाम दिया है। इसमें वंदना कटारिया हॉकी स्टेडियम, मल्टीपर्पज हॉल, तरणताल और अन्य सभी संबंधित अवस्थापना शामिल हैं। खेल विभाग के विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा ने कहा है कि यह नामकरण खेल सुविधाओं की पहचान स्थापित करने और भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं को ध्यान में रखकर खिलाड़ियों और मेहमानों को सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया है।

प्रथम तैनाती के कार्यक्षेत्र को गोद लेंगे 40 आईएएस अफसर, मुख्य सचिव ने जारी किया आदेश

देहरादून, एजेंसी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 8700 या इससे अधिक ग्रेड-पे के अधिकारियों को अपने प्रथम नियुक्ति के कार्य क्षेत्र को गोद लेना होगा। इस संबंध में आदेश जारी दिए गए हैं।

प्रदेश के 40 वरिष्ठ आईएएस अफसर अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लेंगे। वहां अब तक हुए बदलावों को देखते हुए विकास का नया आयाम स्थापित करेंगे। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को इस संबंध में सभी प्रमुख सचिव, सचिव, अपर सचिवों को आदेश जारी कर दिया।

जारी आदेश के मुताबिक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के 8700 या इससे अधिक ग्रेड-पे के अधिकारियों को अपने प्रथम नियुक्ति के कार्य क्षेत्र (विकासखंड, तहसील या जिला मुख्यालय) को गोद लेना होगा। एक ही जगह दो अधिकारियों की प्रथम तैनाती होने पर उनमें से एक अपनी दूसरी तैनाती का कार्यक्षेत्र देखेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अपेक्षा के अनुरूप इन अधिकारियों को प्रथम कार्यक्षेत्र में काम करना है।

उन्हें प्रथम नियुक्ति के कार्यक्षेत्र में उस वक्त से अब तक हुए बदलावों पर टिप्पणी देनी होगी। कार्यक्षेत्र में सीएसआर या अन्य संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए सामाजिक व आर्थिक विकास में योगदान की स्थिति में सुधार करना होगा। उस क्षेत्र में कार्यरत एनजीओ, सिविल सोसायटी और स्थानी जनों से सहयोग लेना होगा। विभिन्न संसाधनों जिसमें जिला योजना, राज्य सेक्टर, वित्त आयोग आदि से मिलने वाली धनराशि के सही उपयोग की कार्ययोजना तैयार करनी होगी। सभी अफसरों की प्रथम, द्वितीय व तृतीय तैनाती की सूची भी उनके नाम के साथ जारी की गई है।

अधिकारियों-कर्मचारियों को शासन ने दी बड़ी राहत, बायोमीट्रिक के साथ अब मोबाइल से भी लगेगी हाजिरी

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश के अधिकारियों व कर्मचारियों को बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य की गई थी, लेकिन

प्रदेश के अधिकारियों व कर्मचारियों को अब बायोमीट्रिक हाजिरी की परेशानियों के बीच शासन ने बड़ी राहत दी है। विकल्प के तौर पर कर्मचारी अपने मोबाइल से आधार बेस्ड हाजिरी लगा सकेंगे। इसकी मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) सचिवालय प्रशासन ने जारी कर दी।

एक मई से मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन के आदेश पर प्रदेशभर के सरकारी कार्यालयों में सख्ती से बायोमीट्रिक हाजिरी का नियम लागू किया था। सचिवालय में तकनीकी दिक्कतों के चलते अधिकारी-कर्मचारी हाजिरी नहीं लगा पा रहे थे। इस बीच दफ्तर में देरी से आने वालों पर कार्रवाई का आदेश भी जारी किया गया था।

सचिवालय परिसर में आधार की साइट, स्वान की ओर से आईपी एड्रेस बदल दिए जानें, आरडी दिक्कतों के कारण अधिकारी, कर्मचारी अपनी बायोमीट्रिक हाजिरी नहीं लगा पा रहे थे। बायोमीट्रिक हाजिरी के विकल्प के तौर पर फेशियल रिकग्निशन की व्यवस्था लागू

की गई है। इससे कर्मचारी अपने मोबाइल से ही अपनी हाजिरी लगा सकेगा।इसके लिए उसे अपने मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर से आधार बेस और आधार फेस आरडी एप डाउनलोड करना होगा।

इस पर अपनी लॉगिन आईडी बनानी होगी। आधार बेस में रजिस्ट्रेशन के लिए पहले डोमेन में अपना राज्य उत्तराखंड चुनें। इसके बाद अपना पासवर्ड डालें। आपकी आईडी बनने के बाद आपके पास नॉर्थ ब्लॉक ग्राउंड, सीएम बिल्डिंग, सीएस बिल्डिंग, एसबीआई बिल्डिंग का एंट्री प्वाइंट लिखा आएगा। इसमें से कोई एक चुनें। इसके बाद अपनी तस्वीर अपलोड कर लें। आपकी हाजिरी लग जाएगी।

बारात में गए दो पक्षों के बीच विवाद ने पकड़ा तूल, देर रात हुआ खूनी संघर्ष, एक की मौत

रुड़की, एजेंसी। हरिद्वार जिले के मंगलौर कस्बे में बारात में गए दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने बीती देर रात खूनी संघर्ष का रूप ले लिया. इस खूनी संघर्ष में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया. जहां से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है. मामले की छानबीन शुरू कर दी है.

जानकारी के मुताबिक मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के पठानपुरा मोहल्ले से 20 मई मंगलवार के दिन एक बारात उत्तर प्रदेश के

मुजफ्फरनगर में गई थी. बारात में मोहल्ले के कुछ युवक भी शामिल थे. बताया गया है कि बारात में उन युवकों का दूल्हे पक्ष के कुछ मेहमान युवकों जो कि हापुड़ से आए हुए बताए गए हैं उनसे किसी बात को लेकर विवाद हो गया. विवाद के बाद मामला गर्म हुआ तो बारात में शामिल लोगों ने बीच बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कर दिया. इसके बाद शाम को बारात भी वापस लौट आई.

इसके बाद देर रात करीब डेढ़ बजे दूल्हे के हापुड़ निवासी मेहमान युवकों ने पठानपुरा मोहल्ले के युवकों पर चाकुओं से हमला कर दिया. इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता तब तक मामला बहुत बढ़ चुका था. इस हमले में समर पुत्र समरदराज, ओवैस पुत्र रशीद, सलमान और समद पुत्र समरदराज घायल हो गए. सूचना पर पहुंची पुलिस. जिसके बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया. जहां पर अस्पताल के चिकित्सकों ने समर को मृत घोषित कर दिया. साथ ही ओवेश की हालत को गंभीर देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर किया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है.

मंगलौर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शांति कुमार ने बताया मामले में तहरीर मिली है. तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

सरकार ने तीन तहसीलदारों को डिप्टी कलेक्टर के पद पर किया प्रमोट

देहरादून, एजेंसी। डीपीसी के तहत तहसीलदार सोहन सिंह, प्रियंका रानी और ललित मोहन तिवारी को डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नति दी गई है।

सरकार ने तीन तहसीलदारों को डिप्टी कलेक्टर के पद पर प्रमोट कर दिया है। वहीं, पीसीएस हिमांशु कफल्टिया का तबादला रोक दिया गया है। वह अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के सचिव बने रहेंगे। झरना कमठान सहित कई अपर सचिवों के तबादला आदेश में बदलाव किए गए।

आदेश के मुताबिक, 21 अप्रैल को राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से हुई डीपीसी के तहत तहसीलदार सोहन सिंह, प्रियंका रानी और ललित मोहन तिवारी को डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नति दी गई है। इनकी पदोन्नति हाईकोर्ट में दायर प्रियंका रानी बनाम उत्तराखंड राज्य के निर्णय के अधीन होगी।

अपर सचिव श्रीश कुमार की बाध्य प्रतीक्षा खत्म करते हुए सरकार ने सचिव सेवा का अधिकार आयोग की जिम्मेदारी दी है। अपर सचिव झरना कमठान से वित्त हटाते हुए उन्हें अपर सचिव ग्राम्य विकास और परियोजना निदेशक यूजीवीएस-रीप बनाया गया है। पीसीएस मोहम्मद नासिर को प्रशासनिक अकादमी से हटाते हुए अपर सचिव पुनर्गठन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 17 मार्च का तबादला आदेश निरस्त करते हुए शासन ने पीसीएस हिमांशु कफल्टिया को चयन आयोग सचिव पद पर बरकरार रखा है।

विधायकों ने दिया फीडबैक, चार इंजन वाली भाजपा सरकार से जनता परेशान, केजरीवाल सरकार को कर रही याद : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और नेता प्रतिपक्ष आतिशी से पार्टी के सभी विधायकों से बुधवार को मुलाकात की। इस दौरान दिल्ली के मौजूदा हालात पर चर्चा हुई। विधायकों ने बताया कि दिल्ली के तमाम इलाकों में साफ पानी की भारी कमी है। सभी विधानसभाओं में जल संकट बढ़ता जा रहा है। इस साल दिल्ली में कही भी पानी की नई पाइप लाइन बिछाने का काम नहीं हुआ है। साथ ही, दिल्ली में जगह-जगह घंटों पावर कट भी लग रहे हैं और लोग बिजली कटौती से परेशान हैं। इस दौरान तय किया गया कि आप विधायकों का एक प्रतिनिधि मंडल बिजली-पानी के मुद्दे पर जल्द ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलने जाएगा। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में पानी की समस्या चल रही है। इसलिए आप विधायकों के प्रतिनिधि मंडल का सीएम रेखा गुप्ता से मिलना जरूरी हो गया है। दरअसल, बुधवार को आम आदमी पार्टी के विधायकों ने वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और नेता प्रतिपक्ष आतिशी से मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य बीते तीन महीने के दौरान भाजपा की चार इंजन वाली दिल्ली सरकार द्वारा ठप किए गए जनहित के कार्यों और भाजपा द्वारा किए गए वादों पर खरा ना उतरने पर चर्चा हुई। सबसे पहले एक-एक विधायक से अपने क्षेत्र में ठप हुए विकास कार्यों और जनता की समस्याओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप सभी से मिले काफी दिन हो गए थे। आज सबसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। आगे भी इसी तरह से नियमित रूप से मुलाकात होती रहेगी। मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा की आपदा सरकार के शिकार बनें दिल्लीवालों की आवाज आप विधायक बनें। दिल्ली में तीन महीनें में ही शिक्षा माफिया हावी, पानी-बिजली व्यवस्था ठप हो गई है। भाजपा झूठे वादे कर दिल्ली की सत्ता में आईं, इसलिए एक भी वादे पर खरा नहीं उतर पाई। जनता के हर सुख-दुख में खड़े रहें, उनकी समस्याओं का समाधान कराएं। विधायकों ने बताया कि बीते तीन महीने में भाजपा की सरकार गवर्नेंस के मामले में पूरी तरह फिसड्डी साबित हुई है। दिल्ली की जनता ने बड़ी उम्मीदों और सपनों के साथ 27 साल बाद भाजपा को सत्ता में वापसी का मौका दिया था, लेकिन भाजपा के सत्ता में आते ही जनता की सारी उम्मीदों और सपनों पर पानी फिर गया है। विधायकों ने बताया कि पिछले तीन महीने पूरी दिल्ली में असमय पॉवर कट लग रहे हैं। भीषण गर्मी में बिजली कटौती के चलते लोग परेशान हैं और इनवर्टर लगाने के लिए मजबूर है। विधायकों ने बताया कि भाजपा ने दिल्लीवालों को पीने का साफ पानी उपलब्ध कराने का वादा करके सत्ता में आईं थीं, लेकिन आलम यह है कि दिल्ली के कई इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। लोग जल बोर्ड से शिकायत कर रहे हैं लेकिन वहां कोई सुनने वाला नहीं है। साथ ही, कई इलाकों में पर्याप्त स्वच्छ पानी की सप्लाई नहीं हो रही है और लोग लंबी-लम्बी लाइनों में लगकर टैंकर से पानी लेने के लिए मजबूर है। इसी तरह, नाले और सीवर जाम की समस्या से भी लोग परेशान हैं। कई नाले चोंक हुए पड़े है और ओवरफ्लो होकर पानी सड़कों पर भर रहा है। कूड़े का उठान भी नहीं होने से लोग परेशान हैं। विधायकों से जन समस्याएं सुनने के उपरांत मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने झूठे वादे कर दिल्ली की जनता को ठगा है। भाजपा ने तीन महीने में अपने किसी भी वादे पर खरा नहीं उतरी है। इसलिए जनता की परेशानियां और दुश्वारियां बढ़ रही है। ऐसे में, भाजपा के कुशासन की वजह से आम आदमी पार्टी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि हम दिल्ली की जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहें और बिजली, पानी, सीवर समेत बुनियादी समस्याओं को मजबूती से उठाएं।

दिल्ली में 85 साल बाद दिखा भूरे रंग का भारतीय भेड़िया, देखने के लिए लगी लोगों की भीड़

बाहरी दिल्ली। दिल्ली में यमुना के बाढ़ मैदानी क्षेत्र में पल्ला गांव के पास दुर्लभ भूरे रंग के भारतीय भेड़िया देखा गया है। यमुना जैव विविधता पार्क के अधिकारी का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह भारतीय भेड़िया ही लग रहा है। वन्य जीव प्रेमी इस भेड़िया का फोटो लेने में सफल रहा। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि भूरे रंग का भारतीय भेड़िया 85 साल बाद राजधानी क्षेत्र में नजर आया है। वन्य जीव प्रेमी यमुना के आसपास भेड़िए के दिखने की घटना अच्छा-सुखद और दुर्लभ घटना मान रहे हैं। वन्य जीव विभाग क्षेत्र में भेड़िए की उपस्थिति की पुष्टि नहीं कर रहा है। उत्तरी जिले के पल्ला गांव पल्ला के पास मैदानी क्षेत्र में अकेला भारतीय भूरे रंग का भेड़िया देखा गया। यह वह क्षेत्र है, जहां यमुना नदी दिल्ली में प्रवेश करती है। यह भेड़िया पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार सुबह वन्य जीव प्रेमी छायाकार हेमंत गर्ग ने देखा। हेमंत गर्ग ने भेड़िया का फोटो कैप्चर किया। गर्ग ने बताया कि गहरे भूरे रंग का था और लावारिस कुत्ते से अलग एक खास अंदाज में चलता था।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में मुठभेड़ के बाद लुटेरा गिरफ्तार

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा,। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ के बाद एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से देशी तमंचा, कारतूस, लूटे हुए दो मोबाइल फोन और चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) यमुना प्रसाद ने मंगलवार को बताया कि बीती रात सेक्टर-14 के पास चेकिंग के दौरान बाइक से वहां से गुजर रहे एक युवक को संदेह के आधार पर रुकने का इशारा किया गया। उन्होंने बताया कि युवक रुकने के बजाय भागा और पुलिस ने पीछा कर उसे घेर लिया लेकिन युवक ने पुलिस पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में न्यू अशोक नगर के रहने वाले सोनू उर्फ सट्टा (25) के पैर में गोली लगी तथा उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और पूछताछ में उसने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लूट व चोरी की दर्जनों वारदातों में अपनी संलिप्तता कबूल की है।

संक्षिप्त खबरें

तकनीकी खराबी के कारण हुई देरी के बाद दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर सेवाएं बहाल

नई दिल्ली,। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर द्वारका और जनकपुरी पश्चिम के बीच सेवाएं बुधवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण देरी के बाद फिर से शुरू हो गई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के प्रवक्ता ने बताया कि तकनीकी खामी के चलते यात्रियों को थोड़ी देर के लिए असुविधा हुई, लेकिन रखरखाव टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया और समस्या का समाधान कर मेट्रो सेवा का संचालन सामान्य कर दिया गया। डीएमआरसी ने बताया कि दिल्ली मेट्रो की अन्य सभी लाइनों पर सेवाएं निर्धारित समय के अनुसार सुचारु रूप से चल रही हैं।

दिल्ली सरकार ने अधिकारियों की छुट्टियां रद्द करने का आदेश वापस लिया

नई दिल्ली,। दिल्ली सरकार ने पाकिस्तान के साथ इस महीने की शुरूआत में हुए सैन्य संघर्ष के मद्देनजर अपने अधिकारियों की छुट्टियां रद्द करने के आदेश को बुधवार को वापस ले लिया। दिल्ली सरकार के सेवा विभाग ने कहा कि अधिकारियों/ कर्मचारियों की सभी छुट्टियां रद्द करने संबंधी आठ मई का उसका पिछला आदेश तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाता है। आठ मई के अपने आदेश में विभाग ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष से उत्पन्न किसी भी आपातकालीन स्थिति के मद्देनजर अगले आदेश तक दिल्ली सरकार के सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी थीं। हालांकि, कुछ दिनों के बाद स्थिति में सुधार हुआ क्योंकि 10 मई को दोनों देशों ने तत्काल प्रभाव से सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने छह-सात मई की रात को ह्यऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जो 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया थी। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

सीजन की सबसे गर्म रही बुधवार की सुबह बढ़ी गर्मी की चुभन

नई दिल्ली। मौसमी उतार चढ़ाव के गर्मी अब तेजी से पांव फैला रही है। दिन के ही नहीं, रात के तापमान में भी वृद्धि होने लगी है। लू चलने से दिन में गर्मी की चुभन काफी बढ़ गई है। इस बीच बुधवार की सुबह भी इस सीजन की सबसे गर्म रही है। उधर दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी हुई है। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह इस सीजन का अभी तक का सर्वाधिक है। दिन का तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। आसमान साफ रहेगा। तेज धूप खिली रहेगी। बुधवार को सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 201 रिकॉर्ड किया गया। इसे खराब श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा मध्यम से खराब श्रेणी में चल रही है। पूवार्नुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा।

अदालत ने महिला पत्रकारों के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने पर मित्रा को फटकारा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यूजलॉन्ड्री की नौ महिला पत्रकारों के खिलाफ ऑनलाइन पोस्ट में कथित रूप से अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में बुधवार को टिप्पणीकार अभिजीत अय्यर मित्रा के प्रति नाराजगी जताई और उन्हें पांच घंटे के भीतर पोस्ट हटाने को कहा। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने मित्रा के वकील से कहा, सभ्य समाज में इस तरह की अपमानजनक भाषा स्वीकार्य नहीं है। पहले आप पोस्ट हटाइए, फिर हम आपकी बात सुनेंगे। अदालत न्यूजलॉन्ड्री के साथ काम करने वाली नौ महिला पत्रकारों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने एक्स पर मित्रा के अपमानजनक, झूठे, दुर्भावनापूर्ण और निराधार आरोपों के लिए दो करोड़ रुपये का हजार्ना दिये जाने का अनुरोध किया है। याचिका में कहा गया है कि मित्रा ने महिला पत्रकारों के साथ-साथ उनके संगठन के खिलाफ भी अपमानजनक शब्दों और गालियों का इस्तेमाल किया था। मित्रा के वकील ने कहा कि पोस्ट में इस्तेमाल किए गए शब्द सही नहीं थे और उन्होंने पोस्ट हटाने पर सहमति जताई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 26 मई को तय की है।

दिल्ली: कोटला मुबारकपुर के बाजार में आग लगने से कई दुकानें जलीं

नई दिल्ली,। दिल्ली के कोटला मुबारकपुर स्थित बाजार में बुधवार तड़के आग लग जाने से टिन शेड में बनी कम से कम छह दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अग्निशमन के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह चार बजकर आठ मिनट पर आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल के नौ वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया और उन्होंने सुबह सवा छह बजे तक आग पर काबू पा लिया। फिलहाल किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं मिली है। आग की इस घटना में कपड़े, तिरपाल, स्टेशनरी और कॉस्मेटिक सहित विभिन्न प्रकार का सामान बेचने वाली दुकानें प्रभावित हुईं। अधिकारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी।

दक्षिण कोरिया में एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में ऑपरेशन सिंदूर पर बोले सांसद राघव चड्ढा कहा- भारत अब आतंक को बर्दाश्त नहीं करता, बल्कि सटीक और निर्णायक जवाब देता है

सांसद राघव चड्ढा बोले- पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ पूरी दुनिया हो एकजुट, ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने दिया करारा जवाब ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया- भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन अगर कोई हमारे देश में आतंक फैलाएगा, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। सांसद राघव चड्ढा ने कहा- अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी भी भारत में जन्मे, तो यहां भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस जैसे क्रांतिकारी भी पैदा हुए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सियोल, दक्षिण कोरिया,। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने सियोल में आयोजित प्रतिष्ठित एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस 2025 में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि भारत अब आतंकवादी हमलों पर केवल दुख व्यक्त नहीं करता, बल्कि अब वह सटीक और निर्णायक सैन्य कार्रवाई के जरिए जवाब भी देता है, जैसा ऑपरेशन सिंदूर में किया। पहलगाम हमले के बारे में दुनिया को बताया दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में चोसुन मीडिया और सेंटर फॉर एशिया लीडरशिप के सहयोग से आयोजित पूर्व का दावोस नाम से मशहूर प्रतिष्ठित एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस (ALC 2025) में सांसद राघव चड्ढा ने कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या के बाद भारत ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व के जरिए यह स्पष्ट कर दिया कि अगर हमारे देश की शांति से खिलवाड़ किया गया, तो हम आतंक के ढांचे को जमींदोज कर देंगे, चाहे वो देश की सीमा के भीतर हों या बाहर। पाकिस्तान को दी कड़ी चेतावनी सांसद राघव चड्ढा ने दुनिया के सामने भारत की नई रणनीति पर बोलते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि भारत अब एक नई सैन्य और कूटनीतिक नीति के तहत काम कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा, हम केवल आतंकी हमलों की प्रतिक्रिया नहीं करते, बल्कि अब हम आतंक के मूल ढांचे को जड़ से खत्म करते हैं। सांसद राघव चड्ढा ने आगे कहा कि भारत अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी की भूमि से आता है, लेकिन साथ ही इस भूमि पर जहां भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस जैसे क्रांतिकारी भी पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा,हम शांति में विश्वास करते हैं, लेकिन आतंकवाद का समर्थन करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। ग्लोबल मंच पर पेश की भारत की नई छवि सियोल में आयोजित एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में राघव चड्ढा ने भारत की तरफ से एक निर्णायक, आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से मजबूत राष्ट्र की छवि को दुनिया के सामने रखा। उन्होंने पाकिस्तान की तरफ से प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक मंच से एकजुटता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में भारत एक निर्णायक और दृढ़ राष्ट्र के रूप में उभरा है और यह बताया है कि हम आतंकवाद, आतंकी ढांचे और दुष्ट राष्ट्रों के साथ कैसे निपटते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत सरकार और हमारी भारतीय सेना ने यह साफ कर दिया कि हम शांति के पक्षधर हैं, लेकिन अगर कोई हमारे देश की शांति को भंग करता है और हमारे लोगों को नुकसान पहुंचाता है, तो हम आतंकी ढांचे को बख्शेंगे नहीं, चाहे वह कहीं भी हो। नतीजतन, सीमा पार आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए सटीक सैन्य कार्रवाई की गई। भारत की जीरो टॉलरेंस टू टेररिज्म पॉलिसी राघव चड्ढा ने स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर काम करता है। उन्होंने कहा, आज का भारत वह नहीं है जो हमलों को चुपचाप सह लेता था। हम अब हमला सहते नहीं, बल्कि सीमापार जाकर आतंक के ठिकानों को खत्म करते हैं। राघव चड्ढा ने कहा,भारत अब आतंक के खिलाफ सिर्फ कूटनीतिक बयान नहीं देता, बल्कि जमीन पर कार्रवाई करता है। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। भारत अब न केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा करता है, बल्कि दुनिया को भी आतंक मुक्त बनाने में अपना योगदान देने को तैयार है।

NIDCC के माध्यम से भारतीय उत्पादों को एक अंतरराष्ट्रीय रोजगार मंच का ज्ञान भवन, पटना, बिहार में IfDEX 2.0, 2025 का भव्य आयोजन होगा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारतीय उद्योगों के लिए NIDCC के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय रोजगार को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पूरे भारत की सबसे बड़ी उद्योग प्रदर्शनी क्ल्लउ्र 2.0, 2025 का आयोजन 3 से 6 जुलाई 2025 तक ज्ञान भवन, पटना, बिहार, में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय (टरटए) तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI) का समर्थन प्राप्त है। इसका प्रथम आयोजन 02 से 05 मई 2025 को एडलक्स इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर कोच्चि केरला में हुआ। जिसमें भारत सरकार के खाद्य प्रसारण उद्योग मंत्री व हाजीपुर, बिहार, लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री चिराग पासवान जी और उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और भारत सरकार के कारपोरेट अफेयर्स राज्य मंत्री श्री बी. एल. वर्मा जी का मुख्य अतिथि के रूप में आगमन हुआ। जिसमें माननीय मंत्री महोदय श्री चिराग पासवान जी और श्री बी.एल. वर्मा जी ने अपनी भारत सरकार की नीति ह्लसबका साथ सबका विकासह्व के तहत कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण संदेश देकर उपस्थित अतिथियों ,अधिकारियों, विभिन्न देशों से आए उनके राजदूतों, और प्यारी जनता और हमारी संस्था ठक्ऌउ का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में आगामी कार्यक्रम में आने का और सम्पूर्ण योगदान करनें का आश्वासन दिया। इस भव्य आयोजन की रूपरेखा नेशनल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट काउंसिल कमेटी (ठक्ऌउ) द्वारा तैयार की गई है, जो देश के छोटे और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करने हेतु कार्यरत है। प्रदर्शनी में 400 से अधिक व्यापारिक एवं रिटेल ब्रांड, 20 से अधिक वित्तीय संस्थाएं, 40 एम्बेसी, 30 बुद्धिस्ट कंट्रीज और कई अंतरराष्ट्रीय खरीदार और सरकारी प्रतिनिधियों को भाग लेने का अवसर मिलेगा। 2.0, 2025 का उद्देश्य भारतीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय-स्तर पर स्थापित करना, विदेशी निवेशों को आकर्षित करना और वित्तीय संस्थाओं के साथ संवाद के नए अवसर प्रदान करना है। अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से जुड़ावः दुनिया भर से आए व्यापार प्रतिनिधियों और रिटेल चेन से नेटवर्किंग का अवसर। वित्तीय संस्थाओं से संवादः ऋण, सब्सिडी और निवेश की प्रक्रियाओं व संभावनाओं पर चर्चा। सरकारी योजनाओं की जानकारीः केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही टरटए और खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं की विस्तृत जानकारी। उद्योग विशेषज्ञों से मुलाकातः अनुभवी उद्यमियों और नीति निमार्ताओं के साथ विचार-विमर्श। बाजार विस्तारः 2,500 से अधिक पंजीकृत इ2इ व्यापार विजिटर्स को अपने उत्पादों की प्रस्तुति। NIDCC की उप-निदेशक श्री रमेश राय ने कहा 2.0, 2025 केवल एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि भारतीय उद्यमियों के लिए वैश्विक अवसरों का प्रवेश द्वार है। यहां, उन्हें न केवल खरीदार और निवेशक मिलेंगे, बल्कि उद्योग की नई जानकारी और सरकारी सहायता भी मिलेगी।

बच्चों में बढ रही हैं मानसिक और शारीरिक बिमारीयां विशेषज्ञ

●डॉ. संजय वजीर, मेडिकल डायरेक्टर (एनसीआर) नियोनेटोलॉजी और पीडियाट्रिक्स, मदरहुड अस्पताल गुरगाव

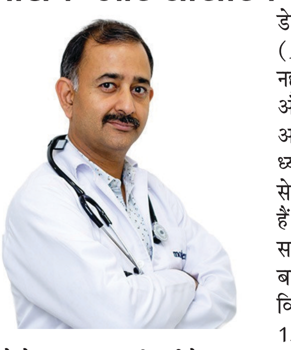

नई दिल्ली : डॉ. संजय वजीर, बदलती जीवनशैली, पढ़ाई का दबाव और खराब खानपान की वजह से आजकल बच्चे मानसिक और शारीरिक बीमारियों से जूझ रहे हैं। अगर समय रहते बिमारी का निदान और इलाज हुआ तो बच्चे अच्छी जिंदगी जी सकते हैं। इससे अलावा तनाव, चिंता, मोटापा और कई स्वास्थ्य समस्याओं से न केवल बडे बल्कि बच्चे भी शिकार हो रहे हैं। ज्यादा स्क्रीन देखना, पढ़ाई का टेंशन और गलत दिनचर्या इसका कारण हैं। अगर इनका समय पर इलाज न हो, तो बच्चों की सेहत, पढ़ाई और विकास पर बुरा असर पड़ सकता है। बच्चों में होने वाले मानसिक विकार 1. चिंता :- बच्चा हर समय घबराया हुआ रहता है, अलग होने का डर रहता है या पैनिक अटैक आते हैं। माता-पिता का दबाव, असफलता का डर, अकेलापन, पारिवारिक झगड़े, किसी करीबी की मृत्यु या आर्थिक परेशानी के कारण यह समस्या हो सकती हैं। बेचैनी, चिड़चिड़ापन, नींद न आना, लोगों से बचना यह इस बिमारी के लक्षण हैं। अगर समय रहते इलाज न हो, तो यह बच्चे की पढ़ाई, आत्मविश्वास और सामाजिक विकास पर असर डालता है। 2. डिप्रेशन - अगर बच्चा हमेशा उदास रहता है, किसी भी चीज में रुचि नहीं लेता या खुद को बेकार समझता है, तो यह डिप्रेशन हो सकता है। पारिवारिक तनाव, पढ़ाई का तनाव यह बच्चों में डिप्रेशन का कारण बनता हैं। कम एनर्जी, भूख न लगना, मूड बदलना, दोस्तों या पसंदीदा चीजों से दूरी बनाना यह डिप्रेशन के लक्षण हैं। डिप्रेशन अगर नजरअंदाज किया गया, तो यह पढ़ाई में ध्यान न लगना जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। 3. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD) वाले बच्चे ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते, बार-बार चीजें भूलते हैं, और बहुत एक्टिव रहते हैं। इसके पीछे आनुवांशिक कारण हो सकते हैं। पढ़ाई में ध्यान न लगना, बार-बार भूलना, जरूरत से ज्यादा एक्टिव होना यह इसके लक्षणं हैं। इससे बच्चे की पढ़ाई, दोस्ती और सामाजिक तालमेल प्रभावित होता है। बच्चों में होने वाले शारीरिक स्वास्थ्य विकार बच्चों में आम शारीरिक समस्याएं 1. मोटापा :- खराब खानपान और खेल-कूद की कमी से वजन बढ़ता है। लक्षणः जल्दी थक जाना, ठीक से चल न पाना, कम ताकत। आगे चलकर डायबिटीज, बीपी और हड्डियों की दिक्कत हो सकती है। 2. अस्थमा :- सांस लेने में परेशानी होती है। कारणः धूल, प्रदूषण, कम इम्युनिटी। लक्षणः खांसी, सांस फूलना, सीटी जैसी आवाज आना। 3. आंख और पीठ की समस्या :-ज्यादा स्क्रीन देखने से आंखें और पीठ पर असर होता है। लक्षणः सिरदर्द, धुंधला दिखना, गर्दन या पीठ में दर्द। बच्चों की मानसिक सेहत का ध्यान कैसे रखें? बच्चे से खुलकर बात करें, उसे क्या परेशान कर रहा है, समझने की कोशिश करें। स्क्रीन टाइम कम करें, बाहर खेलने को कहें।

नोएडा : शेयर बाजार में निवेश के नाम पर महिला से ठगी का मामला सामने आया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा,। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा में साइबर अपराधियों द्वारा एक महिला से 20 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) प्रीति यादव ने बताया कि श्वेता राय नामक महिला ने मंगलवार की रात रिपोर्ट दर्ज कराई कि उन्हें 25 फरवरी को एक फोन कॉल आई थी और फोन करने वाले व्यक्ति ने शेयर बाजार में फायदा होने का लालच देकर उनसे पैसा निवेश करने को कहा। यादव ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार महिला ने 28 फरवरी को कुछ पैसा निवेश किया और उनकी धनराशि बढ़ती हुई दिखाई दी। शिकायतकर्ता के अनुसार साइबर अपराधियों ने उन्हें अपने जाल में फंसाकर लगभग 20 लाख रुपये अपने खाते में हस्तांतरित करा लिये। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि बाद में जब महिला ने अपनी रकम निकालनी चाही तो उन्हें पता चला कि उनके साथ ठगी हुई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूजर चार्ज खत्म करने का आप का संघर्ष सफल रहा भाजपा को मजबूरन इसे खत्म करना पड़ा : अंकुश नारंग

नई दिल्ली,दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी विपक्ष के रूप में सकारात्मक भूमिका निभाएगी और दिल्ली की जनता का हित सर्वोपरि रखते हुए एमसीडी का सदन चलने में कोई व्यवधान नहीं डालेगी। बुधवार को आयोजित एमसीडी सदन में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने यह भरोसा महापौर इकबाल राजा सिंह को दिया। बतौर नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने पहली बार सदन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले ढाई सालों तक भाजपा ने सिर्फ नाकारात्मक राजनीति की और एमसीडी का एक भी सदन नहीं चलने दिया। इसके चलते काफी काम प्रभावित हुए। आम आदमी पार्टी के लिए जनता के हित महत्व रखते हैं और हम सदन को चलाने में पूरा सहयोग करेंगे। अंकुश नारंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्लीवालों पर जबरन थोपे गए यूजर चार्ज को खत्म करने को लेकर संघर्षरत थी। हमारा यह संघर्ष सफल रहा और भाजपा को मजबूरन होकर यूजर चार्ज वापस लेना पड़ा है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने 100 वर्ग गज की प्रॉपर्टी पर हाउस टैक्स पूरा माफ और 500 वर्ग गज की प्रॉपर्टी का हाउस टैक्स 50 फीसद माफ करने का प्रस्ताव पास किया था। इस स्कीम को अभी तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने भाजपा के मेयर से अपील की कि इस स्कीम को लागू किया जाए, ताकि दिल्ली की जनता को और राहत मिल सके। नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी देने के लिए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज,एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक और सभी निगम पार्षद साथीयों का धन्यवाद करते हुए कहा कि मैं पूरी निष्पक्षता और सकारात्मक तरीके से काम करूंगा। जैसा कि सबको पता है पिछले ढाई वर्षों में भाजपा ने सदन में नकारात्मक राजनीति की और एक भी सदन नहीं चलने दिया। अंकुश नारंग न कहा कि यह विपक्ष पर भी निर्भर करता है कि सदन कैसे चलना चाहिए। विपक्ष की जिम्मेदारी बनती है कि सकारात्मक तरीके से सदन चले। हम सकारात्मक तरीके से हाउस चलाएंगे और दिल्ली की जनता की आवाज भी उठाएंगे। क्योंकि हमें दिल्ली की जनता ने भेजा है। ढाई साल बाद हमें फिर जनता के बीच जाना है। लेकिन भाजपा ने पिछले ढाई वर्षों में जो तख्तियां उठाईं थी, उनमें से कोई भी दिल्ली की जनता से संबंधित नहीं थीं। भाजपा सिर्फ अपनी राजनीति सिद्ध कर रही थी और कुछ नहीं। अंकुश नारंग ने कहा कि यूजर चार्ज के प्रस्ताव को लेकर मैंने मेयर 6 मई को एक चिट्ठी लिखी थी। इसमें मैंने यूजर चार्जेस को खत्म करने की मांग की थी। इसके बाद मैंने एक प्रस्ताव भी भेजा कि महापौर उस प्रस्ताव को सदन के एजेंडे में शामिल करें और यूजर चार्जेस खारिज करें। लेकिन आज यूजर चार्ज खत्म करने के लिए मेयर प्राइवेट मेंबर बिल लाए हैं। इससे हमें कोई दिक्कत नहीं है। प्राइवेट मेंबर बिल के जरिए ही यूजर चार्ज खत्म कीजिए। हम चाहते हैं कि किसी भी तरह से दिल्ली की जनता को राहत मिलनी चाहिए। क्रेडिट सत्ता पक्ष के लोग ले लें। यूजर चार्ज को लेकर संघर्ष हमारा है और रहेगा। जब-जब दिल्ली की जनता के साथ अन्याय और अत्याचार होगा, आम आदमी पार्टी खड़ी होगी। अंकुश नारंग ने कहा कि हमने सदन से हाउस टैक्स पर प्रस्ताव पास किया था कि 100 गज तक के मकानों पर हाउस टैक्स माफ होगा और 500 गज तक 50 फीसद होगा। भाजपा को तुरंत अधिकारियों को निर्देश देकर उसे लागू करवाना चाहिए, लेकिन एमसीडी एक अलग स्कीम लाई। एमसीडी को हाउस टैक्स माफ करने की स्कीम भी पास करनी चाहिए। हमारी मेयर से गुजारिश है कि आप सरकार के दौरान सदन में पास हाउस टैक्स में छूट की स्कीम को लागू किया जाए। दिल्ली की जनता को हाउस टैक्स में राहत मिलनी चाहिए।

नोएडा : अज्ञात वाहन ने सुबह की सैर पर निकले दंपत्ति को कुचला, पति की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा,। जिले के थाना रबूपुरा क्षेत्र में बुधवार की सुबह सैर पर निकले एक दंपत्ति को एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया जिससे पति की मौत हो गई, और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि निलौनी गांव के रहने वाले 50 वर्षीय तेजपाल, पुत्र मोहर सिंह अपनी पत्नी सुनहरी के साथ आज सुबह टहलने के लिए निकले थे। उन्होंने बताया कि इसी बीच एक अज्ञात वाहन चालक में निलौनी गांव के पास तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दोनों पति-पत्नी को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रवक्ता के अनुसार, उन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान तेजपाल सिंह की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसैप ऐसा प्लेटफार्म बनेगा, जहां बिना किसी भेदभाव और बाहुबल के योग्य लोग आगे बढ़ सकेंगे : युवराज तंवर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी का छात्र विंग एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने छात्रों को वैकल्पिक राजनीतिक का प्लेटफार्म देने की मुहिम छेड़ दी है। मंगलवार को ह्वआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने छात्र राजनीति को वैकल्पिक मंच प्रदान करने के उद्देश से एसैप को लॉन्च किया था। बुधवार को छात्र विंग ने देश भर के छात्रों से एसैप से जुड़कर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। एसैप का कहना है कि वह ऐसा प्लेटफार्म बनेगा, जहां बिना किसी भेदभाव और बाहुबल के योग्य लोग आगे बढ़ सकेंगे। अरविंद केजरीवाल द्वारा शुरू की गई वैकल्पिक राजनीति को एसैप छात्र राजनीति में आगे बढाने का काम करेगा। एसैप से बड़ी संख्या में छात्रो को जोड़ने के लिए देश भर के शिक्षण संस्थानों में अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, एसैप दिल्ली यूनिवर्सिटी का छात्र संघ चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगा। बुधवार को आम आदमी पार्टी के छात्र विंग एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) के सदस्य युवराज तंवर, दीपक बंसल और यश फोगाट ने पार्टी मुख्यालय पर संयुक्त प्रेसवार्ता कर आगे की रणनीति के बारे में जानकारी साझा की। युवराज तंवर ने कहा कि मंगलवार को राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कांस्टिट्यूशन क्लब में सभी छात्रों के लिए एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) को लॉन्च किया। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की राजनीति में जो करके दिखाया, उसका डांका अपने देश में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में बजा। उन्होंने देश को एक वैकल्पिक राजनीति प्लेटफार्म दिया। हमारी राजनीति में शिक्षा, गरीबों की बुनियादी सुविधाओं, महिलाओं के हक की बात होने लगी। युवराज तंवर ने कहा कि जनता को जो विकास और सुविधाएं मिलनी चाहिए, उन पर चुनाव होने लगा। यह आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी जीत रही। इसी कड़ी में छात्र राजनीति और जिन कॉलेजों में चुनाव नहीं होते हैं, वहां भी छात्रों की आवाज उठाने के लिए एसैप को लॉन्च किया गया। अरविंद केजरीवाल ने इस पर पहले भी काम किया और अभी भी कर रहे हैं कि हम छात्रों के लिए भी एक ऐसा वैकल्पिक प्लेफार्म तैयार करें, जिसमें बिना किसी भेदभाव और बिना बाहुबल के योग्य लोग आगे बढ़ें। अरविंद केजरीवाल ने जिस बदलाव की आग पूरे देश में लगाई थी, एसैप भी उसकी एक चिंगारी छात्र राजनीति में है। युवराज तंवर ने कहा कि बिना भेदभाव के सबको उनका हक दिलवाने, छात्रों की बुनियादी सुविधाओं व यूनिवर्सिटी में नॉन-टीचिंग स्टाफ के हक की बात करने, सभी संस्थानों को विश्व में टॉप पर लाने के लिए कैसे काम किया जाए, शिक्षा पर कैसे काम किया और भारत की यूनिवर्सिटी भी विश्व के टॉप 10 में शामिल हों, इस एसैप काम करेगा। एसैप सिर्फ छात्र राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा और ना ही एसैप को चुनाव जीतने की लालसा है। हम उस इन्कलाब के सपने को देख रहे हैं, जिसकी स्थापना अरविंद केजरीवाल ने की है। हमारा लक्ष्य है कि हर संस्थानों में इन्कलाब के परचम को दोबारा लहराएं और भारत को नंबर वन देश बनाएं। इस दौरान यश फोगाट ने कहा कि एसैप एक वैकल्पिक राजनीति की बात करता है। एसैप का मुख्य उद्देश्य समान्य छात्रों को राजनीति करने का प्लेटफार्म देना है। आज छात्र राजनीति पैसे वाले लोगों तक सीमित हो गई है। हम चाहते हैं कि एसैप के साथ ज्यादा से ज्यादा समान्य छात्र जुड़ें। आज एआई की दुनिया में बच्चों की छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन आवाजों को बुलंद करने के लिए एसैप का गठन हुआ है। हम अपील करते हैं कि ज्यादा से ज्यादा छात्र एसैप से जुड़कर अपनी आवाज बुलंद करें। आने वाले दिनों में एसैप कई गतिविधियां करेगा, ताकि छात्र इससे जुड़ें। एसैप सिर्फ चुनाव तक सीमित नहीं रहेगी। इसके अलावा भी अन्य सामाजिक गतिविधयां करेंगे। वहीं, दीपक बंसल ने कहा कि आज छात्र राजनीति मुद्दों से भटक गई है।

जिलाधिकारी ने किया पीएम श्री विद्यालय पचोकरा में आयोजित समर कैंप का निरिक्षी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में आयोजित होने वाले समर कैम्प के दृष्टिगत विकास खण्ड जोया के पी एम श्री विद्यालय पचोकरा में पहुँच समर कैम्प निरीक्षण किया गया और विद्यालय के बच्चों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को देखा गया विद्यालय के बच्चों ने जिलाधिकारी के समक्ष योग की क्रिया खेल कूद दौड़ कविता कहानी सुनाया। योग की क्रिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले तीन बच्चों को जिलाधिकारी ने स्टेशरी भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आठ आठ बच्चों की टोलियां बनाकर समूह में सभी एक्टिविटी कराएं। कहा बच्चे प्रतिदिन आएं और मन लगाकर समर कैम्प में की जाने वाली सभी एक्टिविटीज में भाग लेकर एक्टिविटी करें जिलाधिकारी ने कहा कि समर कैम्प में बच्चों को एक संरक्षित वातावरण मिलेगा नए अनुभव की खोज होगी बच्चे पढ़ाई से भिन्न रोचक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। जिससे सामाजिक कौशलों का विकास बच्चों में हो सकेगा कहा इसी प्रकार समर कैम्प से बच्चों में खेल खेल मे करके सीखने की प्रवृत्ति विकसित होगी स्वस्थ कौशल का विकास होगा जिलाधिकारी ने कहा कि अभिभावक गण अपने बच्चों को कैम्प में अवश्य भेजें यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा ने कहा कि समर कैंप में बच्चों के नैतिक मूल्य के बारे में भी बताया जाए छोटे बड़े का सम्मान किस प्रकार बच्चों को करना है इसके बारे में बताया जाए ताकि बच्चों में पढ़ाई के अतिरिक्त हर कार्य में निपुण हो सकें जिलाधिकारी ने बताया कि 21 मई 2025 से प्रारम्भ होकर 10 जून 2025 के मध्य ग्रीष्म अवकाश के दौरान कक्षा 06 से 08 के परिषदीय उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन कराया जाएगा। तीन सप्ताह के इस आयोजन में अलग अलग तिथियों में सुबह 7: से 10 बजे तक कैम्प आयोजित कराया जाएगा। समर कैंप का आयोजन सही ढंग से विद्यालयों में हो इसके लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है जो कि निरीक्षण कर जीपीएस फोटो सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका सहित संबंधित विद्यालय के स्टाफ गण और बच्चे मौजूद रहे।

पी.पी.पी. मॉडल, निबंधन मित्र व हेल्प डेस्क व्यवस्था का विरोध, सौंपा ज्ञापन

धामपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश की तहसीलों में लागू होने जा रही पीपीपी मॉडल, निबंध मित्र व हेल्प डेस्क व्यवस्था का अधिवक्तागणों, दस्तावेज लेखको तथा स्टाम विक्रेताओं ने पुर जोर विरोध किया उन्होंने कहा कि ये व्यवस्था जबरन थोपी जा रही है। इस सम्बन्ध में अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों तथा स्टाम्प विक्रेताओं ने 20 मई को तहसील प्रांगण में एक आवश्यक बैठक आहूत की गई जिसमें 21 मई से निबंधन कार्य से विरत रहने का सर्वसहमति से प्रस्ताव पास कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया और उप निबन्धक धामपुर सी.आर. विक्रम सिंह को महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में उल्लेखित किया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उपनिबंधक कार्यालयों में दस्तावेज लेखक के कार्य हेतू निबन्धन मित्रो की नियुक्ति करके उनके द्वारा दस्तावेज पंजीकृत कराने एवं पी०पी०पी० मॉडल एवं फन्ट ऑफिस योजना लागू जा रही है। जिससे प्रदेश भर के अधिवक्तागण, दस्तावेज लेखकमण क स्टाम्प विक्रेताओ के काम काज पर कुप्रभाव पड़ेगा तथा उनका रोजगार समाप्त हो जाएगा। और उनके सामने अपने परिवार के पालन पोषण करने की समस्या उत्पन्न हो जायेगी। उक्त योजना से समस्त अधिवक्तानण, दस्तावेज लेखकगणो व स्टाम्प विक्रेताओ ने भारी रोष व्यापत है और हम सभी इस योजना की घोर निन्दा करते हुए कड़ा विरोध करते है तथा ज्ञापन के माध्यम से अनेक बिंदुओं को अवगत कराते है जैसे कि रजिस्ट्री कार्यालयों का निजीकरण न किया जाये, पी०पी०पी० मॉडल व फन्ट ऑफिस न खोला जाये, यह कि निबन्धन मित्रो की नियुक्ति न की जाये, किसी भी तरह की हैल्प डैक्स/ एकल विन्डो सिस्टम चालू न किया जाये।

शांति मोहल्ला की गलियां बनीं नरक का रास्ता, न सड़क है, न पानी, हाकिमों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी

नई दिल्ली प्रात : किरण : मनोज जैन

दिल्ली के गांधी नगर क्षेत्र स्थित शांति मोहल्ला की गली नंबर 14, 15 और 16 में एक महीना पहले जल बोर्ड द्वारा सड़क की खुदाई की गई थी। लेकिन तब से लेकर आज तक न तो उस काम की कोई सुध ली गई, न मिट्टी हटाई गई, और न ही गलियों को समतल किया गया। नतीजा—गड्ढों, कीचड़, और बदबू से भरी तंग गलियां, जहां चलना भी मौत को न्योता देना है। हालात इतने बदतर हैं कि लोगों को यह तक नहीं पता कि यह काम कौन करा रहा है, और इसकी ज़िम्मेदारी किसकी है। ठेकेदार नदारद है, और विभागीय चुप्पी सवालों को और तेज कर रही है। खुदाई के दौरान पानी की पाइप लाइनें उखाड़ दी गईं, टंकी के पाइप तोड़ डाले गए। अब दुकानदारों को न तो पीने का पानी मिल रहा है, न धुलाई का। ग्राहक आते नहीं, और जिनके पास पहुंचते हैं, वे फिसलने से बचते हुए निकल जाते हैं। व्यापार पूरी तरह चौपट है। दुकानदारों का दर्द अब अल्फाज नहीं, आह बन चुका है। उनका कहना है: ह्वअब हम किससे कहें? दुकानदारों की भी खुदा नहीं सुनता, और हाकिमों ने जैसे हमारी पीड़ा को नजरअंदाज करने की कसम खा रखी हो। यह लापरवाही नहीं, बल्कि जनता के सब्र की खुली परीक्षा है। यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो ये गलियां ही आवाज बनेंगी। अब चेतावनी स्पष्ट है—या तो शासन-प्रशासन जागे, या जनता को सड़कों पर उतरना पड़ेगा। यह सिर्फ सड़क की मरम्मत का सवाल नहीं, यह जनता के सम्मान और हक की बात है। और जब हाकिम सोते हैं, तो जनता बोलना सीखती है—बहुत तेज, बहुत स्पष्ट।

अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने संभाला नये एस.पी. पूर्वी के रूप में चार्ज

हर हाल में रहेगा कानून का राज कायमः अमित कुमार

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

धामपुर। अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार श्रीवास्तव अब नए एस.पी. पूर्वी बनाये गए है। जनपद बदायूं से अपर पुलिस अधीक्षक सिटी के पद से स्थानांतरित होकर आए अमित कुमार श्रीवास्तव ने 19 मई को विधिवत रूप से जनपद बिजनौर के अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी (धामपुर) का चार्ज संभाल लिया है। नवागत अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अमित कुमार ने बताया की सरकार एवं शासन के आदेशों का पालन कराते हुए हर हाल में कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित करने के साथ साथ पीड़ितों को इंसाफ दिलाना मेरी प्राथमिकता रहेगी। छोटे से छोटे अपराधों का संज्ञान लिया जाएगा विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों के साथ होने वाले अपराधों पर कड़ी निगरानी रहेगी। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाए जाने वाली महत्वाकांक्षी योजना ह्वमिशन शक्तिह्व के कार्यों को और अधिक गति दी जाएगी। जो कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करेगा कितनी भी पहुंच वाला क्यों ना हो किसी भी दबाव में ना आकर उसे जेल भेजा जाएगा। अपराधी गुंडे, मवाली की जगह जेल होगी। पीड़ित व्यक्ति या फरियादी मुझसे सीधे आकर मिल सकता है। कानून का सम्मान करने वालों का सम्मान होगा। उन्होंने अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों को संदेश देते हुए कहा कि वे पुलिस की छवि ह्वपुलिस मित्रह्व की बनाने का हर संभव प्रयास करें आपको बताते चलें कि अमित कुमार श्रीवास्तव 2004 बेंच के पीपीएस के अधिकारी हैं पुलिस विभाग में अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार श्रीवास्तव की गिनती पुलिस कार्यों के प्रति गंभीर एवं जनता के प्रति मधुर एवं व्यवहार कुशल, सुलझे हुए तेजतर्रार पुलिस अधिकारी के रूप में की जाती है अमित कुमार श्रीवास्तव पुलिस विभाग को जनपद लखनऊ, ग्रेटर नोएडा, वाराणसी, बदायूं सहित अनेक जनपदों अपनी सराहनीय सेवाएं दे चुके हैं।

> **शराब माफियाओं सट्टा माफियाओं भू माफियाओं तथा किसी भी तरह के अपराध करने वाले अपराधियों की जगह जेल में होगी चाहे वह कितनी ही पहुंच वाला क्यों ना हो**

दिल्ली की सड़कों पर कब्जे का आतंकः दमकल हो या एम्बुलेंस, रास्ता नहीं शास्त्री पार्क, गीता कॉलोनी और कृष्णा नगर में गरजा नगर निगम का बुलडोजर

नई दिल्ली प्रात : किरण : मनोज जैन

दिल्ली का शाहदरा जोन इन दिनों एक बड़े संकट से जूझ रहा है – अतिक्रमण की वह दीमक, जो सड़कों को चाट रही है, फुटपाथ निगल रही है और आपातकालीन सेवाओं तक को लाचार कर रही है। हाल ही में नगर निगम ने शास्त्री पार्क (वार्ड 213), गीता कॉलोनी (वार्ड 210) और कृष्णा नगर (वार्ड 211) में अतिक्रमण हटाने का जबरदस्त अभियान चलाया। डिप्टी कमिश्नर बादल कुमार की अगुवाई में एडिशनल कमिश्नर अश्विनी कुमार और लाइसेंस इंस्पेक्टर पंकज कुमार जैसे अफसरों ने पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ निगम की टीमों को कार्रवाई के लिए मैदान में उतारा। बुलडोजर गरजा, सड़क किनारे जमी रेहड़ियां, ठेले और फड़ उखाड़ दिए गए, और ट्रकों में भरकर सामान निगम गोदाम में जमा करा दिया गया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है – क्या यह कार्रवाई स्थायी असर छोड़ पाएगी? क्योंकि हकीकत यह है कि निगम की टीमों के जाते ही कब्जेदार फिर से उसी जगह काबिज हो जाते हैं। यह खेल वर्षों से चला आ रहा हैः दिन में कार्रवाई, रात में दोबारा कब्जा। जब प्रशासन मेहनत कर रहा है, तो ये कब्जेदार इतनी हिम्मत कहाँ से लाते हैं? क्या कोई साया है जो इन्हें बार-बार लौटने का साहस देता है? जनता अब जानना चाहती है – ये हाथ कौन हैं जो अंधेरे में अतिक्रमण को सहलाते हैं? इन कॉलोनियों की हालत इतनी बदतर हो चुकी है कि दमकल की गाड़ियाँ और एम्बुलेंस भी वक्त पर नहीं पहुंच पातीं। तंग गलियों और जाम सड़कों की वजह से कई बार मरीजों की जान दांव पर लग जाती है और आग लगने पर पूरा मोहल्ला भय के साए में आ जाता है। यह केवल ट्रैफिक या फुटपाथ की समस्या नहीं है – यह जीवन और मृत्यु का सवाल बन चुका है। एक स्थानीय निवासी ने बताया, ह्वरेहड़ी वालों को हटाते हैं तो अच्छा लगता है, पर अगली सुबह फिर वही ठेले वहीं खड़े मिलते हैं। क्या यह कार्रवाई महज दिखावा है?ह्व सवाल तीखा है और इसका जवाब अब प्रशासन को देना होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दिल्ली को अतिक्रमण मुक्त बनाना प्राथमिकता है। शाहदरा जोन में निगम के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन चुनौती उससे कहीं बड़ी है। जब तक इन कब्जेदारों को समर्थन देने वाले तंत्र को नहीं तोड़ा जाएगा, तब तक बुलडोजर सिर्फ एक औपचारिकता बनकर रह जाएगा। निगम के अधिकारियों की मेहनत तभी रंग लाएगी जब कार्रवाई के बाद सख्त निगरानी और जवाबदेही की प्रणाली लागू हो। एक बार हटाना काफी नहीं – अतिक्रमण को फिर पनपने से रोकना असली परीक्षा है। दिल्ली की सड़कों को सिर्फ चौड़ा करना समाधान नहीं है – उन्हें सुरक्षित और सुगम बनाना जरूरी है। शास्त्री पार्क, गीता कॉलोनी और कृष्णा नगर की जनता अब पूछ रही हैः ह्वकब तक हमारी गलियों में एम्बुलेंस फँसी रहेगी? कब तक दमकल की गाड़ियाँ जाम में जूझेंगी? और आखिर कौन हैं वो लोग जो अतिक्रमण को बार-बार जमीन दे रहे हैं?ह्व अब वक्त है कि सवालों से नजरे चुराने की बजाय, ईमानदार जवाबदेही और स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जाए।

दल्ली में धड़ाधड़ बन रहे आयुष्मान कार्ड, जानिए कौन है पात्र और कितने लाख का इलाज होगा मुफ्त

नई दिल्ली। सेंट्रल दिल्ली जिले में अब तक 6500 बुजुर्गों के आयुष्मान भारत कार्ड बनाए जा चुके हैं। इनमें पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा इन कार्डों को लाभार्थियों के घर-घर जाकर वितरित किया जा रहा है, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिले में कुल 19,472 लोगों ने आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकरण कराया था। वर्तमान में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के कार्ड बनाए जा चुके हैं। अन्य पात्र लाभार्थियों के कार्ड बनाने की प्रक्रिया जारी है। सरकार ने विभिन्न आयु वर्गों के लिए पात्रता मानदंड तय किए हैं, जिनके अनुसार कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके तहत 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठा सकते हैं। कौन बनवा सकता है आयुष्मान कार्ड? पहले चरण में 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को प्राथमिकता दी गई है, जबकि दूसरे चरण में 60 वर्ष से अधिक आयु वालों के कार्ड तैयार किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि लाभार्थियों में कितने पुरुष और कितनी महिलाएं शामिल हैं, लेकिन यह जानकारी दी गई है कि सभी कार्ड लाभार्थियों के पते पर ही भेजे जा रहे हैं। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए बनी विशेष टीम प्रशासन का लक्ष्य है कि इस महीने के अंत तक सभी पात्र लोगों को उनके कार्ड वितरित कर दिए जाएं। एडीएम अतुल पांडे ने जानकारी दी कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है, जिसे आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है, ताकि लाभार्थियों के स्वास्थ्य संबंधी विवरणों को ध्यान में रखते हुए कार्ड तैयार किए जा सकें। कार्ड निर्माण का कार्य जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में चल रहा है, जिनमें एसडीएम कार्यालय, डीएम कार्यालय और विधायकों के कार्यालय भी शामिल हैं। धीरे-धीरे सभी लाभार्थियों को कार्ड भेजे जा रहे हैं। प्रशासन का उद्देश्य है कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न रहना पड़े। यह पहल बुजुर्गों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उन्हें गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सुरक्षा मिल सकेगी।

बिट्टू बहानेबाज के साथ सोनिक पर चलिए हंस ठिठोली और मस्ती से भरी एक अनोखी दुनिया में

जहां नियमों को मिलती है थोड़ी छूट और जीतती है कल्पनाशीलता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली : जब मजेदार बहानों से भरी कल्पनाशीलता, जबरदस्त आइडियाज और हँसी-मजाक एकसाथ आते हैं, तो बनता है बिट्टू बहानेबाज! जियोस्टार किड्स लेकर आया है एक नया शो, जो 10 साल के शरारती और होशियार बिट्टू की मस्तीभरी दुनिया को पेश करता है। यह शो हर दिन दोपहर 12:30 बजे सोनिक पर प्रसारित हो रहा है, और उसी दिन जियोहॉटस्टार पर भी उपलब्ध है। इसके रिपीट टेलीकास्ट सुबह 9 बजे और शाम 7 बजे देख सकते हैं। इस शो में बिट्टू रोजमर्रा की मुश्किलों से बचने के लिए नए-नए दिलचस्प और मजेदार बहाने बनाता है। उसकी छोटी-छोटी शरारतें और चतुराई से भरी कहानियाँ हर बच्चे और बड़े के चेहरे पर मुस्कान ला देती हैं। सच कहें तो, हम सभी के अंदर थोड़ा बहुत बिट्टू कहीं न कहीं छुपा होता है! यह एक ऐसी दुनिया है जहाँ नियमों को तोड़ा नहीं, थोड़ा मोड़ा जाता है झ और जहाँ क्रिएटिविटी की जीत होती है। शो का खास आकर्षण है इसका टाइटल ट्रैक, जिसे लिखा है खुद गुलजार साहब ने। यह गाना बिट्टू की रंगीन दुनिया को और भी मजेदार बना देता है। जियोस्टार किड्स नेटवर्क हमेशा से बच्चों को ऐसे प्यारे किरदार देता आया है जो उनके दोस्त जैसे लगते हैं झ जैसे मोटू-पतलू, चीकू और बंटी, पिनाकी एंड हैप्पी झ भूत बंधु, रूद्रा और अब इस सूची में नया नाम जुड़ा है बिट्टू बहानेबाज का। तो हँसी-ठिठोली से भरपूर इस मजेदार सफर में शामिल होइए, हर दिन दोपहर 12:30 बजे सोनिक पर और जियोहॉटस्टार पर कभी भी!

श्री वेंकटेश्वरा मे अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के सुअवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

अहिल्याबाई होल्कर जैसी दूरदर्शी, न्यायप्रिय, समाज सुधारक उनके समकालीन कोई नहीं: सत्यपाल सैनी

- देवी अहिल्याबाई होल्कर ने महिलाओ को शिक्षित कर उनको पुरुषो के बराबर लाकर समाज एवं देश की मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया : सुधीर गिरि
- देवी अहिल्याबाई होल्कर से प्रेरित होकर आज देश की बेटिया हर क्षेत्र में भारत का परचम लहरा रही है– डॉ0 राजीव त्यागी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला।श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में पुण्यश्लोकी देवी अहिल्याबाई होल्कर की ह्वह्वत्रिशताब्दी स्मृति अभियानह्वह्व के सुअवसर पर शानदार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओ ने देश, समाज, धर्म, शिक्षा, न्याय एवं महिला उत्थान के लिए उनके द्वारा किये गये कार्यो की प्रशंसा करते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं को उनके दिखाये गये धर्म एवं न्याय के रास्ते पर चलने की शपथ दिलायी। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के सरदार पटेल सभागार में पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान पर आयोजित एकदिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यश एवं सदस्य विधान परिषद सत्यपाल सैनी, शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लों, संस्थापक अध्यश सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, नगर पालिका चेयरमैन शशि जैन, आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके एवं अहिल्याबाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। अपने सम्बोधन मे मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यश सत्यपाल सैनी ने कहा कि मराठा शासक देवी अहिल्याबाई एक कुशल प्रशासक एवं महान योद्धा तो थी है, लेकिन इसके साथ-साथ वो सामाजिक न्याय महिला उत्थान, शोषित एवं वंचितो की मसीहा, शिक्षा एवं देश में धर्म स्थलो मन्दिरो, मस्जिदो, गुरूदारो, के पुनोर्धार के लिए जानी जाती थी। उनके विचार आज भी प्रासंगिक है। उनके द्वारा महाराष्ट्र में ही नहीं बल्कि पूरे देश में किये गये सामाजिक न्याय के कारण ही उनको देश की ह्वह्वलोकमाताह्वह्व एवं जीते जी ह्वह्वदेवी अहिल्याबाईह्वह्व के नाम से जानते थे। संगोष्ठी को एम0एल0सी0 हरिसिंह ढिल्लो,प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, पालिका चेयरमैन शशि जैन आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर युवा मोर्चा अध्यश शुभम चौधरी, पूर्व जिलाध्यश गिरीश त्यागी, ऋषिपाल नागर, महामंत्री अभिनव कौशिक, हिमांशु त्यागी, पूरन सिंह सैनी, चन्द्रभान भाटी, कुलपति कृष्णकान्त दवे, कुलसचिव पीयूष पाण्डेय, डॉ0 राजेश सिंह, एस0एस0 बघेल, अरूण गोस्वामी, मारूफ चौधरी, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा, प्रीतपाल, गुरविन्दर आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शानदार संचालन महामंत्री अभिनव कौशिक ने किया।

इनवेस्टमेंट का झांसा देकर छात्र के खाते से उड़ाए 3.80 लाख रुपये

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा।साइबर अपराधियों ने टेलीग्राम पर इन्वेस्टमेंट की लुभावनी स्कीम का लिंक भेजकर छात्र के खाते से 3.80 लाख रुपये उड़ा दिए। पीड़ित छात्र की शिकायत पर मामले में साइबर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पंजाब के जिला फरीदकोट निवासी गौरव जसूजा रजबपुर क्षेत्र में हाईवे स्थित वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी से पीजी की पढ़ाई कर रहा है तथा हॉस्टल में ही रहता है। बीती 27 जनवरी को गौरव जसूजा को टेलीग्राम आईडी पर एक लिंक मिला था। जिसमें इन्वेस्टमेंट से जुड़ी लुभावनी स्कीम का ऑफर था। गौरव साइबर अपराधियों की चाल को नहीं समझ पाया, लिंक पर क्लिक करते ही उसके खाते से 3.80 लाख रुपये ट्रांसफर हो गए। अगले ही मिनट बैंक से पैसे निकलने का अलर्ट मैसेज मिलते ही गौरव के होश उड़ गए। तुरंत ही बैंक के टोल फ्री नंबर पर काल कर खाते से लेनदेन पर रोक लगवा दी और बाद में साइबर अपराध से जुड़े हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पैसे एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर हो चुके थे।प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र बालियान ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

तहसील के अधिवक्ताओं से ली समस्याओं की जानकारी

हसनपुर। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता इमरान माबूद खां ने बुधवार को स्थानीय तहसील का दौरा किया।अधिवक्ताओं से संपर्क कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। अधिवक्ता निधि के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने तथा जिन सदस्यों पर प्रीमियम की राशि देय है, उनसे बकाया राशि जमा करने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल और अधिवक्ता कल्याण न्यासी समिति द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में भी अधिवक्ताओं को विस्तार संग जानकारी दी। इस दौरान बार अध्यक्ष चंद्रसेन अग्रवाल, महासचिव मदन कुमार राणा, पूर्व अध्यक्ष व पूर्व ब्लॉक प्रमुख गंगासरन खड़गवंशी व महावीर सिंह चौहान, पूर्व अध्यक्ष मुजाहिद चौधरी, सुनील भटनागर, वीर सिंह, शिवचरन सिंह, विशाल शर्मा, इमरान आलम, शेर सिंह भड़ाना, वीर सिंह त्यागी, मोहम्मद नईम, संजय कुमार, नुसरत सैफी, मोहम्मद नवेद, अरुण अग्रवाल, नन्हे सिंह, मुकेश शर्मा, ब्रजकिशोर, समरपाल सिंह, ओमपाल सिंह, सतपाल सिंह, जितेंद्र आर्य आदि रहे।

ट्रक चालक से चाकू की नोक पर लूटपाट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, पहले से ही दर्ज हैं कई मामले

बाहरी दिल्ली। बवाना थाना क्षेत्र में एक ट्रक चालक से चाकू की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से पुलिस ने लूट की रकम भी बरामद कर ली है। दोनों आरोपितों की पहचान कलाम और मोहम्मद निजाम के रूप में हुई है। दोनों पर पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। बाहरी-उत्तरी जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 20 मई को बवाना थाना पुलिस को एक पीसीआर काल प्राप्त हुई थी। पीड़ित चालक बलराम ने पुलिस को बताया कि दो लड़कों ने चाकू दिखाकर उनसे छह हजार रुपये लूट लिए। पीड़ित ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि जब वह रात नौ बजे सेक्टर-1 बवाना में साईं धर्म कांटा के पास पहुंचा, तो उसने अपना ट्रक सड़क के किनारे खड़ा कर कुछ खाने का सामान खरीदने के लिए पास की एक दुकान पर चला गया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
नई दिल्ली, गुरूवार, 22 मई, 2025

संक्षिप्त खबरें

जिला उर्दू नामा मधुबनी वित्तीय वर्ष 2025- 26 के प्रकाशन हेतु इच्छुक कवि, साहित्यकार, आदि की रचना लेख किया

मधुबनी उर्दू निदेशालय मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार पटना के तत्वाधान में वित्तीय वर्ष 2025- 26 के लिए जिला उर्दू नामा मधुबनी का प्रकाशन किया जाना है। जिसके लिए साहित्य,सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, पर्यावरण एवं अन्य समसामयिक विषयों से संबंधित लेख कविता आदि की आवश्यकता है विदित हो जिला उर्दू नामा के प्रकाशन हेतु कोई भी लेख कविता रचना धार्मिक एवं राजनैतिक नहीं होंगे तथा किसी भी कवि साहित्यकार को उनकी रचना कविता एवं लेख आदि के लिए मानदेय प्रोत्साहन राशि देय नहीं है इच्छुक कवि लेखक साहित्यकार आदि से जिला उर्दू नामा मधुबनी वर्ष 2025- 26 में प्रकाशन हेतु कवि,लेख, रचना आदि आमंत्रित किये जाते हैं प्रकाशन हेतु, सभी रचना कविता लेख आदि दिनांक 10.06.2025तक जिला ऊर्दू भाषा कोषांग समाहरणाल मधुबनी में जमा किया जा सकता है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरियारपुर में पॉच दिवसीय हड़ताल पर, स्वास्थ्य सेवा प्रभावित

बरियारपुर (मुंगेर)। आशा कार्यकर्ता संघ (गोप गुट) के आह्वान पर पॉच दिवसीय साकेति हड़ताल पर चले जाने से ग्रामीण क्षेत्रों पर प्रभाव देखने को मिला।इस सम्बन्ध आशा कार्यकर्ता संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुनीता कुमारी ने बताया2023के समझौते पर आशा एवम आशाफैसिलेटर से समझौते पर बढ़ी हुई राशि भुकतान करो।आशा व आशाफैसिलेटर का छ:माह लंम्बित मानदेय अबिलम्ब करो।2024 के सभी बकाया भुगतान कर पोर्टल ब्यवस्था मे सुधार करो।सेवा मुक्त की अबधी 65 वर्ष के साथ साथ दस लाख रुपये का पैकज के साथ साथ आजिवन पैसन दो।आशा कार्यकर्ता को बिभिन्न तरह के प्रोत्साहन मिलती है उसे पुर्णरिकशन करो बिगत दश वर्षो से बृद्धी नही किया गया है।आशा व आशापैसिलैटर को स्वास्थ्य विभाग के दर्जा दो।आशाकार्यकत्ताओ व आशाफैसिलेटर को 21000हजार रुपये न्युनतन मासिक भुकतान की गारंटी दो।आशाकार्यकत्ता जो है ल्थबेलनेस सेन्टर से जुड़ी आशाओं का भुकतान पौटर्लर से जोडा.जाय।

प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं के अद्यतन क्रियान्वयन स्थिति की समीक्षा को ले उपमुख्यमंत्री ने किया वीडियो कांफ्रेंसिंग

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री द्वारा प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं के अद्यतन क्रियान्वयन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई एवं यथोचित दिशा निर्देश दिए गए।समीक्षाक्रम में प्रगति यात्रा के दौरान पथ निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/उद्योग विभाग/नगर विकास एवं आवास विभाग/पर्यटन विभाग/लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग/कृषि विभाग/गन्ना विभाग/शिक्षा विभाग/पशुपालन विभाग/वन,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग/कला, संस्कृति एवं युवा विभाग/राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग/लघु जल संसाधन विभाग/ अल्पसंख्यक कल्याण विभाग/कृषि विभाग/पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग आदि से संबंधित योजनाओं की अद्यतन स्थिति समीक्षा क्रम में योजनाओं को प्रारंभ करते हुए यथासंभव अविलंब पूर्ण करने हेतु आवश्यक कारवाई का निर्देश सभी संबंधित विभागों/जिला को दिया गया है। इस क्रम में ज्ञातव्य हो कि सहरसा प्रगति यात्रा के दौरान तीलाबे नदी की उड़ाही/सहरसा नगर निगम अंतर्गत ड्रेनेज सिस्टम का सुदृढ़ीकरण कार्य/ सहरसा जिलांतर्गत सतर कटैया प्रखंड के ओकाही ग्राम के मुरली वसंतपुर, महींडगरा घाट, बनगामा, चैनपुर होते हुए कोपरिया तक वाटर चैनल उड़ाही/श्री उग्रतारा धाम क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव/ मंडन मिश्र धाम को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव/सहरसा शहर में बंगाली बाजार रेल ओवरब्रिज का निर्माण/हवाई अड्डा सहरसा का निर्माण/प्रमंडल स्तरीय खेल परिसर का निर्माण/प्रखंड कार्यालय बनमां ईटहरी एवं सतर कटैया का निर्माण के संबंध में घोषणा की गई थी, संबंधित विभागों द्वारा उक्त वर्णित योजनाओं पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। बुधवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के अवसर पर जिलाधिकारी वैभव चौधरी, उप विकास आयुक्त संजय कुमार निराला सहित अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

चैन पुलिंग कर ट्रेन रोकने पर आरपीएफ ने तीन लोगों को किया गिरफ्तार

नंबर प्लेट अभियान के तहत तीन वाहन व चालक हुए गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर रेल मंडल अंतर्गत मानसी सहरसा रेलखंड पर 12568 राज्यरानी एक्सप्रेस ट्रेन को अकारण चेन पुलिंग करते हुए आरपीएफ ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। जानकारी अनुसार चैन पुलिंग करने के बाद तीनों ट्रेन से उतरकर भागने लगे लेकिन आरपीएफ इंस्पेक्टर व एस्कॉर्ट टीम ने 500 मीटर तक खदेड़ कर तीनों को पकड़ा। तब तक राज्य रानी एक्सप्रेस वही खड़ी रही। आरपीएफ ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर मंगलवार को जेल भेज दिया। वही पटना सहरसा राज्य रानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से थोड़ा विलंब होकर जब धमारा घाट से रन थ्रू निकलकर फनगो के पास पहुंच रही थी। तभी किसी ने ट्रेन में चेन पुलिंग कर दी। राज्यरानी एक्सप्रेस में आरपीएफ इंस्पेक्टर धनंजय कुमार यादव सब इंस्पेक्टर सुजीत कुमार मिश्रा आरक्षी प्रेम किशोर प्रेम स्पेशल अभियान के तहत एस्कॉर्ट कर रहे थे। चेन पुलिंग होने के दौरान चलती ट्रेन में तीन लोग कुद कर पूरब दिशा में भागने लगे। इसके बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर और अन्य एस्कॉर्ट टीम ट्रेन से कुद कर तीनों का पीछा किया 500 मीटर तक भ'गने के बाद आरपीएफ ने तीनों को पकड़ लिया तीनों आरोपी की पहचान रवीण कुमार पप्पू कुमार दशरथ कुमार के रूप में हुई इसके बाद तीनों आरोपी को सहरसा आरपीएफ पोस्ट लाया गया तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। साथ ही रेलवे बोर्ड के निर्देश पर सहरसा जंक्शन सहित समस्तीपुर डिवीजन के कई मुख्य स्टेशनों पर आरपीएफ का ऑपरेशन नंबर प्लेट बीते सोमवार से चालू हो गया है। इस स्पेशल अभियान के तहत रेलवे परिक्षेत्र में दो पहिया चार पहिया सहित अन्य वाहन के अनधिकृत रूप से प्रवेश पर पाबंदी लगेगी। वही आरपीएफ इंस्पेक्टर धनंजय कुमार यादव के नेतृत्व में ऑपरेशन नंबर प्लेट के अभियान में एक टीम गठित की गई है। इस अभियान के शुरूआत में पहले दिन हीं सहरसा रेलवे परिसर के सकुर्लेटिंग एरिया बंगाली बाजार रेलवे फाटक के पास से दो ई रिक्शा और एक टेंपो चालक को वाहन सहित गिरफ्तार किया गया। तीनों के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत अग्रतर कार्रवाई की जा रही थी। रेल सूत्रों के अनुसार ऑपरेशन नंबर प्लेट रेलवे बोर्ड के अगले आदेश तक जारी रहेगा।

लखीसराय में विद्युत प्रवाहित तार के चपेट में आने से एक 22 वर्षीय युवक की हुई दर्दनाक मौत

जिले के माणिकपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सलेमपुर गांव की है घटना

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !लखीसराय जिले से एक दर्दनाक घटना की खबर आ रही है !एक 22 वर्षीय युवक का 11 हजार भोल्ट का विद्युत प्रवाहित तार के चपेट में आने से झुलसकर दर्दनाक मौत हो गई है !बताते चलें की जिले के माणिकपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सलेमपुर गांव निवासी राजू शर्मा का पुत्र सन्नी शर्मा छत पर लगे खराब पड़े डिश एंटीना को सही कर रहा था कि छत के बगल से क्रॉस 11 हजार भोल्ट के विद्युत प्रवाहित तार के चपेट में आ गया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई ! पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर लखीसराय सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में पोस्टमार्टम कराया गया !घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया ! परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है !मृत युवक सूर्यगढा.नगर परिषद क्षेत्र वार्ड संख्या -25 के यूको बैंक के समीप का रहने वाला था !वहीं कुछ स्थानीय लोग इस घटना के लिए विद्युत विभाग की लापरवाही बता रहे हैं !साथ हीं विद्युत विभाग के प्रति लोगों में आक्रोश भी दिख रहा है !

रायभीर पंचायत भवन जाने वाली सड़क पर जलजमाव और कीचड़ रहने से राहगीर परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

शंकरपुर (मधेपुरा) शंकरपुर प्रखंड के सुदूर गांव रायभीर पंचायत रोड नंबर एनएच 18 के बगल होकर पंचायत भवन की ओर जाने वाली ग्रामीण सड़क का निर्माण के एक साल बाद ही सड़क की हालत जर्जर हो गई थी। जिसके चलते सड़क की दुर्दशा यस की तस बनी हुई है। वहीं आए दिनों लगातार सड़क पर जमा कीचड़ और जलजमाव में आवाजाही करने वाले रहागीर सहित ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात के अंदरे की बात तो दूर दिन के उजाले में भी लोगों को दुर्घघटना का आशंका बना रहता है। लोगों ने कहा कि खासकर बुजुर्ग व्यक्ति को रायभीर पंचायत भवन जाने में काफी समस्या होती है। जिसके चलते ग्रामीणों को पंचायत भवन में खुले आरटीपीस काउंटर सहित अन्य कार्यालयों का जब काम पड़ता है तो वह उस से वांछित रह जाते हैं। जिसके चलते खासकर बुजुर्ग व्यक्ति को वृद्धा पेंशन ओर बुजुर्ग महिला को विधवा पेंशन ओर वृद्धा पेंशन की पैसा निकालने के लिए नजदीकी साइबर कैफे दुकानों का चक्कर काटना पड़ता है। बुजुर्ग लोगों ने कहा कि सरकार के द्वारा वृद्धा पेंशन की पैसा 400 सौ निर्गत की गई जिसे निकलाने में सीएसी संचालक दस रुपया काट लेते हैं ऐसे में किया ही कुछ होगा। अगर स्थानीय प्रतिनिधि इस सड़क को देखते तो पंचायत भवन में खुले सेंटर पर जाकर पैसा की निकासी के साथ अन्य कामों का भी जानकारी प्राप्त होते रहता। पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह भाजपा प्रखंड अध्यक्ष प्रभाष चौपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य सड़क के बगल होते हुए पंचायत भवन तक जाने वाली ग्रामीण पक्की सड़क का निर्माण को लेकर कागजी प्रकिया पूरी कर ली गई है। जिसे बहुत जल्द ही गुणवत्ता पूर्ण निर्णम कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश यही रहती है कि ग्राम वासियों को किसी भी तरह का कोई समस्या उत्पन्न ना हो इसके लिए उच्च अधिकारियों से मिलकर समस्या का समाधान कराने में लगे रहते हैं।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मजदूर की मौत

बरियारपुर (मुंगेर)। मुंगेर जिले के हेमजापुर थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक मजदूर की मौत ट्रैक्टर की चपेट में आने से हो गई। वही ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों द्वारा उसे सदर अस्पताल मुंगेर लाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। दरअसल हेमजापुर थाना क्षेत्र के गोपाल यादव का 22 वर्षीय पुत्र वेंकटेश कुमार आरपीएम ईंट भट्टा में मजदूरी करता था । अन्य दिनों की तरह ही वह बुधवार की सुबह भट्टे के ट्रैक्टर में ईंट लोड कर हेमजापुर गया था। ईंट उतार कर वह जब वापस उसी ट्रैक्टर से हो रहा था तभी वह ट्रैक्टर से अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया और ट्रैक्टर का चक्का उसके शरीर पर चढ़ गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं घटना होते हीं ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया।

लखीसराय में ताइक्वांडो का महासंग्राम,बड़ी संख्या में खिलाड़ी प्रतियोगिता में ले रहें भाग

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय ! 20 से 22 मई तक खेल भवन में ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार के बैनर तले 5 वें राज्यस्तरीय प्रतियोगिता 2025 का आगाज हो चुका है ! ताइक्वांडो खेल को बिहार में नई ऊँचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार के तत्वावधान में 5वीं बिहार राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन 20 से 22 मई तक खेल भवन, लखीसराय में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में पूरे बिहार से 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। गोपालगंज से 80 खिलाड़ी, पटना से 7, सिवान से 15, किशनगंज से 20 खिलाड़ी पहुंचे हैं। मोतिहारी और अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में प्रतिभागी आ रहे हैं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य स्तर के उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले टूनार्मेंट के लिए किया जाएगा। यह जानकारी ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता इंडिया ताइक्वांडो के तत्वावधान में होती है और यह आयोजन खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर है। प्रतियोगिता के आयोजन की ज़िम्मेदारी ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ लखीसराय ने संभाली है। लखीसराय जिला संघ के महासचिव बादल कुमार गुप्ता ने बताया कि यह प्रतियोगिता लखीसराय के लिए गौरव की बात है और जिले में खेलों के विकास में यह आयोजन मिल का पत्थर साबित होगा। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में डीएम मिथिलेश मिश्र शिरकत किये !उनके साथ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ! यह तीन दिवसीय आयोजन न केवल खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा का मंच है, बल्कि राज्य के युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का माध्यम भी है। ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार के नेतृत्व में हो रहा यह आयोजन पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है, जो खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बीस सूत्री उपाध्यक्ष एवं सदस्य ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) विद्यालय की विधि व्यवस्था एवं पठन-पाठन कार्य को चुस्त-दुरुस्त एवं गिरती शिक्षण व्यवस्था को पटरी पर लाने के उद्देश्य से इन दिनों प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा लगातार विद्यालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही निरीक्षण के दौरान संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को विद्यालय के विधि व्यवस्था एवं पठन-पाठन कार्य में सुधार के बाबत आवश्यक निर्देश भी दिया जा रहा है। मालूम हो कि प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष रोशन कुशवाहा, सदस्य मनोज कुमार सिंह एवं मुन्ना कुमार पंडित के द्वारा नरदह पंचायत के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय श्रीपुर बासा का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के दौरान जहां विद्यालय में पदस्थापित सभी शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित पाए गए। वहीं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति नामांकन के अनुपात में कम पाई गई। लिहाजा प्रधानाध्यापक दयानंद प्रसाद सिंह को विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने सहित गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन कार्ड संचालन के बाबत कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। विद्यालय में मध्यान भोजन की गुणवत्ता सहित शैक्षणिक कार्य संतोषजनक पाया गया। तत्पश्चात उपाध्यक्ष सहित सदस्यों द्वारा विद्यालय परिसर एवं शौचालय की साफ सफाई सहित पेयजल की व्यवस्था का भी गहनता से निरीक्षण किया गया। इस दौरान विद्यालय के रंग-रोगन एवं साज-सज्जा से वे सभी काफी संतुष्ट देखे गए।

विधानसभा क्षेत्र में नही लग सकी लघु कुटीर आधारित उद्योग, शिक्षा, रेल एवं धार्मिक स्थल नहीं हो पाया विकसित

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) आलमनगर विधानसभा विकास को लेकर अब भी उपेक्षित है। घोषणाएं के बाद भी क्षेत्र में औद्योगिक केंद्र स्थापित नहीं हो पाया है। वहीं वर्तमान सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार के योजना को भी भुला कर रख दिया। जबकि उद्योग लगने से लोगों में समृद्धि आती। राजद के कार्यकाल से आज तक इस अनुमंडल के तीन विधायक उद्योग मंत्री बने किंतु आज तक यहां किसी प्रकार का कल-कारखाना नहीं लग सके। इस वजह से आज भी क्षेत्र के ग्रामीण किसान, मजदूर रोजी रोटी की तलाश में अन्य प्रदेश पलायन करने को विवश रहते हैं। जबकि यहां एनडीए-1 सरकार में यहां चीनी मील खोलने का प्रयास किया गया था। किंतु आज तक इसको सरजमीं पर उतरते लोगों को देखना एक दिवास्वप्न बना हुआ है। नहीं लग सकी चीनी मिल उदाकिशुनगंज में वर्ष 2006 में नीतीश कुमार की सरकार में चीनी मिल लगने की कवायद शुरू हुई थी। लेकिन, अब मिल का अतापता भी नहीं रह गया। जबकि चीनी मिल लगने से इलाके के लोगों को बड़े फायदे होता। बताया जाता है कि अनुमंडल क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में गन्ने की खेती होती है। जबकि चीनी मिल लगने से क्षेत्र के लोग समृद्ध होते। इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर नहीं हो सका स्थापित उदाकिशुनगंज में पूर्ववर्ती सरकार में 2004 ई. में इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर की नींव रखी गई थी। लेकिन, ग्रोथ सेंटर स्थापित नहीं हो पाया। वस्तुतः लघु कुटीर आधारित उद्योग लगना था। उद्योग लगने से किसानों और व्यापारियों को फायदा होता। ज्ञात हो कि उदाकिशुनगंज अनुमंडल के इस क्षेत्र में सुगर केन (गन्ना) मक्का तथा हल्दी किसानों द्वारा हजारों मिलियन टन में उत्पादन किया जाता है। किंतु बाजार नहीं मिलने के कारण यहां के किसान व्यापारियों तथा दलालों के हाथों आर्थिक शोषण का शिकार होते आ रहे हैं। मक्का आधारित उद्योग की धरी रह गई आस अनुमंडल के चौसा प्रखंड क्षेत्र के कलासन में मक्का आधारित उद्योग नहीं लग पाया। जबकि उदाकिशुनगंज अनुमंडल में बड़े पैमाने पर मक्के की खेती होती है। जहाँ इस क्षेत्र में उद्योग लगने से लोगों को फायदा होता। वही अब भी सरकार से लोगों की उम्मीद बंधी हुई है। इतना ही नही अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में दो दर्जन से अधिक स्टेट ट्यूबेल पूर्व से लगे हैं तथा एक भी स्टेट ट्यूबेल से एक बूंद पानी नहीं निकलता है। नई योजना के तहत एक दर्जन स्टेट ट्यूबेल जो डीजल एवं बिजली से किसानों द्वारा समिति बनाकर चलाया जाना है। लेकिन कर्मचारी के पदस्थापित नहीं होने से जंग की भेंट चढ़ रहा है। अनुमंडल मुख्यालय में उच्च शिक्षा की व्यवस्था नहीं अनुमंडल मुख्यालय में उच्च शिक्षा के नाम पर हरिहर साहा महाविद्यालय एक मात्र सरकारी शिक्षण संस्थान है। लेकिन कॉलेज में महज कला संकाय के कुछ विषयों के पढ़ाई की सुविधा है। कॉलेज में भवन का अभाव है। इस कारण आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित रह जा रहे है। यह बात दीगर है कि कुछ परिष्कृत महाविद्यालय चल रहे हैं। जिससे यहां के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के नाम पर प्रमाणपत्र अवश्य ही मिल जाता है। यातायात सुविधा का अभाव उदाकिशुनगंज अनुमंडल कई जिले की सीमाओं से घिरा है कोसी कक्षार पर बसा उदाकिशुनगंज अनुमंडल यातायात के मामले में काफी पिछड़ा हुआ है। क्षेत्र में रेल यातायात की सुविधा नहीं है। सड़क यातायात पूर्ण रूप से विकसित नहीं है। कई साल बाद भी एनएच 106 नहीं बन पाया। सफर के लिए सरकारी बस की सुविधा नहीं।यातायात के अभाव में किसान व्यापारियों का विकास रूका हुआ है। वही रेल के इंजन का धुंआ देखना इस अनुमंडलवासी के लोगों को नसीब में नहीं है जबकि आजादी से आज तक बिहार से सात रेल मंत्री बने हैं। लेकिन किसी ने इस अनुमंडल की ओर ध्यान नहीं दिया। उपेक्षित है धार्मिक स्थल धार्मिक रूप से क्षेत्र प्रचलित रहा है। उदाकिशुनगंज के नयानगर का आपरूप भगवती मंदिर, आलमनगर का मां डाकनी स्थान, चौसा के बाबा विशुराउत मंदिर, चंदा स्थित बाबा अलीजान साह मजार, ग्वालपाड़ा के मझुआ गांव के बीसवीं सदी के महान संत परमहंस महर्षि मेंही दास महाराज की जन्म स्थली सदियों से उपेक्षित है। इन स्थलों पर हर रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ लगती है। आस्था वस दूर दूर से लोग पहुंचते है। इन स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की जरूरत है।

सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के साथ हीं महिला अधिकारों की रक्षा और समाज के विकास की परिकल्पना के लिए महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय ! सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के साथ ही महिला अधिकारों की रक्षा का संकल्प और गाँव झ समाज के विकास की परिकल्पना लिए महिला संवाद कार्यक्रम जारी है । घर की जिम्मेवारी अहले सुबह पूरा करने के बाद महिलाएं निकल पड़ती हैं गाँव की तकदीर एवं तस्वीर बदलने के लिए महिला संवाद कार्यक्रम में । महिला संवाद कार्यक्रम उनके ही गाँव में किसी चौपाल या विशालकाय पेड़ के नीचे शामियाने तले आयोजित है। जहाँ महिला संवाद रथ के माध्यम से महिलाओं को महिला स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की सफलता की गाथा दिखाई जा रही है। फिल्म दिखने के बाद राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विवरणी लीफलेट में रचित है जिसे सुनाई जा रही है और फिर माननीय मुख्यमंत्री जी का संदेश भी महिलाओं के बीच वितरित किया जा रहा है । राज्य की विकासात्मक योजनाओं से रूबरू होने के बाद महिलाएं अब गाँव के लिए अछूते रह गये योजनाओं पर चर्चा करती हैं और फिर अपना सन्देश साझा करते हुए अपनी इच्छाओं एवं आकांक्षाओं को सुचिवद्ध करा रही है। ग्रामीण महिलाओं की मांग एवं उनकी इच्छाओं तथा आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए सम्बंधित विभाग के अधिकारी कार्य योजना के तहत कार्य करना भी प्रारंभ कर दिए हैं। बुधवार को लखीसराय सदर में सती ग्राम संगठन द्वारा अमहरा गाँव में एवं उपकार ग्राम संगठन द्वारा मोरमा गाँव में , बड़हिया में गणपति ग्राम संगठन दवारा खुटहा ईस्ट गाँव में एवं प्रकाशमय ग्राम संगठन दवारा खुटहा वेस्ट गाँव में , सूर्यगढ़ा माँ शक्ति ग्राम संगठन द्वारा कावा राजपुर गाँव में एवं नव जाग्रति ग्राम संगठन द्वारा बंशीपुर गाँव में , हलसी में प्रकाश ग्राम संगठन द्वारा साड़माफ गाँव में एवं हिमालय ग्राम संगठन द्वारा गेरुआ परसंदा गाँव में तथा चानन में आस्था ग्राम संगठन द्वारा कुंदर एवं कमल ग्राम संगठन द्वारा भलुई गाँव में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महिलाओं की आवाज, पशु चिकित्सालय के लिए पशु अस्पताल की मांग

मुंगेर। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरणादायक पहल के रूप में जिले में पिछले 34 दिनों से चल रहे महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाएं बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं और ग्रामीण क्षेत्र में विकास को लेकर नई तस्वीर खींच रहीं हैं। संग्रामपुर प्रखंड के रामपुर पंचायत में चेतना जीविका महिला ग्राम संगठन राणाडीह क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 225 दीदियों ने भाग लिया। संचालन क्षेत्रीय समन्वयक राहुल कुमार और विभूति कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में योजनाओं से लाभान्वित कुछ दीदियों ने अपना अनुभव साझा किया और बिहार सरकार की इन सब योजना के लिए आभार व्यक्त किया। आकांक्षा एवं मुद्दा के सत्र में कुछ दीदियों द्वारा अपनी आकांक्षाएं व्यक्त की गयी, जिसमें रूपम दीदी चेतना जीविका ग्राम संगठन अध्यक्ष द्वारा ग्राम संगठन भवन की मांग की गयी। सुनैना देवी द्वारा पंचायत में प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक की कमी दूर करने की मांग की गयी। मुंगेर सदर प्रखंड के टीकारामपुर पंचायत के भवानी जीविका महिला संगठन में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों दीदियों ने भाग लिया। इस संवाद कार्यक्रम का संचालन प्रखंड परियोजना प्रबंधक श्रेया कर रहीं थीं। इस संवाद कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों के द्वारा क्षेत्र की समस्या को रखा जिसमें सर्वप्रथम यहां रिंग बांध की मांग की गयी। ममता देवी के द्वारा मुख्यालय से सड़क सम्पर्क जोड़ने की मांग की गयी। ये इलाका सदर प्रखंड होते हुए भी दियारा क्षेत्र है जहां संसाधन की कमी है और यहां के सभी लोग पशुपालक है इसलिए यह एक पशु चिकित्सा के लिए मवेशी अस्पताल की मांग की गयी।

सरकार की डपोरशंखी घोषणाओं से आमजन परेशान : मिथिलेश चौधरी

बेनीपुर(दरभंगा)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रखंड कार्यालय बेनीपुर में बुधवार को महागठबंधन की बैठक आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय जनता दल के प्रखंड अध्यक्ष नीलांबर यादव को सर्वसम्मति से महागठबंधन समन्वय समिति का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठनात्मक रूप से पार्टी को मजबूत करने पर अनेकों निर्णय लिए गए। साथी प्रत्येक घटक दल के सदस्यों को मिलाकर एक कमेटी गठित की गई है जो पंचायत एवं बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय करेगी। आगामी 25 मई को पुणः बैठक आहुत करने का निर्णय लिया गया है। बैठक को संबोधित करते हुए बेनीपुर महा गठबंधन के पूर्व प्रत्याशी मिथिलेश चौधरी ने घटक दलों के सभी पदाधिकारी से आग्रह किया कि आगामी चुनाव में महागठबंधन के विजय हेतु एकजुट होकर पंचायत में कार्य प्रारंभ करें। उन्होंने वर्तमान सरकार व स्थानीय विधायक के विफलताओं को उजागर करते हुए कहा की सरकार हर मोर्चे पर विफल है। इनकी घोषणाएं डपोरशंखी साबित हुई जो धरातल पर नहीं आई, जिससे आमजन परेशान है। बैठक में राष्ट्रीय जनता दल के प्रखंड अध्यक्ष नी सहित पदाधिकारी तथा साईं सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

ट्रेन के आगे कूदकर महिला ने दी अपनी जान,महिला की पहचान में जुटी रेल पुलिस

लखीसराय !ट्रेन संख्या -63210 डाउन के प्लेटफार्म संख्या-06 समय 14:55 बजे आई और समय 15:00 बजे खुलने पर प्लेटफार्म के अपोजिट साइड से एक अज्ञात महिला, जिसकी आयु लगभग 20 से 25 वर्ष प्रतीत होती है, ने आत्महत्या कर ली !घटना की सूचना प्राप्त होते ही किउल आरपीएफ एवं जीआरपी के अधिकारीगण एवं बल मौके पर पहुंच गए तथा आवश्यक कागजी कार्रवाई पूर्ण कर शव को अपने कब्जे में लेते हुए अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु जीआरपी थाना किउल शव को अपने कब्जे में लिया। मृतक के पास से कोई भी यात्रा टिकट या पहचान पत्र नहीं मिला, मृतक की पहचान अज्ञात के रूप में किया गया। घटना के कारण प्लेटफार्म संख्या 06 पर समय 15:00 बजे से 16:15 तक आवागमन बाधित हुआ उसके बाद परिचालन शुरू हो गया,उक्त घटना के संबंध में स्टेशन मास्टर किऊल द्वारा एक मेमो जारी कर आरपीएफ एवं जीआरपी किउल को सूचित किया गया।

जीवन में आईएसएल फैक्ट्री स्थापित करोगे तो बन जाओगे मालामाल : विशल्य सागर

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर/ नवादा। प्रख्यात दिगम्बर जैन संत श्रमण मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी महाराज ने कहा है कि तन के उजले एवं मन के काले लोग बेहद खतरनाक होते हैं। ऐसे लोग से सावधान रहने की जरूरत है। मुनिश्री जैन धमार्लंबियों द्वारा आयोजित श्री 1008 महासिद्धिकारक श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के अंतिम अंतिम दिवस पर बीते देर शाम श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। मुनिश्री ने कहा कि लोग दिखते कुछ और हैं और होते कुछ और हैं। ऐसे लोग घर, परिवार, समाज और देश के लिए खतरा होते हैं। उन्होंने कहा कि तन का काला चलेगा, लेकिन मन के काले को कभी भी अहमियत नहीं दी जानी चाहिए। ऐसे लोग कभी भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहें। मुनिश्री ने कहा कि मानव के मष्तिष्क में चलने वाले नकारात्मक विचार, मुंह से निकलने वाले निरर्थक कड़वे बोल एवं हृदय में दबी कलुषताओं से किसी का भला नहीं होने वाला। ये कालांतर में सर्वनाश का ही कारण बनते हैं। उन्होंने मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए अपनी काया में तीन फैक्ट्री लगाने का सुझाव देते हुए कहा कि सबसे पहले अपने मस्तिष्क में आइस फैक्ट्री लगाओ, ताकि आपका दिमाग कूल रहे एवं आप टेंशन से मुक्त रह सकें। दूसरी फैक्ट्री की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अपने मुंह में शुगर फैक्ट्री लगाओ, ताकि आपकी वाणी वाण नहीं, बल्कि वीणा बन सके अर्थात आपकी जीभा आग नहीं, बल्कि बाग लगाने के मार्ग प्रशस्त कर सके। तीसरी फैक्ट्री का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मानव को अपने हृदय में लव फैक्ट्री लगाने की जरूरत है।

अखंड सौभाग्य के लिए किया जाता है, वट सावित्री व्रत

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारतवर्ष की सांस्कृतिक परंपराएं सनातन धर्म की गहराइयों से जुड़ी हुई हैं। वट सावित्री व्रत ऐसा ही एक विशेष व्रत है, जिसे विशेष रूप से सुहागिन स्त्रियों द्वारा अपने पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य और सुखमय जीवन के लिए किया जाता है। इस व्रत की कथा और परंपरा महाभारतकालीन स्त्री सावित्री से जुड़ी है, जिसने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लाकर पतिव्रता धर्म की अमर गाथा लिखी थी। इस वर्ष, 26 मई 2025 (सोमवार) को यह व्रत विशेष रूप और संयोगों के साथ मनाया जाएगा। ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या तिथि को शोभन योग, भरणी, कृत्तिका नक्षत्रों का संयोग और सोमवती अमावस्या है। इस वर्ष वट सावित्री व्रत विशेष ज्योतिषीय संयोगों से युक्त है। 26 मई 2025 (सोमवार) को सुबह 11:02 बजे से शोभन योग, भरणी- कृत्तिका नक्षत्र में अमावस्या आरंभ होगा। अभिजीत मुहूर्त का समय सुबह 11:20 बजे से दोपहर 12:14 बजे तक, गुलिक काल दोपहर 1:28 बजे से 3:10 बजे तक और चर, लाभ, अमृत मुहूर्त दोपहर 1:28 बजे से संध्या 6:32 बजे तक है। वट सावित्री व्रत इस वर्ष सोमवार को होगा। सोमवार दिन होने के कारण इसका महत्व बढ़ जाता है क्योंकि सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहते हैं, जो अत्यंत फलदायी और दुर्लभ होती है। वट सावित्री व्रत की पूजा के साथ सावित्री-सत्यवान की कथा सुनना आवश्यक होता है। कथा के संबंध में कहा जाता है कि राजा अश्वपत की पुत्री सावित्री ने वनवासी युवक सत्यवान को अपना पति चुना, जो अपने पिता के साथ वन में रहकर तपस्वी जीवन जी रहा था। ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की थी कि सत्यवान के एक वर्ष में मृत्यु को प्राप्त होगा। फिर भी सावित्री ने अपने पतिव्रत धर्म पर अडिग रहते हुए उससे विवाह किया। एक वर्ष पश्चात जब यमराज सत्यवान के प्राण हरने आए, तो सावित्री उनका पीछा करती गई और अपने तर्क, प्रेम और निष्ठा से यमराज को वशीभूत कर लिया। यमराज ने प्रसन्न होकर सत्यवान को जीवनदान दिया। तभी से सावित्री प्रतीक बन गई एक आदर्श पत्नी की, और इस दिन को व्रत के रूप में मनाया जाने लगा। वट सावित्री व्रत करने के लिए ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प लेना चाहिए कि मैं अपने पति की दीर्घायु के लिए वट सावित्री व्रत कर रही हूं। उसके बाद पूजा करने के लिए लाल वस्त्र, कुमकुम, अक्षत, रोली, सूत, फल, फूल, दीपक, धूप, नई चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, पंचमेवा आदि लेकर, वट वृक्ष के नीचे बैठकर पूजा करना चाहिए। पूजा के क्रम में वृक्ष के चारों ओर कच्चा सूत (धागा) 7, 11 या 21 बार लपेटना चाहिए। वट वृक्ष को जल अर्पित करना चाहिए और रोली, अक्षत, फूल आदि चढ़ाना चाहिए। वट वृक्ष के नीचे सावित्री-सत्यवान और यमराज की प्रतिमा स्थापित (रख कर) पूजा करना चाहिए। वट वृक्ष के नीचे प्रति महिला को वट सावित्री व्रत की कथा सुनना या पढ़ना चाहिए और सहस्त्रनाम और मंत्र जाप नमः भगवत्यै सावित्र्यै स्वाहा का जाप करना चाहिए। शोभन योग को शुभ कार्यों के लिए अत्यंत उत्तम माना जाता है। शोभन योग में किया गया व्रत और दान सौ गुना फल प्रदान करता है। यह योग जीवन में समृद्धि और कल्याण लाता है। वहीं, जब अमावस्या सोमवार को पड़े, तो वह विशेष रूप से तीर्थ स्नान, पितृ तर्पण, और व्रत के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। इस दिन किया गया व्रत जीवन में सुख-शांति और रोगमुक्ति प्रदान करता है। वट सावित्री व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं है, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है कि पति-पत्नी के बीच समर्पण, विश्वास और प्रेम रहना चाहिए। ग्रामीण भारत विशेषकर मिथिलांचल, बुंदेलखंड और अवध क्षेत्र में यह व्रत नवविवाहिताओं के लिए विशेष महत्व रखता है।

आतंक को हर हाल में करना होगा परास्त

जम्मू-कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है। बीते कुछ दशकों में आतंकियों ने देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी बस या ट्रेन में आतंकियों ने निर्दोषों के लहू से होली खेली है। यह एक ऐसी विकराल समस्या है, जिसने न केवल हजारों लोगों की जान ली है बल्कि अनगिनत परिवारों को तबाह किया है। बच्चे अनाथ हुए, माताएं-बेटियां विधवा हुईं और बुजुर्गों की जीवन-संध्या से सहारा छीन गया। आतंकवादी ऐसे नृशंस कृत्यों के जरिए लोगों के मन में भय भरते हैं, उनका उद्देश्य हिंसा, अस्थिरता और अव्यवस्था फैलाकर समाज को तोड़ना होता है। इन विभीषिकाओं के खिलाफ देश ने जो संघर्ष किया है, उसी के सम्मान में हर साल 21 मई को ह्यराष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवसह्न मनाया जाता है। यह दिन आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में शहीद हुए जवानों और नागरिकों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। इस दिन देशभर में लोगों को यह शपथ दिलाई जाती है कि वे हर प्रकार की हिंसा और आतंकवाद का विरोध करेंगे, शांति, अहिंसा और सहिष्णुता के सिद्धांतों में विश्वास रखेंगे और देश की एकता, अखंडता व सामाजिक सद्भाव की रक्षा करेंगे। यह दिन इसलिए भी स्मरणीय है क्योंकि 21 मई 1991 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी। यह हमला लिट्टे जैसे आतंकी संगठन की सोची-समझी साजिश का परिणाम था, जिसने केवल एक नेता की जान ही नहीं ली बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को हिला कर रख दिया था। इसी दिन की स्मृति में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की शुरुआत हुई ताकि देशवासियों को यह अहसास कराया जा सके कि आतंकवाद किसी व्यक्ति, धर्म या समुदाय का दुश्मन नहीं बल्कि समूची मानवता का शत्रु है। हाल के वर्षों में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध जो नीति अपनाई है, वह पहले से कहीं अधिक कठोर, रणनीतिक और सशक्त हो चुकी है। विशेषकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने जिस बहादुरी से अभियान चलाए हैं, उन्होंने आतंकी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। धारा 370 हटाए जाने के बाद घाटी में हालात में धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। सैकड़ों आतंकी मुठभेड़ों में मारे गए हैं और सुरक्षाबलों ने सीमाओं पर घुसपैठ की अनेक कोशिशें विफल की हैं। हालांकि पूरी तरह से आतंक का खात्मा अब भी शेष है। इसकी ताजा मिसाल 22 अप्रैल को अनंतनाग जिले के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में देखी जा सकती है। बैसरन घाटी में हुए इस हमले ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद की जड़ें अभी भी पाकिस्तान में मौजूद हैं और वहां से संचालित आतंकी संगठन भारत की शांति व्यवस्था को चुनौती देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब घाटी में आतंकी घटनाओं में गिरावट दर्ज की जा रही थी, जो भारत की कूटनीतिक और सुरक्षा नीति की सफलता का संकेत थी। इस नृशंस कृत्य के बाद भारत सरकार ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न नामक सैन्य अभियान चलाकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। रिपोर्टों के अनुसार, इसमें लगभग 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया और उनके अनेक अड्डों को नष्ट किया गया। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब भारत केवल रक्षात्मक रवैया नहीं अपनाएगा बल्कि आतंक के स्रोत पर आक्रमण करेगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर चौतरफा दबाव बनाना शुरू किया और साथ ही सिंधु जल संधि को रद्द करने का भी बेहद निर्णायक फैसला लिया गया। यह समझौता 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था, जिसके अंतर्गत भारत ने पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों का जल उपयोग करने का अधिकार दिया था। अब यह फैसला प्रबल हो गया है कि जब पाकिस्तान बार-बार आतंकियों को शरण देता है और भारत की नागरिक आबादी को निशाना बनाता है तो ऐसे में इस ऐतिहासिक संधि को बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। भारत के सैन्य अभियानों ने न केवल प्रत्यक्ष रूप से आतंकियों को नुकसान पहुंचाया है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी पाकिस्तान को अलग-थलग करने में सफलता प्राप्त की है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने उसे ग्रे लिस्ट में डालकर उसकी अर्थव्यवस्था पर जबरदस्त दबाव बनाया है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थानों के सामने भारत ने बार-बार पाकिस्तान के दोहरे रवैये को उजागर किया है, जहां एक ओर वह शांति की बातें करता है, वहीं दूसरी ओर अपनी धरती पर आतंकियों को संरक्षण देता है।

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है। पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है। । भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है। पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है। । भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ित होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़स है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए।

शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे। सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है,

इन्फ्लुएंसर, जागो जिम्मेदारी भी वायरल हो

ऐसे में लोकतंत्र की पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि इन पर भी निगरानी और जवाबदेही तय हो। चुनाव आयोग और सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है...आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह न केवल संचार का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि जनमत निर्माण, सामाजिक जागरूकता और राजनैतिक विमर्श का भी एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद इन्फ्लुएंसर्स का प्रभाव अब केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे सामाजिक और राजनैतिक मामलों पर भी जनता की सोच को दिशा देने लगे हैं।

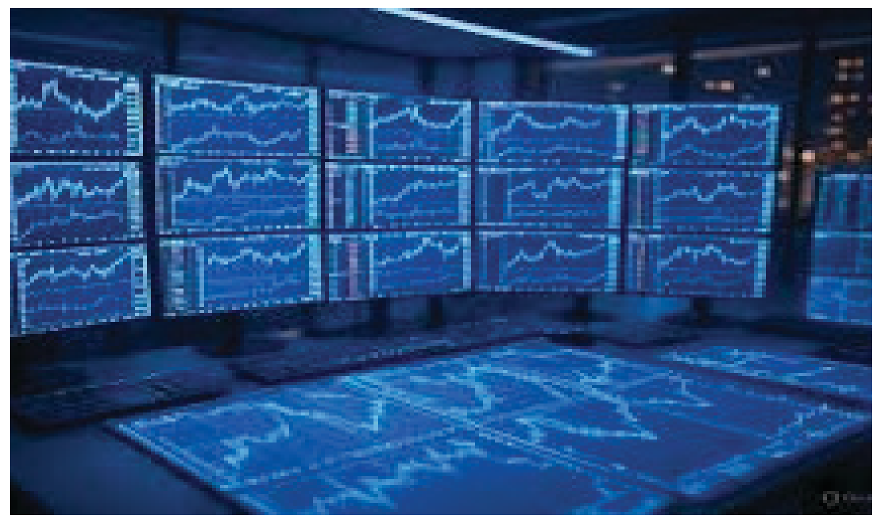

डॉ सत्यवान सौरभ

लेखक,

आज सोशल मीडिया पर मौजूद इन्फ्लुएंसर्स का प्रभाव समाज और राजनीति पर तेजी से बढ़ रहा है। वे बिना किसी जवाबदेही के जनमत को प्रभावित करते हैं, विशेष रूप से चुनावों में। पारंपरिक मीडिया के विपरीत, इनके लिए कोई स्पष्ट आचार संहिता नहीं है। ऐसे में लोकतंत्र की पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि इन पर भी निगरानी और जवाबदेही तय हो। चुनाव आयोग और सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है... आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह न केवल संचार का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि जनमत निर्माण, सामाजिक जागरूकता और राजनैतिक विमर्श का भी एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद इन्फ्लुएंसर्स का प्रभाव अब केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे सामाजिक और राजनैतिक मामलों पर भी जनता की सोच को दिशा देने लगे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इन इन्फ्लुएंसर्स की कोई नैतिक या कानूनी जवाबदेही होनी चाहिए? क्या उन्हें भी निष्पक्षता का पालन करना चाहिए जैसे पत्रकारों से अपेक्षा की जाती है? सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स वे लोग हैं जिनके पास हजारों या लाखों की संख्या में फोल्लोवेर्स होते हैं। उनके विचार, प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं और टिप्पणियां लोगों को प्रभावित करती हैं। कई ब्रांड्स और कंपनियां इन्हीं इन्फ्लुएंसर्स की सहायता से अपने उत्पादों का प्रचार करती हैं। अब यह प्रभाव केवल आर्थिक नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र में भी गहराई से प्रवेश कर चुका है। 2024 के लोकसभा चुनावों और कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में यह स्पष्ट देखने को मिला कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स किस प्रकार राजनैतिक दलों के लिए प्रचारक की भूमिका निभा रहे हैं। वे सीधे तौर पर किसी पार्टी विशेष के समर्थन या विरोध में पोस्ट साझा करते हैं, वीडियो बनाते हैं या लाइव डिबेट करते हैं। इनमें से अधिकतर पोस्ट्स में प्रचार सामग्री होती है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि वह ह्यपेडह्न है या नहीं। पारंपरिक मीडिया में पेड न्यूज की निगरानी के लिए चुनाव आयोग की गाइडलाइन है, लेकिन सोशल मीडिया की इस नई दुनिया पर यह नियंत्रण नहीं है। सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट्स ने भी समय-समय पर सोशल मीडिया पर गलत सूचना, नफरत फैलाने वाले भाषण और चुनावी प्रचार की निगरानी को लेकर चिंता व्यक्त की है। तकनीक ने भले ही लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी हो, लेकिन जब यह स्वतंत्रता बिना किसी जिम्मेदारी के प्रयोग की जाती है, तो वह लोकतंत्र को कमजोर करने लगती है। आज हर कोई पत्रकार बन सकता है झ्र एक स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन के जरिए। ऐसे में पत्रकारिता और इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका में एक महीन सी रेखा रह गई है, जिसे स्पष्ट रूप से चिन्हित करना आवश्यक है। पत्रकारों के लिए आचार संहिता है, प्रेस काउंसिल है, समाचार संगठनों की जवाबदेही है। लेकिन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के लिए ऐसा कोई तंत्र मौजूद नहीं है। यहां पर दो बातें अहम हैं झ्र एक, इन्फ्लुएंसर्स की स्वतंत्रता और दूसरा, उनकी जिम्मेदारी। स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि वे किसी भी तरह की जानकारी या विचार को बिना तथ्यों की जांच के फैलाएं। यदि वे किसी राजनैतिक विचारधारा का प्रचार कर रहे हैं या किसी विशेष पार्टी के पक्ष में जनमत को प्रभावित कर रहे हैं, तो यह जरूरी है कि वे इसे पारदर्शी ढंग से करें और यह स्पष्ट हो कि वे किसी एजेंडे के तहत कार्य कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, इन्फ्लुएंसर्स की पोस्ट या वीडियो को पेड प्रमोशन मानते हुए चुनाव आयोग को भी इसके लिए स्पष्ट नियम बनाने चाहिए। जिस तरह टीवी और अखबार में विज्ञापन के लिए शुल्क का निर्धारण होता है और उसकी घोषणा अनिवार्य होती है, उसी प्रकार सोशल मीडिया पर भी प्रचार पोस्ट्स की निगरानी होनी चाहिए। आखिरकार, लोकतंत्र की ताकत उसकी पारदर्शिता और निष्पक्षता में निहित होती है। अगर कोई भी माध्यम झ्र चाहे वह पारंपरिक मीडिया हो या सोशल मीडिया झ्र पक्षपातपूर्ण व्यवहार करता है, तो इससे जनमत प्रभावित होता है और लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होती हैं। दूसरी ओर, बहुत से इन्फ्लुएंसर्स यह तर्क दे सकते हैं कि वे स्वतंत्र नागरिक हैं और उन्हें किसी भी विचार को समर्थन देने का अधिकार है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है, लेकिन जब कोई व्यक्ति या समूह अपने विचारों के जरिए लाखों लोगों की राय को प्रभावित कर रहा हो, तब उसकी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है। इन्फ्लुएंसर्स को यह समझना चाहिए कि उनकी बातों का असर केवल मनोरंजन या सौंदर्य उत्पादों के प्रचार तक नहीं है, बल्कि वे सामाजिक सरोकारों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भी प्रभावित कर सकते हैं। इस प्रभाव के साथ उन्हें जवाबदेही भी स्वीकार करनी चाहिए। यह समय है जब सरकार, चुनाव आयोग, और समाज इस दिशा में ठोस कदम उठाएं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी अपने यूजर्स की गतिविधियों पर निगरानी रखनी चाहिए और पेड प्रचार को चिन्हित करने के लिए तकनीकी व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही, एक ऐसी रूपरेखा बनाई जाए जो इन्फ्लुएंसर्स को आचार संहिता के दायरे में लाए और उन्हें भी पारदर्शिता तथा निष्पक्षता के लिए बाध्य करे। समय की मांग है कि हम केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात न करें, बल्कि उसकी जिम्मेदारी और जवाबदेही को भी उतना ही महत्व दें। लोकतंत्र की सफलता के लिए यह अनिवार्य है कि हर मंच, हर माध्यम और हर आवाज निष्पक्ष, जिम्मेदार और सत्यनिष्ठ हो झ्र फिर चाहे वह अखबार का संपादकीय हो, टीवी का डिबेट हो या इंस्टाग्राम की कोई पोस्ट।

सुरक्षा में सेंध: खुफिया एजेंसियों की नाकामी

हरियाणा के कई जिलों में संदिग्ध व्यक्तियों ने पाकिस्तान जाकर महीनों बिताए, सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं, फिर भी भारतीय खुफिया एजेंसियों को भनक तक नहीं लगी। ज्योति और तारिफ जैसे लोग फर्जी पहचान से पासपोर्ट बनवाकर सीमा पार पहुंचे, पाकिस्तानी अधिकारियों से मिले, और बेधड़क लौट आए। यह मामला न सिर्फ इंटेलिजेंस विफलता को उजागर करता है, बल्कि हमारे साइबर निगरानी तंत्र और पासपोर्ट वेरिफिकेशन की कमजोरी को भी सामने लाता है। जब सोशल मीडिया पर जासूसी खुलेआम हो रही हो, तब खामोश एजेंसियाँ देश की सुरक्षा को संकट में डाल रही हैं...आज जब भारत चंद्रयान-3 की सफलताओं, डिजिटल इंडिया की उड़ानों और वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा है, तब एक छोटी सी खबर राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव हिला देने वाली बन जाती है। अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा के अलग-अलग जिलों में संदिग्ध जासूसी गतिविधियाँ होती रहीं, संदिग्ध व्यक्ति पाकिस्तान भी गए, महीनों तक वहां रहे, सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं—पर खुफिया एजेंसियों को भनक तक नहीं लगी। अगर यह खतरनाक लापरवाही नहीं तो और क्या है? जासूसी की कहानी या एजेंसियों की नींद? चंडीगढ़, अंबाला, हिसार, यमुनानगर और पंचकूला जैसे संवेदनशील जिलों में संदिग्ध लोगों की गतिविधियाँ चलती रहीं। ज्योति और तारिफ जैसे व्यक्तियों के पास तीन-तीन नाम थे, वे पाकिस्तान गए, सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालते रहे, वहां के अधिकारियों से मिले, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की नींद नहीं टूटी। यह सिर्फ एक केस नहीं, यह उस सिस्टम पर सवाल है जो कागजों में तो मजबूत दिखता है लेकिन जमीनी हकीकत में खामोश रहता है। क्या यह माना जाए कि आज सोशल मीडिया के दौर में भी हमारी एजेंसियाँ उन गतिविधियों को पकड़ नहीं पातीं जो खुल्लमखुल्ला हो रही हैं? क्या सिर्फ पासपोर्ट वीजा की जांच पर्याप्त है? और अगर ये लोग सीमा पार गए, पाकिस्तान में पार्टी की, अधिकारियों से मिले और फिर बेधड़क लौट आए, तो यह घटना इंटेलिजेंस की असफलता नहीं तो क्या है? सोशल मीडिया बनाम सुरक्षाआज ज्योति जैसी महिला पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से लेकर मुर्री हिल स्टेशन तक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रही। उसके पोस्ट पर पाकिस्तानी हैंडल से तारीफें आती रहीं। क्या किसी खुफिया एजेंसी ने एक बार भी उसका साइबर प्रोफाइल देखा? क्या अब सोशल मीडिया खुफिया जानकारी का स्रोत नहीं रहा? जिस युग में हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा औरर्ू’ श्ीड्ढ्रल्ल्र३ड्ढल्ल की बात करते हैं, उसी युग में एक संदिग्ध महीनों तक पाकिस्तान में रहकर तस्वीरें डालती है और एजेंसियों को पता नहीं चलता, तो यह उस ह्लसाइबर सुरक्षाह्व के दावों की पोल खोल देता है। जासूसी की परंपरा और वर्तमान खतरे जासूसी कोई नई चीज नहीं है। यह तो हमेशा से राष्ट्रों के बीच ह्यछाया युद्धह्न का हिस्सा रही है। लेकिन आज जब टेक्नोलॉजी इतनी उन्नत हो चुकी है कि एक मोबाइल लोकेशन से भी सारा इतिहास खोजा जा सकता है, तब किसी संदिग्ध का पाकिस्तान जाना, वहां रुकना, अधिकारियों से मिलना और फिर भारत लौट आना—यह दशार्ता है कि हमारी आंतरिक निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियाँ हैं। पाकिस्तान जैसे देश के संदर्भ में, जहाँ से आतंकवाद और खुफिया नेटवर्क चलाए जाते हैं, वहाँ किसी भी भारतीय नागरिक की उपस्थिति तत्काल संदेह का विषय होनी चाहिए। यदि ज्योति, तारिफ और उनके जैसे लोग बिना निगरानी के वहां रहे और लौटे, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे की घंटी है। एजेंसियों का भरोसा या बहाना? रिपोर्ट कहती है कि ह्लइंटेलिजेंस फेल्योर नहीं, सबका आने-जाने की आजादी है।ह्व लेकिन यह तर्क उस समय खोखला लगता है जब वही आजादी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन जाए। हां, भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां नागरिकों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता है, लेकिन जब यह स्वतंत्रता देशद्रोही ताकतों के हाथों में हथियार बन जाए, तब सिस्टम को आंखें मूंदकर सोना नहीं चाहिए। ये वही सिस्टम है जो आम नागरिक को छोटी सी गलती पर देशद्रोह के तहत जेल में डाल देता है, लेकिन वहीं कोई महीनों तक पाकिस्तान जाकर लौट आए तो ह्लउसे पकड़ना मुश्किल हैह्व जैसे बयान दिए जाते हैं। क्या यह दोहरा मापदंड नहीं ?स्थानीय एजेंसियों की भूमिका हरियाणा जैसे राज्य में, जहां सेना में भर्ती के लिए लाखों युवा लाइन में खड़े रहते हैं, वहीं अगर वहीं की जमीन पर जासूसी के लिए संदिग्ध घूमते रहें, तो स्थानीय पुलिस और खुफिया तंत्र की क्या भूमिका रही? क्या थानों को सूचनाएं नहीं मिलीं? क्या पासपोर्ट की वेरिफिकेशन प्रक्रिया में कोई लापरवाही नहीं हुई? गौरतलब है कि ये संदिग्ध दिल्ली, काशी, असम और हरियाणा के विभिन्न हिस्सों में ठहरे। रिपोर्ट में उल्लेख है कि ज्योति ने वाराणसी में 12 काशी बनाए थे यानी फर्जी पहचान पत्रों और दस्तावेजों की पूरी श्रृंखला। यह दिखाता है कि ये कोई सामान्य पर्यटक नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क के हिस्से थे।

संक्षिप्त खबरें

गुजरात पुलिस ने हेराफेरी मामले में एक को पकड़ा

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बख्तियारपुर गांव से गुजरात राज्य में कूपन हेरा फेरी मामले में बख्तियारपुर गांव से पुलिस ने छापेमारी कर विनोद सहनी के पुत्र कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया है ।ज्ञात हो कि वर्ष 2024 में गुजरात के पेटू लाइव प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से नयी मैनूफ्रैक्चर क्यूआर कोड, एन वी डेट टोकन कंपनी ने मजदूरी करने के दौरान दो युवक के द्वारा कूपन चोरी कर लिया गया था। जिसे गुजरात पुलिस ने कल्याणपुर के बख्तियारपुर गांव से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दूसरे युवक फरार बताया जा रहा है। दोनों थाना के सहयोग से बख्तियारपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया। जबकि दूसरा युवक फरार बताया जा रहा है। इस मामले को लेकर गुजरात पुलिस के एस आई चंदू भाई सुरपाल और सिपाही क्रिएट सिंह ढाला ने बताया कि वलसाड जिला के पारोडी थाना क्षेत्र के उक्त कंपनी में बीते वर्ष कम्पनी का लाकर तोड़कर एम बी डाटा टोकन 4 हजार नया क्यूआर कोड कूपन चोरी कर लिया गया था। जिसका कीमत वर्तमान में 7 लाख रुपए बताई गई है ।वही इस बाबत कल्याणपुर थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि मुख्यालय के आदेश पर छापेमारी कर चोरी के मामले में एक युवकों को गिरफ्तार कर लिया । दूसरा युवक फरार बताया जा रहा है। गिरफ्तार युवक को गुजरात पुलिस अपने साथ ले गयी।

अपहृता को पुलिस ने किया बरामद

कल्याणपुर, विभिन्न गांव से दो अपहृता को पुलिस ने बरामद कर अग्रसर कार्रवाई में समस्तीपुर न्यायालय व मेडिकल जांच में भेजा। जानकारी अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार झा में देते हुए बताया कि अकबरपुर गांव से विवाहिता का अपहरणकर्ता ने अपहरण कर लिया था। जिस कांड में पिता छोटू पासवान 5 पांच लोगों को आरोपित किया था। जिसमें जगन्नाथ, धर्मेंद्र, जितेंद्र, मोहित, शीला देवी शामिल है। पुलिस दबाव को लेकर अपहर्ता स्वयं थाना पर पहुंची। केस के अनुसंधानकर्ता थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा के निर्देश पर मेडिकल जांच व न्यायालय में गए हैं। वहीं दूसरी ओर जितवरिया गांव से एक विवाहिता का अपहरण कर्ता ने अपहरण कर भाग ले गए थे। इसको लेकर पति ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस दबिश से विवाहिता मंगलवार को थाना पहुंची। दोनों कांड के अनुसंधान कर्ता अवर निरीक्षक शिम्पी कुमारी व अनुसंधान कर्ता अवर निरीक्षक लालू मल्लाह दोनों बरामद अपहृता को लेकर न्यायालय थाना अध्यक्ष के निर्देश पर गए हैं ।

मारपीट सड़क दुर्घटना में दो जख्मी, ईलाज जारी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में सड़क दुर्घटना व मारपीट में दो लोग जख्मी हुए। परिजनों के सहयोग से जख्मियों को सामुदायिक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने जख्मी की पहचान रसलपुर बघला गांव के स्वर्गीय हरिवंश पांडे के 60 वर्षीय पुत्र गणेश पांडे के रूप में की गई वहीं दूसरी ओर सड़क दुर्घटना में जितवरिया गांव के चंद्रपाल चौधरी के पुत्र 25 वर्षीय पीयूष कुमार के रूप में की गई है। इसके संबंध में परिजनों ने बताया कि पीयूष बाइक पर से गिर गया, जिससे वह गंभीर जख्मी हो गया। जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने दी।

34 वीं पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत कांग्रेस कार्यालय कल्याणपुर में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के 34 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष कपिलेश्वर कुंवर कर रहे थे। सर्वप्रथम उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय गांधी के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया। वहीं वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मौके पर चंद्रभूषण सिंह, अजीत झा, कमल किशोर, रणधीर ईसर, रामशंकर ईसर, जयशंकर ईसर, बैजनाथ ईसर, गुंजन कुमार सिंह, गौरी शंकर ईसर, अनिल सिंह, संजीव ठाकुर, अजीत कुमार सिंह, विजय कुमार झा, लक्ष्मी पासवान, धर्मेश चौधरी, वीरेंद्र सेठ, ओम प्रकाश पासवान आदि मौजूद थे।

लाइसेंसी शस्त्रों का सत्यापन 4 जून तक होगी

विभूतिपुर/समस्तीपुर आगामी बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 का मतदान स्वच्छ, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने हेतु लाइसेंसी शस्त्रों का सत्यापन कराया जाना है जिला दंडाधिकारी समस्तीपुर के पत्रांक 893 दिनांक 13 मई 2025 के आलोक में विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी के शस्त्र का भौतिक सत्यापन की तिथि 20 मई 2025 से 04 जून 2025 तक निर्धारित की गई है सुबह 10:30 बजे से संध्या 5 बजे तक थाना भवन में शस्त्र का सत्यापन किया जाएगा। उक्त अवधि में शस्त्र का सत्यापन नहीं कराने वाले के विरुद्ध शस्त्र व कारतूस जब्त करते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उक्त बात की जानकारी विभूतिपुर थाना अध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने नोटिस जारी कर दिया है।

वर्षापात, तटबंधों एवम नदियों के जल स्तर पर सतत निगरानी का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से वर्चुअल माध्यम से बाढ़ पूर्व की तैयारियों एवं बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर उससे त्वरित रूप से निपटने को लेकर जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवं जिला स्तरीय सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर कई निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति में उससे निपटने को लेकर तैयारियो को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखे। उन्होंने आपदा संपूर्ति पोर्टल पर सभी प्रकार के डाटा को अविलम्ब अपडेट करने का निर्देश दिया ताकि आपदा की स्थिति उत्पन्न होने पर ससमय राहत पहुचाई जा सके। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जवाबदेही तय कर करवाई भी की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अंचल अधिकारी आवश्यकता का आकलन करते हुए निजी नावों के लिए एकरारनामा कर ले,साथ ही उपलब्ध सरकारी नाव का भी भौतिक सत्यापन कर क्षतिग्रस्त नाव की मरम्मती ससमय कर ले।उन्होंने स्थाई बाढ़ आश्रय स्थल के साथ साथ अस्थाई बाढ़ आश्रय स्थल के समीक्षा के क्रम में कहा कि बाढ़ आश्रय स्थल में पेय जल,शौचालय आदि मूलभूत व्यवस्थाएं का भौतिक सत्यापन कर ले।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि बाढ़ राहत कार्य से जुड़ी आवश्यक दवाइयों का समय से स्टॉक में रखे। इनमे सभी जीवन रक्षक दवा, एन्टी स्नैक,हेलोजन की गोलियां , ब्लीचिंग पाउडर आदि भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हों यह हरहाल में सुनिश्चित करले।उन्होंने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमंडल, मधुबनी को निर्देश दिया कि विभाग द्वारा चापाकलों की मरम्मति एवं नए लगाए जाने वाले चापाकलों के लिए भी तैयारी करने का निदेश दिया। उन्होंने इस संबंध में सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को इसकी सतत मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों सहित बाढ़ प्रमंडल के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी अपने क्षेत्राधीन बांधो का लगातार निरीक्षण करते रहे। यदि किसी स्थान पर उन्हें बांध की वर्तमान संरचना में कोई त्रुटि दिखाई दे तो अविलंब संबधित अभियंता से समन्वय कर उसका त्वरित समाधान कर ले। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निदेश दिया कि वे प्रत्येक बुधवार को आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक करेंगे,इसलिये सभी संबधित जिला स्तरीय पदाधिकारी ससमय समाहरणालय वीसी कक्ष में बैठक में उपस्थित रहेंगे,वही सभी एसडीओ,सीओ, सभी तकनीकी विभाग के क्षेत्रीय पदाधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आपदा जैसे महत्वपूर्ण बैठक से अनुपस्थित रहने पर कारवाई भी की जाएगी।उक्त बैठक में अपर समाहर्ता,राजेश कुमार,अपर समाहर्ता आपदा, संतोष कुमार,सिविल सर्जन डॉ हरेंद्र कुमार,प्रभारी जिला आपदा प्रबंधन शाखा परिमल कुमार, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी रजनीश कुमार,जिला कृषि पदाधिकारी,ललन चौधरी,जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित अन्य वरीय अभियंता व पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया 44 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को समग्र शहरी विकास योजना के तहत मुजफ्फरपुर जिलांतर्गत नगर निकायों में रोड एवं नाला के निर्माण हेतु 44 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में नगर निगम मुजफ्फरपुर, नगर परिषद मोतीपुर एवं कांटी, नगर पंचायत सकरा, सरैया ,मुरौल, माधोपुर सुस्ता, तुर्की कुढ़नी शामिल है। सरकारी प्रक्रिया के तहत योजनाओं का चयन उपमुख्यमंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गठित जिला संचालन समिति द्वारा तथा क्रियान्वयन बुडको द्वारा किया जाना है। पटना में आयोजित इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुजफ्फरपुर समाहरणालय से कार्यक्रम में विधायक विजेंद्र चौधरी, मेयर श्रीमती निर्मला देवी साहू, उपमेयर डॉ मोनालिसा तथा अन्य नगर निकायों के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष , सभापति, उपसभापति, जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन , जिला योजना पदाधिकारी नवीन कुमार सहित कई अन्य अधिकारी जुड़े हुए थे।

महिला ने दारोगा पर लगाया छेड़खानी और मारपीट का आरोप, मामला पहुंचा मानवाधिकार आयोग के पास

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले से के अहियापुर थाना क्षेत्र के एक गांव की एक महिला द्वारा अपने क्षेत्र के दरोगा पर छेड़खानी और मार-पीट के आरोप लगाये गये हैं। मामला मुरादपुर दुल्लाह गांव का है जहां की एक महिला ने दरोगा विपिन रंजन पर उसके साथ छेड़खानी व -मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाये है। महिला ने बताया है कि दरोगा विपिन रंजन अक्सर उसके घर में घुसकर उसकी- इज्जत लूटने का प्रयास करता है।लेकिन डर और लोक - लज्जा के कारण उसने आजतक किसी से इस घटना के बारे में कुछ नहीं बताया। महिला का कहना है कि कि दरोगा विपिन रंजन द्वारा उसे बार-बार अपने घर आने के लिए दबाव दिया जाता है। गत 19 मई - की रात डेढ़ बजे दरोगा फिर उस महिला के घर पहुंच कर - मनमानी करने लगा। तब महिला ने इसका विरोध किया। इसपर दरोगा द्वारा उसके साथ मार-पीट की गई और पिस्तौल के - दम पर उसकी इज्जत लूटने का प्रयास भी किया गया। महिला जखमी हालत में वहां एसकेएमसीएच गई और अपना इलाज कराया। महिला का यह भी कहना है कि जब वह इलाज करा कर घर वापस आयी तो उसके 20 हजार रुपये गायब मिले । वह रुपये उसने विस्तर पर तकिया के नीचे छिपा रखे थे। महिला का आरोप है कि दरोगा विपिन रंजन द्वारा उसे शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई है। थक-हारकर महिला ने मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के. झा के माध्यम से बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग व राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिका दर्ज कराई है। मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के. झा ने कहा कि यह मामला रक्षक के भक्षक बनने का है।पुलिस, जिसपर लोगों की सुरक्षा की जबावदेही है, वही ऐसी घिनौनी हरकत करें, तो लोगों का तो पुलिस-प्रशासन पर से भरोसा ही उठ जायेगा। ऐसे में लोग फरियाद लेकर कहाँ जाये, यह भी एक यक्ष प्रश्न है। यह मानवाधिकार उल्लंघन के अतिगंभीर कोटि का मामला है। उम्मीद है, आयोग द्वारा इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ठोस व निष्पक्ष जांच की जाएगी।

बागेश्वर बाबा को भा गया मिथिलांचल, अगले साल फिर आएंगे

ब्रह्मानन्द ठाकुर / प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बागेश्वर बाबा को मिथिलांचल इतना भा गया कि उन्होने अगले साल भी तीन दिनों के लिए यहां आने की घोषणा कर दी। बाबा अपनी दो दिनों की बिहार यात्रा पर मंगलवार को रात लगभग 10 बजे मुजफ्फरपुर के राधानगर पताही-चौसीमा गांव पहुंचे थे। यहां 10 दिवसीय महा विष्णु यज्ञ आयोजित है। यज्ञ स्थल पर उनकी एक झलक पाने के लिए लोग बेताब दिखे। वे यहां संध्या 5 बजे पहुंचने वाले थे। उनके दर्शनों के लिए लोगों में उत्साह इतना था कि करीब 5 घंटे देरी से पहुंचने के बाद भी लोग बडी बेसब्री से उनका इंतजार करते रहे । पंडाल लोगों से खचाखच भरा हुआ था। पंडाल के बाहर भी बड़ी संख्या में लोग उनका दर्शन पाने के लिए डटे हुए थे। व्यास पीठ पर बैठते ही धीरेंद्र शास्त्री ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि बिहार के लोगों ने मुझे अपना कर्जदार बना लिया है। इनके इस कर्ज को चुकाने के लिए मैं अगले साल फिर तीन दिनों के लिए मुजफ्फरपुर जरूर आऊंगा। उन्होंने कहा, मेरी इच्छा है कि अगर मुझे अगला जन्म मिले तो बिहार की धरती पर खास कर मिथिलांचल में ही मिले। आगे उन्होंने कहा , मुझे पहली बार मिथिला की धरती पर आकर कथा कहने का मौका मिला है। यह राजा जनक और माता सीता की जन्मभूमि है।बाबा ने लोगों को इस बात के लिए धन्यवाद दिया की इतनी रात तक भी वे उनका इंतजार करते रहे। वे उनके इस प्यार से अभिभूत हैं।हिंदू राष्ट्र के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए बागेश्वर बाबा ने पदयात्रा करने का भी ऐलान किया। इस बात को लेकर वे पूरी तरह से आश्वस्त दिखे कि एक न एक दिन भारत हिंदू राष्ट्र का परचम जरूर फहराएगा। बाबा ने कहा कि यह नया भारत है 1965 और 1971 वाला भारत नहीं है.।हम दुश्मनों को घर में घुसकर मारना जानते हैं।. भारत की बेटियों ने पाकिस्तान को सबक सिखा दिया है।इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को समर्थन देने वाले चीन को भी चेतावनी देते हुए कहा कि हम इंडिया वाले तो चाइनीज चार्जर खरीदने से पहले भी 100 बार सोचते हैं और ये पाकिस्तान वाले चाइनीज मिसाइल पर भरोसा कर अरबो रुपए खर्च कर उसे खरीद लाये।अपने सम्बोधन में बाबा धीरेन्द्र शास्त्री ने जातीय गणना जैसे मुद्दे को भी टच किया। उन्होंने कहा, जाति गणना के साथ - साथ अमीर - गरीब की भी गणना हो , तभी देश का विकास होगा। कथा प्रवचन के बाद देर रात बाबा ने दिव्य दरबार का भी आयोजन किया। वे बारी-बारी से लोगों की पर्चियां निकालते और उनकी परेशानियों का समाधान करते रहे।

मधुबनी के बकुआ पंचायत में पक्का पुल नही कोसी दियारा के 10 हजार लोग चचरी पुल के सहारे

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी मधेपुर प्रखंड के कोसी दियारा क्षेत्र में स्थित बकुआ पंचायत की करीब दस हजार की आबादी आज भी अस्थायी चचरी पुल के सहारे अपनी जिंदगी गुजारने को मजबूर है। यह क्षेत्र बिहार सरकार की परिवहन मंत्री शीला मंडल के फुलपरास विधानसभा क्षेत्र में आता है। गौरतलब है कि इसी इलाके से रामप्रीत मंडल दो बार झंझारपुर लोकसभा से सांसद रह चुके है, लेकिन पुल की स्थिति जस की तस बनी हुआ है।नेपाल और बिहार के तराई क्षेत्रों में मानसूनी बारिश शुरू होते ही बकुआ पंचायत के ग्रामीणो की चिंता बढ़ ता है। कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि के साथ ही यह क्षेत्र मुख्य धारा से कटने लगता है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि एक पीढ़ी पक्के पुल की आस में गुजर गई अब दूसरी पीढ़ी भी इंतजार में है।ग्रामीणो का आरोप है कि चुनाव के समय नेता चचरी पुल को हटाकर पक्का पुल बनाने का वादा करते है लेकिन चुनाव खत्म होते ही वे गायब हो जाते हैं। गांव की महिला मंजू देवी कहती है बरसात में सर्पदंश हो या प्रसव मरीजों को अस्पताल पहुंचाना भगवान भरोसे होता है आजादी के 75 साल बाद भी इस क्षेत्र को पक्के पुल जैसी बुनियादी सुविधा नही मिल सका है। ग्रामीणो का कहना है कि वे अब अपने बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य की कामना करते है। हमने जीवन भर कष्ट झेला है अब हमारी नई पीढ़ी को ये न सहना पड़े एक बुजुर्ग ग्रामीण भावुक होकर कहते है।

आशा कार्यकर्ता व आशा फैसिलिटेटर की सामुदायिक अस्पताल पर विभिन्न मांगों को लेकर पांच दिवसीय धरना

कल्याणपुर, प्रात: किरण संवाददाता

सामुदायिक अस्पताल परिसर के मुख्य द्वार पर बुधवार को सवेरे से पोषक क्षेत्र में कार्यरत आशा कार्यकर्ता व आशा फैसिलिटेटर की अपनी 5 सूत्री मांगों को लेकर पांच दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। नेतृत्व सीमा कुमारी कर रही थी। फैसिलिटेटर का नेतृत्व भारतीय कुमारी ने किया। बिहार सरकार के मुखिया के खिलाफ नारेबाजी कर रही थी। इन सबों की धरना प्रदर्शन को लेकर अस्पताल में आवाज आई करने वाले मरीजों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा इतना ही नहीं आशा कार्यकताओं के द्वारा कूरियर कार्यकताओं की बीच में झड़प हो गई। साधु यादव के बीच बचाव के बाद मामला शांत हुआ। घरना प्रदर्शन करने वाली आशाओं ने बताया कि बिहार राज्य गोप गुट एकटू के निर्देश पर बिहार के 80% आशाओं का धरना प्रदर्शन सामुदायिक स्वास्थ्य केदो पर किया जा रहा है उनकी मुख्य मांगे 2023 के बढ़ोतरी समझौता अब तक लागू नहीं हुई है ।अभिलंब लागू की जाए हेल्थ वेलनेस सेंटर पर काम करने वाली आशा कार्यकताओं को पोर्टल से जोडी जाए। न्यूनतम 21000 मासिक राशि मिले, अवकाश ग्रहण 65 वर्ष की जाए अवकाश के समय 10 लाख रुपए मिलने की गारंटी दें। आदि 8 मांगे मांग कर रही थी।

बाल श्रम निषेध पर जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। अम्बेडकर सभागार मे जिला पदाधिकारी राजीव रौशन के निदेशानुसार अपर समाहर्ता राजस्व नीरज कुमार दास की अध्यक्षता में बाल श्रम निषेध विषय पर जिला स्तरीय टास्क फोर्स एक दिवसीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में बाल श्रम से संबंधित सभी हितधारक के साथ-साथ टास्क फोर्स के जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित हुए। सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को श्रम अधीक्षक किशोर कुमार झा के द्वारा स्वागत करते हुए बाल श्रम के क्षेत्र में की गई उल्लेखनीय कार्य के बारे में विस्तार से बताया गया । बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 मे 39 बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया, जिसमें 05 दूसरे जिला से और 34 दरभंगा जिले से संबंधित है,जिन्हें नियमानुसार कैश कम्पोनेंट एवं नॉन कैश कंपोनेन्ट के तहत पुनर्वासन किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 07 बाल श्रमिकों को विमुक्त कराकर उनके पुनर्वास की कार्रवाई की जा रही है । बैठक को संबांधित करते हुए श्रम अधीक्षक,दरभंगा द्वारा कहा गया कि बाल श्रम ,मे मानव तस्करी भी की जा रही है,जो सभ्य समाज के लिए कलंक का विषय है। इसे हम लोग सतत प्रयास से ही इससे मुक्ति प्राप्त कर सकते है।अपर समाहर्त्ता,दरभंगा द्वारा बताया गया कि बाल श्रम निषेध हेतु संविधान में भी स्पष्ट प्रावधान है,फिर भी यह प्रथा हमारे समाज मे व्याप्त है,जो समाज के लिए कलंक है,जिसे दूर करने के लिए हम सभी को संकल्पित होने के साथ-साथ प्रतिबद्धता भी दशार्ना होगा। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों से आह्वान किया गया कि आप लोग जागरूक नागरिक है अपने घर अपने समाज में बाल श्रम कुप्रथा से संबंधित जागृति लाने का प्रयास करें।

जिला उपभोक्ता आयोग ने फ्लैट निर्माण कंपनी पर लगाया जुमार्ना

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिला उपभोक्ता आयोग ने एक फ्लैट निर्माण कंपनी के विरुद्ध कड़ा एक्शन लिया है। पूरा मामला यह है कि खबड़ा निवासी अभिलाषा कुमारी ने 6 दिसंबर ,2021 को जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत खबड़ा में एक फ्लैट निर्माण कंपनी उर्मिला होम्स जेबी द्वारा निर्मित विजय एन्क्लेव में एक 3 बीएचके फ्लैट 43 लाख21 हजार 200 रुपये में खरीदी थी। पीड़िता अपने परिवार के साथ जब उक्त फ्लैट में रहना शुरू की, तो पाया कि उस अपार्टमेंट एवं उस फ्लैट में ऐसी अधिकांश सुविधाओं का अभाव है, जिसका जिक्र फ्लैट निर्माण कंपनी द्वारा प्रदत्त अपने विवरणिका पुस्तिका एवं विकास कार्य एकरारनामा में अंकित है। इस सम्बन्ध में पीड़िता द्वारा फ्लैट निर्माण कंपनी से शिकायत की गई, लेकिन कंपनी के स्तर से कोई सकारात्मक कार्य नहीं किया जा सका। पीड़िता थक-हारकर मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से 13 जून ,2022 को जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष परिवाद दर्ज कराया।परिवाद में प्रबंध निदेशक, उर्मिला होम्स जेबी, मुजफ्फरपुर, पुरुषोत्तम पाण्डेय , अनुपम कुमार एवं राकेश रंजन (तीनों पार्टनर) को पक्षकार बनाया गया था।।इन सभी के विरुद्ध आयोग के समक्ष सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के पश्चात आयोग ने इस बात को माना कि फ्लैट निर्माण कंपनी द्वारा उपभोक्ता को एग्रीमेंट के अनुसार सेवा प्रदान नहीं की गई है, जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के विरुद्ध है। इस तरह अपार्टमेंट एवं फ्लैट में जो भी सुविधाएँ मिलनी चाहिए, उन सभी सुविधाओं से पीड़िता को फ्लैट निर्माण कंपनी द्वारा वंचित रखा गया। सुनवाई के पश्चात जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पियूष कमल दीक्षित एवं सदस्य सुनील कुमार तिवारी की पीठ द्वारा आदेश दिया गया कि फ्लैट निर्माण कंपनी द्वारा जो निर्माण कार्य कराये गये हैं, उसको रिपेयर किया जाये तथा एग्रीमेंट में वर्णित जो निर्माण कार्य नहीं कराये गये हैं, उसका पुनर्निमाण किया जाये। आयोग ने इसके लिए 45 दिनों की समय सीमा निर्धारित की है। अगर 45 दिनों के अंदर आयोग द्वारा पारित निर्णय का अनुपालन नहीं किया जाता है, तो निर्माण कंपनी को बतौर हजार्ना के रूप में 2 लाख रुपये का जुमार्ना पीड़िता को अदा करना होगा तथा वाद खर्च के रूप 10,000 रुपये अलग से देना होगा। साथ-ही-साथ 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से ब्याज का भुगतान भी करना होगा। आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के पश्चात कुल 2,10,000 रुपये का भुगतान 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ निर्माण कंपनी को करना होगा। यह पूरी राशि पीड़िता अभिलाषा कुमारी को प्राप्त होगी। आयोग द्वारा यह निर्णय 15 अप्रैल 2025 को पारित किया गया, जिसकी सत्यापित प्रति 20 मई 2025 को पीड़िता को प्राप्त हुई। मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने बताया कि यह पूरा मामला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के सेवा में कमी की कोटि का मामला था, जिसे आयोग द्वारा अवलोकन किया गया।

ग्रामीणों के बीच ग्राम कचहरी के सदस्य अपने विश्वास को कायम करें : सत्र न्यायाधीश

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से कपूर्री सभा भवन में नालसा योजनाओं, निःशुल्क विधिक सेवा, राष्ट्रीय लोक अदालत आदि विषयों पर विधिक जागरूकता सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार विनोद कुमार तिवारी ने कहा कि यह संस्था न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारियों के समन्वय के साथ स्थापित किया गया है। ताकि आमजनों को किसी भी तरह की परेशानी को आसानी से दूर किया जा सके। उन्होंने ग्राम कचहरियों की कार्यशैली को सुधारने की बात करते हुए कहा कि ग्रामीणों के बीच ग्राम कचहरी के सदस्य अपने विश्वास को कायम करें। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव आरती कुमारी ने कहा कि नालसा योजनाओं में ग्राम पंचायत के सरपंचों को भी स्थान दिया गया है ताकि योजनाओं की जानकारी जमीनी स्तर पर जरुरतमंदों तक पहुंच सके। उन्होंने बताया कि ये सभी योजनाएं जनकल्याणकारी हैं। प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी जाले रुपेश कुमार ने भी ग्राम कचहरियों के कार्य के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में असिस्टेंट लीगल एड अंकुर प्रिया ने आशा और डान स्कीम पैनल अधिवक्ता दिलीप कुमार मिश्र ने सितारा स्कीम और अधिवक्ता पुरुषोत्तम कुमार ने जागृति, संवाद, साथी योजनाओं के बारे में बताया। मौके पर प्रधान जिला जज तिवारी ने प्राधिकार सहायक कुमार गौरव द्वारा तैयार की गई ग्राम कचहरियों के लिए मार्गदर्शिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में बेनीपुर, अलीनगर एवं तारडीह प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, सरपंच, ग्राम कचहरी सचिव और पीएलवी मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर: आतंक के विरुद्ध एक सफल अभियान: प्रो. पासवान

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई: राष्ट्रीय आतंक विरोधी दिवस के अवसर पर नगर परिषद जमुई स्थित सिरचंद नवादा में ऑपरेशन सिंदूर: आतंकवाद, सेना का शौर्य, सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह की वीरता, आईएमएफ द्वारा संघर्ष के बीच आर्थिक मदद पर केकेएम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष सह अखिल भारतीय शांति एवं एकजुटता संगठन के सदस्य डॉ. (प्रो.) गौरीशंकर पासवान ने कहा कि आज ही के 21मई सन 1991 को आतंकवादियों ने भारत के लोकप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी को मानव बम से उड़ाया था। आतंकवाद भारत ही नहीं, पूरे विश्व के लिए नासूर है। आतंकियों का कोई धर्म, जाति, वर्ग नहीं होते। वे तो सिर्फ मानवता के शत्रु होते हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर: आतंकवाद के विरुद्ध एक सफल अभियान है। सेना की शौर्य, कर्नल सोफिया कुरैशी एवं व्योमिका सिंह जैसी वीरांगनाओं की वीरता की पहचान है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर: साहस, शौर्य और गरिमा की रेखा है। पाक, चीन, तुर्किए एवं अजरबैजान की हार दुनिया ने देखी है। क्योंकि पाकिस्तान और भारत के संघर्ष में चीन, तुर्की और अजरबैजान संयुक्त रूप से पाकिस्तान को साथ दिया। ड्रोन, मिसाइल साथ में उसका ऑपरेटर भी देकर पाक को मदद किया, लेकिन भारत का ब्रह्मोस और आकाश ने उसे आकाश में ही मार गिराया। और ऑपरेशन सिंदूर की विजय हुई। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से पूरा भारत खुश है।ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में भारत की बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह सेना की शौर्य, धैर्यह्न शान और हर बेटी के हौसले की पहचान बन चुकी हैं.

वे ऑपरेशन सिंदूर की लीड कमांडो की भूमिका में थी। इन्होंने रणनीति, निगरानी और नेतृत्व की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। ऑपरेशन सिंदूर में उन्होंने जो साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया है वह हर भारतीयों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। बेटी पूजा की मूरत, सीमा की रक्षक ही नहीं बल्कि रणभूमि की जरूरत बन गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह केवल भारतीय सेवा की अधिकारी नहीं, बल्कि भारत की बेटियों की शान,शक्ति, संकल्प, और सामर्थ्य का जीवंत प्रतीक हैं। इन दोनों बेटियों ने यह सिद्ध कर दिया कि अब नारी बेचारी नहीं और घर की लक्ष्मी नहीं, अपितु सीमा की रणचंडी और दुर्गा भी है। हम आप दोनों वीरांगनाओं को सलाम करते हैं कि आप दोनों बेटियां केवल कमांडो नहीं बल्कि करोड़ों बेटियों के विश्वास की मशाल है। लेकिन विडंबना और चिंताजनक बात यह है कि कर्नल सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह को अपने ही देश के कुछ नेता उनको अपमानित करने से नहीं चुके। ऐसे लोगों पर सरकार कठोर कार्रवाई करें। प्रो. पासवान ने आगे कहा कि भारत में बैठकर पाकिस्तान की जयकार लगाना शर्मनाक है। हाल ही में पाकिस्तान के लिए जासूसी करते हुए देश के कई भागों से 12 युवक युवतियों की गिरफ्तारी हुई है,जिन्होंने देश के साथ गद्दारी की है। ज्योति मल्होत्रा जैसी ट्रैवलर ब्लॉगर जासूस केवल संवैधानिक अपराधी ही नहीं बल्कि नैतिक रूप से राष्ट्रद्रोही है. उन्होंने कहा कि सैन्य विश्लेषको के अनुसार ऑपरेशन सिंदूर विश्व की 10 सबसे सटीक और साहसी सैन्य कार्यवाहीयों में सुमार हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर की स्मृति में सात आठ या नौ मई को सिंदूर संकल्प दिवस हर वर्ष उन वीरांगनावो को समर्पित होना चाहिए, जो देश की रक्षा हेतु अपने सिंदूर की आभा को रणभूमि का रक्त बना देती है।

पांच दिनों में 141 गिरफ्तारी, शराब व हथियार बरामद, लाखों का जुमार्ना वसूला

समस्तीपुर, प्रात: किरण संवाददाता

जिले में अपराध और अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए समस्तीपुर पुलिस सघन अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत बीते पांच दिनों में 20 मई तक तक पुलिस ने 141 लोगों को गिरफ्तार किया है। अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में शराब बरामद की गई है। इसमें 34.74 लीटर विदेशी शराब व 78.38 लीटर देसी शराब की बरामदगी की गई है। पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच अभियान भी चलाया गया, जिसमें कुल 140 वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वालों से तीन लाख 22 हजार 500 रुपए जुमार्ना वसूला गया। अवैध हथियार रखने वालों पर भी पुलिस ने कार्रवाई की। पांच दिनों में दो पिस्टल, एक देसी कट्टा, एक लाइसेंसी बंदूक, दस जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया गया। इसके अलावा एक बड़ी सफलता में पुलिस ने 951.342 ग्राम सोना भी बरामद किया है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपए आंकी गई है। अभियान के दौरान तीन बाइक, एक कार और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस की यह कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस का कहना है कि अपराध पर नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है, और इसके लिए जिले भर में सघन अभियान चलाए जा रहा है।

राजस्व विभाग में बिना पैसा के बिहार की जनता का एक भी काम नहीं होता है : मोहम्मद साहब मलिक

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर ।जनसुराज राज्य कौर कमिटी सदस्य सह बेगुसराय प्रभारी मोहमद साहब मालिक ने अपने बयान में कहा है कि सोमवार को मुंगेर पहुंचे राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने जनसुराज पार्टी के सूत्र धार प्रशांत किशोर को पैसा किशोर कह कर शायद बिहार के उन करोड़ों जनता का अपमान किया है शायद बयान देने के पहले इस बात को वे भूल गए कि उनके विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है बयान देने के पहले मंत्री को भी ये बात बताना चाहिए कि राजस्व विभाग में बिना पैसा के बिहार की जनता का कोई काम होता है क्या मंत्री को ये भी शायद पता नहीं है की उनके विभाग के सीओ.के ट्रांसफर पोस्टिंग का सौदा कितने करोड़ में होता है। सहिब मलिक ने ये भी आरोप मंत्री पर लगाया हैं कि आज पूरे बिहार में जमीन सर्वे के नाम पर मंत्री जी महीने में कितना पैसा राजस्व विभाग पहुंचाती है इसका खुल्लम खुल्ला उदाहरण हमारे नेता जब मुख्यमंत्री के गांव कल्याण बीघा में जाकर जनता से रूबरू होते है तो जनता कहती है के जमीन सर्वे के नाम पर राजस्व विभाग के कोई भी कर्मचारी बगैर पैसा लिए कोई भी काम करने को तैयार नहीं है शायद मंत्री जी को ये भी पता नहीं होगा जब प्रशांत किशोर जी कल्याण बीघा की भोली भाली जनता से मिल रहे थे तो तमाम जनता यही कह रह थी राजस्व विभाग में लूट मची है ।

संक्षिप्त खबरें

धोखाधड़ी करके नौकरी हासिल करने के आरोप में पांच सरकारी शिक्षक बर्खास्त

बलिया (उप्र)। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के विभिन्न सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्त पांच शिक्षकों को धोखाधड़ी करके नौकरी हासिल करने के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष सिंह ने बुधवार को बताया कि जिले के सोहांव प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक गुलाब चंद, सोनाडीह के कंपोजिट विद्यालय में कार्यरत शिक्षक दिलीप कुमार यादव, प्राथमिक विद्यालय त्रिकालपुर में कार्यरत शिक्षिका निवेदिता सिंह, प्राथमिक विद्यालय नसरथपुर में तैनात शिक्षिका खुशबू प्रजापति और स्थानांतरण के बाद फिलहाल अमेठी जिले में कार्यरत शिक्षिका स्निग्धा श्रीवास्तव को जांच के बाद मंगलवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में 69 हजार शिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा नियामक प्राधिकारी द्वारा 22 दिसम्बर 2018 तक ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे। अधिकारी ने बताया कि बर्खास्त किये गये शिक्षक आवेदन करते समय पद के लिए निर्धारित योग्यता नहीं रखते थे।

ईडी ने कर्नाटक के मंत्री से जुड़े सिद्धार्थ संस्थानों पर मारे छापे

तुमकुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज दोनों के परिसरों में छापेमारी की और जांच जारी है। दोनों ही संस्थान कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर से जुड़े हैं। आज सुबह करीब 9.30 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई में ईडी की पांच टीमें एक साथ दोनों संस्थानों पर जांच कर रही थीं। सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, जहां केवल वैध पहचान पत्र रखने वाले छात्रों को ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। छापेमारी के दौरान बाहरी और अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाई गई है। ईडी ने जांच की प्रकृति के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

बारामूला पुलिस ने भारी मात्रा में जब्त प्रतिबंधित पदार्थ किया नष्ट

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की बारामूला पुलिस ने बुधवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में करोड़ों रुपये मूल्य के प्रतिबंधित पदार्थ और नशीली दवाओं को नष्ट कर दिया। पुलिस ने बताया कि जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी बारामुला ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 52ए के तहत भारी मात्रा में जब्त नशीली दवाओं और मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया। पुलिस ने बताया कि उरी, क्रेरी, शीरी, बारामूला, बोनियार और पट्टन पुलिस स्टेशनों के 33 मामलों में जब्त प्रतिबंधित पदार्थों को नष्ट कर दिया गया। नष्ट किए गए पदार्थों में 1.270 किलोग्राम हेरोइन, 1.703 किलोग्राम चरस, 13 किलोग्राम पोस्त भूसा, 20.121 किलोग्राम गांजा, अल्प्राजोलम 0.5 मिलीग्राम 340 गोलियां, स्पास्मोप्रोक्सियन प्लस 68 कैप, कोरेक्स 54 बोतलें, 112 ग्राम, टस्किल-टी कोडीन पांच बोतलें और स्पास्मो टैबलेट की 10 स्ट्रिप शामिल हैं, जिनकी कीमत करोड़ों रुपये है। इन पदार्थों को कश्मीर स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली, आईजीसी लस्सीपोरा पुलवामा में एक पुलिस अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति की उपस्थिति में नष्ट कर दिया गया।

बोकारो में 16 वर्षीय छात्रा का गैंगरेप, पुलिस ने चारों आरोपियों को किया गिरफ्तार

बोकारो। झारखंड के बोकारो शहर में एक 16 वर्षीय छात्रा के साथ गैंगरेप की वारदात सामने आई है। पुलिस ने वारदात की एफआईआर दर्ज होने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार को चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और इन्हें अदालत में पेश करने के बाद जेल भेजने की तैयारी चल रही है। आरोपियों के नाम राकेश कुमार, दीपक कुमार, सूरज कुमार और विक्की कुमार हैं। ये सभी बोकारो के माराफारी थाना क्षेत्र अंतर्गत सरदार मोहल्ला के रहने वाले हैं। बताया गया है कि पीड़िता छात्रा चास स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में पढ़ती है। वह मूल रूप से झारखंड के रामगढ़ जिले की रहने वाली है। उसके माता-पिता बोकारो में रहकर दिहाड़ी पर काम करते हैं। छात्रा स्कूल में गर्मी की छुट्टी होने पर माता-पिता के पास बोकारो आई है। माराफारी थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार, छात्रा मंगलवार को अपने खराब मोबाइल की मरम्मत कराने जा रही थी। रास्ते में एक परिचित के घर वह पानी पीने गई। इसी दौरान चार लड़कों ने उसे दबोच लिया और मुंह दबाकर उसे एक कमरे में ले गए। दो लड़कों ने उसके साथ दुष्कर्म किया, जबकि दो अन्य कमरे के बाहर पहरा दे रहे थे। लड़कों ने उसे घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

अमृत भारत स्टेशन योजना ने बदला ओरछा और पुखरायां स्टेशन का स्वरूप, पीएम मोदी 22 मई को करेंगे उद्घाटन

प्रात: किरण/ एजेंसी

झांसी। भारत सरकार और रेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना के प्रथम फेज में चयनित और पुनर्विकसित स्टेशनों का लोकार्पण 22 मई को किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित 103 स्टेशनों का लोकार्पण संपन्न होगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत झांसी रेल मंडल के भी दो स्टेशनों का पुनर्विकास किया गया है।

दरअसल, ओरछा और पुखरायां स्टेशन को विकसित भारत की संकल्पना को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। ओरछा रेलवे स्टेशन को 6.5 करोड़ रुपए की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया गया है। इससे यहां के स्थानीय नागरिकों के साथ ही इस नगर में पूरी दुनिया से आने वाले पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं भी मिल सकेंगी। इस स्टेशन को ओरछा मंदिर की तर्ज पर डिजाइन किया गया है। यहां राजा राम और हनुमान जी की मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं। यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन के लिए सकुर्लेटिंग एरिया का विस्तार किया गया है। सकुर्लेटिंग एरिया की बाउंड्री वॉल पर रामायण के दृश्य को दर्शाया गया है। साइकिल और अन्य गाड़ियों के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। इसके अलावा, यहां पर टिकटिंग के लिए आधुनिक और सुविधाजनक टिकट काउंटर बनाए गए हैं और एटीवीएम की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यात्री प्रतीक्षालय को यात्रियों की सुविधा हेतु आधुनिक और आरामदायक बनाया गया है।

झांसी मंडल के डीआरएम दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि ओरछा और पुखरायां स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है। यात्रियों की सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन के लिए यहां सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। दिव्यांगजनों के लिए शौचालय और रैंप बनाए गए हैं। साथ ही अन्य यात्रियों के लिए पे-एंड-यूज टॉयलेट भी बनाए गए हैं। दोनों ही स्टेशनों में बदलाव दिखाई देगा, जो विकसित भारत की झलक को पेश करता है। बता दें कि पुखरायां रेलवे स्टेशन को 7.22 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है। इससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। इस पुनर्विकास कार्य के तहत स्टेशन के सकुर्लेटिंग क्षेत्र का विकास और जल निकासी में सुधार किया गया है। साथ ही मौजूदा स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार के अतिरिक्त एक वीआईपी कक्ष का प्रावधान, प्रतीक्षालय में सुधार, कवर ओवर प्लेटफॉर्म और प्लेटफॉर्म सरफेसिंग का विस्तार किया गया है।

छत्तीसगढ़ और झारखंड के शराब घोटाले के तार आपस में जुड़े, जांच में ईडी और सीबीआई की एंट्री तय

दरअसल, झारखंड में छत्तीसगढ़ की तर्ज पर ही शराब बिक्री की नई नीति वर्ष 2022 में अपनाई गई थी। झारखंड में लागू की गई नीति को जमीन पर उतारने के लिए बतौर कंसल्टेंट छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के साथ करार किया गया था। जांच में पाया गया है कि यहीं से गड़बड़ी की शुरूआत हुई। झारखंड में इस पॉलिसी को लागू करने में तत्कालीन एक्साइज सेक्रेटरी विनय चौबे और ज्वाइंट एक्साइज कमिश्नर गजेंद्र सिंह की बड़ी भूमिका रही है। इन दोनों अफसरों सहित सात लोगों के खिलाफ छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा (इओयू) में रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह की शिकायत पर पिछले साल एफआईआर दर्ज कराई गई थी।एफआईआर में दावा किया गया है कि छत्तीसगढ़ के एक सिंडिकेट ने झारखंड के अधिकारियों के साथ मिलकर राज्य की आबकारी नीति में बदलाव किया।

प्रात: किरण/ एजेंसी

रांची। झारखंड में करीब 100 करोड़ रुपए के शराब घोटाले की जांच में ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों की एंट्री हो सकती है। इस घोटाले में झारखंड के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को जिस सीनियर आईएएस विनय चौबे और ज्वाइंट एक्साइज कमिश्नर गजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है, वे छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले में भी आरोपी हैं।छत्तीसगढ़ के मामले में ईडी की जांच पिछले साल शुरू हुई है और इसी महीने वहां की सरकार ने इसकी जांच सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में हुए शराब घोटाले आपस में जुड़े हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ के बाद झारखंड से संबंधित मामले में भी दोनों एजेंसियों की एंट्री तय मानी जा रही है।

दरअसल, झारखंड में छत्तीसगढ़ की तर्ज पर ही शराब बिक्री की नई नीति वर्ष 2022 में अपनाई गई थी। झारखंड में लागू की गई नीति को जमीन पर उतारने के लिए बतौर कंसल्टेंट छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के साथ करार किया गया था। जांच में पाया गया है कि यहीं से गड़बड़ी की शुरूआत हुई।

झारखंड में इस पॉलिसी को लागू करने में तत्कालीन एक्साइज सेक्रेटरी विनय चौबे और ज्वाइंट एक्साइज कमिश्नर गजेंद्र सिंह की बड़ी भूमिका रही है। इन दोनों अफसरों सहित सात लोगों के खिलाफ छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा (इओयू) में रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह की शिकायत पर पिछले साल एफआईआर दर्ज कराई गई थी।एफआईआर में दावा किया गया है कि छत्तीसगढ़ के एक सिंडिकेट ने झारखंड के अधिकारियों के साथ मिलकर राज्य की आबकारी नीति में बदलाव किया, ताकि शराब आपूर्ति के ठेके सिंडिकेट के सदस्यों को मिल सकें। आरोप है कि इस सिंडिकेट ने बिना हिसाब-किताब के घरेलू शराब को फर्जी होलोग्राम के साथ बेचा और कुछ विशेष कंपनियों को विदेशी शराब अवैध रूप से प्रदान कर करोड़ों रुपए की अवैध कमाई की।एफआईआर के अनुसार, झारखंड के आईएएस विनय चौबे और संयुक्त आबकारी आयुक्त गजेंद्र सिंह ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समर्थन से टेंडर के नियमों में संशोधन किया और ऐसे टर्नओवर की शर्त जोड़ी गई, जिससे यह ठेके सिंडिकेट को ही मिल सकें।इस पॉलिसी के कारण झारखंड सरकार के खजाने को 2022 से 2023 के बीच भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाने की साजिश की गई।इस मामले में आरोपी बनाए गए अन्य लोगों में छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, व्यवसायी अनवर ढेबर, छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम के पूर्व प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी, आईएएस अधिकारी और छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास, अरविंद सिंह और नोएडा के व्यवसायी विधु गुप्ता के नाम शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ इओयू में झारखंड मामले को लेकर की गई इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने पिछले साल ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसके बाद ईडी ने झारखंड के सीनियर आईएएस विनय चौबे और ज्वाइंट एक्साइज कमिश्नर गजेंद्र सिंह के झारखंड स्थित ठिकानों पर अक्टूबर 2024 में छापेमारी भी की थी। एजेंसी ने इनके ठिकानों से आईफोन और कई डिजिटल साक्ष्य जब्त किए थे।

इस मामले में नया मोड़ तब आया, जब झारखंड के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने राज्य सरकार की अनुमति से पीई (प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी) दर्ज कर जांच शुरू की। 20 मई को एसीबी ने इस केस में झारखंड के तत्कालीन एक्साइज सेक्रेटरी विनय चौबे और ज्वाइंट एक्साइज कमिश्नर गजेंद्र सिंह से लगभग साढ़े छह घंटे तक पूछताछ की। घोटाले में संलिप्तता पाए जाने के बाद एसीबी ने उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की और गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

संभल के प्रमुख चौराहों पर प्रतिमाएं लगाये जाने का प्रस्ताव पारित, विधायक ने की आलोचना

प्रात: किरण/ एजेंसी

संभल। संभल नगर पालिका ने शहर के मुख्य चौराहों पर कुछ चुनिंदा हस्तियों की प्रतिमाएं लगाने का प्रस्ताव पारित किया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के क्षेत्रीय विधायक इकबाल महमूद ने इसकी आलोचना की है।संभल नगर पालिका के वार्ड संख्या 18 से भारतीय जनता पार्टी की पार्षद चंचल सनी गुप्ता ने बुधवार को बताया कि हाल ही में नगर पालिका की बैठक में उन्होंने शहर के प्रमुख चौराहों पर प्रतिमाएं लगाने का प्रस्ताव रखा था। इनमें चंदौसी चौराहे पर पृथ्वीराज चौहान, शंकर चौराहे पर भगवान परशुराम, सद्भावना पार्क के पास माता अहिल्याबाई होल्कर, मोहल्ला ढेर पार्क में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और नखासा चौराहे के पास पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमाएं लगाये जाने का प्रस्ताव शामिल था।गुप्ता ने बताया कि बोर्ड ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर दिया है और तीन प्रतिमाओं पर काम शुरू हो चुका है। उनके अनुसार सम्राट पृथ्वीराज चौहान, भगवान परशुराम और माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमाएं पहले लगाई जाने की उम्मीद है। हालांकि, संभल सदर सीट से सपा के विधायक इकबाल महमूद ने इस फैसले की आलोचना की है। महमूद ने संवाददाताओं से कहा कि वह मूर्तियां लगाये जाने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन उच्चतम न्यायालय ने मूर्तियों की स्थापना पर रोक लगायी है अतः चौराहों पर मूर्तियां लगाना अदालत के आदेश की अवहेलना होगा।महमूद ने कहा, ''मैंने उच्चतम न्यायालय के आदेश की एक प्रति जिलाधिकारी कार्यालय को भेज दी है ताकि उन्हें किसी भी तरह की मुश्किल का सामना न करना पड़े। मेरी आपत्ति मूर्तियों पर नहीं बल्कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के संभावित उल्लंघन को लेकर है। सपा विधायक इकबाल महमूद के विरोध के बारे में पूछे जाने पर पार्षद चंचल सनी गुप्ता ने कहा, एक बार नगर निगम बोर्ड ने प्रस्ताव पारित कर दिया है तो विधायक उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते। संभल नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी ने पुष्टि की कि प्रतिमा स्थापना का प्रस्ताव नगर पालिका बोर्ड ने पारित कर दिया है और इस पर चरणबद्ध तरीके से काम हो रहा है। उच्चतम न्यायालय के आदेश को लेकर सपा विधायक की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर तिवारी ने आश्वासन दिया कि प्रतिमा स्थापना का काम नियमानुसार किया जाएगा।

बिहार के सभी प्रखंडों में बनेगा कोल्ड स्टोरेज और गोदाम : सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार

प्रात: किरण/ एजेंसी

पूर्णिया। बिहार के सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने पूर्णिया में प्रमंडलीय स्तर की विभागीय समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी प्रखंडों में कोल्ड स्टोरेज और गोदाम बनाए जाएंगे।उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग पैक्स के माध्यम से किसान, बुनकर और महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि बिहार में बड़े पैमाने पर सब्जी की खेती होती है, मगर 30 प्रतिशत सब्जी बर्बाद हो जाती है। सरकार बिहार के सब्जी उत्पादकों को बेहतर उत्पादन और बाजार तक पहुंचाने के लिए प्रखंड और पंचायत स्तर पर काम कर रही है।मंत्री प्रेम कुमार ने सब्जियों के निर्यात और विपणन को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में बड़ी संख्या में किसान सब्जी उत्पादन करते हैं, लेकिन उन्हें सही बाजार नहीं मिल पाता है। बिहार के 534 प्रखंडों में से 460 प्रखंडों में प्रखंड स्तरीय सहयोग समिति का गठन किया जा चुका है। प्रखंड स्तर पर 10,000 वर्ग फीट क्षेत्रफल का चयन किया जा चुका है, जिसमें 10 टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज और 20 टन की क्षमता वाले गोदाम का निर्माण कराया जाएगा। इसका निर्माण कार्य शुरू भी हो चुका है।उन्होंने कहा कि जलवायु और मिट्टी के आधार पर डेटा तैयार किया जा रहा है। पूर्णिया जिले में परवल और मिर्च का ज्यादा उत्पादन हो रहा है। विभाग बिहार में सब्जियों के उत्पादन और खपत पर भी आंकड़ा जुटा रहा है। सब्जियों के खपत से ज्यादा सब्जियों के उत्पादन की स्थिति में देश के अन्य राज्यों में भेजने की योजना बनाई जा रही है। देश के कई ऐसे राज्य हैं जहां परवल या कई अन्य तरह की सब्जियों की उपज नहीं होती है। बिहार के किसानों को इससे न केवल अच्छा बाजार मिल सकेगा, बल्कि उत्पाद के अच्छे मूल्य भी मिल सकेंगे।

कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर से जुड़े कॉलेजों में पहुंची ईडी टीम, छापेमारी जारी

प्रात: किरण/ एजेंसी

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय की टीम बुधवार को कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोना तस्करी मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर के स्वामित्व वाले सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज पर छापेमारी करने पहुंची है। यह छापेमारी सुबह 9:00 बजे से चल रही है। इस छापेमारी के लिए जांच एजेंसी की तरफ से पांच टीमों का गठन किया गया है। टीम छापेमारी के दौरान कॉलेज से संबंधित वित्तीय दस्तावेजों की भी जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, छापेमारी के दौरान कॉलेज परिसर में अभी सिर्फ छात्रों को ही अंदर जाने की इजाजत है और अन्य किसी भी व्यक्ति के कॉलेज परिसर में आने पर पाबंदी लगाई गई है।बताया जा रहा है कि ईडी जांच के दौरान अभिनेत्री रान्या राव और जी परमेश्वर से जुड़े मेडिकल कॉलेज के बीच पैसे के लेन-देन का पता चली। इसी को देखते हुए रेड डाली गई है। फिलहाल ईडी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि ईडी यह छापेमारी अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोना तस्करी मामले में कर रही है। अभिनेत्री को 3 मार्च को सोना तस्करी मामले में बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था।

लेकिन, अब उन्हें स्पेशल कोर्ट की तरफ से जमानत मिल चुकी है। जमानत देते वक्त कोर्ट की तरफ से कुछ शर्तें भी लगाई गई हैं। अभिनेत्री से कहा गया है कि वे देश नहीं छोड़ सकती हैं। अगर वे ऐसा करती हैं, तो उनकी जमानत रद्द की जा सकती है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान अभिनेत्री के पास से 14.8 किलोग्राम सोना भी बरामद किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 को भोपाल आएंगे, तैयारी में जुटी सरकार और भाजपा

प्रात: किरण/ एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल आ रहे हैं। वे यहां होल्कर राजवंश की देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में दो लाख महिलाओं को संबोधित करेंगे। इस आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं और राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने जंबूरी मैदान का जायजा लिया तथा अधिकारियों से आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की।राज्य में देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में राज्य सरकार की ओर से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 31 मई को 300वीं जयंती के मौके पर राजधानी के जंबूरी मैदान में भव्य कार्यक्रम होने वाला है। इस कार्यक्रम की तैयारी राज्य सरकार और भाजपा संगठन ने शुरू कर दी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि जंबूरी मैदान में महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिस्सा लेंगे और इस कार्यक्रम में स्व सहायता समूहों से जुड़ी हुई लगभग 2 लाख महिलाएं हिस्सा लेंगी। यह आयोजन अपने आप में एक कीर्तिमान होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हमारी बहनें दीदी लखपति बनें और बड़ी संख्या में बहनें लखपति दीदी भी बन रही हैं। भोपाल में होने वाले आयोजन में 350 समूह से जुड़ी बहनें भाग लेंगी, जो उद्यम के क्षेत्र में अलग-अलग काम कर रही हैं। उनके अपने कामों का भी प्रदर्शन यहां किया जाएगा। यहां बड़ी संख्या में प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रधानमंत्री का संकल्प है, जिसमें उन्होंने महिला, किसान, युवा और गरीब चारों स्तंभों की बात की है। ऐसे में बहनों को लेकर अहिल्याबाई की जयंती से अच्छा कौन सा अवसर हो सकता है। सीएम मोहन यादव ने आगे कहा कि मध्य प्रदेश में बहन-बेटियों को लेकर सरकार संवेदनशील है, भावना है और सरकार ने जो अपने कामों के बल पर यह विश्वास बनाया है कि हम नर और नारी में जो अंतर महसूस नहीं करते हैं, उसका प्रदर्शन करते हुए यह कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इस आयोजन के लिए भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी लगा हुआ है। यहां पिछले साल ग्लोबल इन्वेस्टर समिट आयोजित की थी, औद्योगीकरण का अभियान चलाया था, उसका विश्व स्तर पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी तरह का कार्यक्रम बहनों को जोड़कर अहिल्या माता की जयंती पर करने की तैयारी चल रही है। इस मौके पर विभिन्न प्रदर्शनी भी लगाई जा रही हैं, साथ में विभागों की भी प्रदर्शनी लगेगी।

गडकरी ने मलप्पुरम में राजमार्ग-66 के एक हिस्से के ध्वस्त होने की जांच का आश्वासन दिया : बशीर

प्रात: किरण/ एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के लोकसभा सदस्य ई टी मोहम्मद बशीर ने बुधवार को कहा कि केरल के मलप्पुरम जिले में कूरीयाड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-66 के एक हिस्से के ध्वस्त हो जाने की घटना की केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पूर्ण जांच कराने का आश्वासन दिया है।इस घटना के विरोध में मलप्पुरम में युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित विरोध मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गयी थी।बशीर ने बताया कि उन्होंने इस मामले की गंभीरता को लेकर नई दिल्ली में बुधवार को केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।

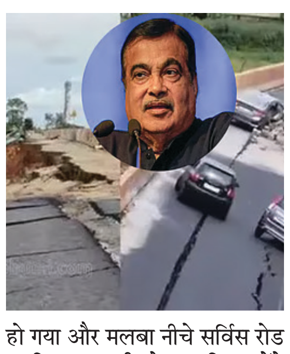

बशीर ने एक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से बताया कि गडकरी ने घटना के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भी आश्वासन दिया हैं। यह घटना सोमवार दोपहर को हुई थी, जिसमें कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और त्रिशूर से कोझिकोड के बीच यातायात प्रभावित हो गया था। राजमार्ग 66 के एक हिस्से का ऊंचा भाग ध्वस्त हो गया और मलबा नीचे सर्विस रोड पर गिर गया।बशीर ने कहा कि उन्होंने मंत्री को बताया कि यह दुर्घटना निर्माण क्षेत्र में हुई और यात्री एक बाल-बाल बच गए। पोन्नानी के सांसद ने इमारत ढहने के लिए खराब निर्माण कार्य को जिम्मेदार ठहराया। बशीर ने कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) पर इन घटनाओं को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाया। उन्होंने मंत्री से अनुरोध किया कि इस परियोजना में निर्माण कार्य में हुई गड़बड़ियों की जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित की जाए। उन्होंने कहा कि कासरगोड से लेकर तिरुवनंतपुरम तक इस राजमार्ग के कई हिस्सों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जो राज्यव्यापी चिंता का विषय है।उन्होंने यह भी कहा कि केरल के भौगोलिक स्वरूप और मानसून को ध्यान में रखकर निर्माण कार्य किया जाना चाहिए।

इस बीच, राजमार्ग 66 के हिस्से के ढहने की घटना के विरोध में बुधवार को मलप्पुरम में युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उस कंपनी के खिलाफ किया गया जो प्रभावित क्षेत्र में निर्माण कार्य कर रही थी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। पुलिस द्वारा रोके जाने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई और झड़प में युवा कांग्रेस नेता अबिन वर्की समेत कई कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया।घटना को लेकर कांग्रेस और स्थानीय लोगों ने राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की है। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्यभर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया।मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस घटना को ह्यह्यदुर्भाग्यपूर्णह्लह्ल करार दिया और कहा कि यह मामला एनएचएआई के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में सुरक्षित निर्माण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

एजीटीएफ ने एक लाख रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया

प्रात: किरण/ एजेंसी

जयपुर। राजस्थान पुलिस के गैंगस्टर रोधी कार्यबल (एजीटीएफ) ने एक लाख रुपये के इनामी गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ साल पहले बहरोड थाने पर अत्याधुनिक हथियारों से हमला कर हवालात में बंद गैंगस्टर विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को भगाने के मामले में फरार राजवीर गुर्जर को हरियाणा के रेवाड़ी से गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि राजवीर की गिरफ्तारी पर पुलिस मुख्यालय से एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। वह हरियाणा में महेंद्रगढ़ खैरोली थाना क्षेत्र का रहने वाला है। अतिरिक्त महानिदेशक (एजीटीएफ) दिनेश एमएन ने बताया कि पांच-छह सितंबर 2019 की दरमियानी रात हरियाणा के गैंगस्टर विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को बहरोड़ थाना पुलिस ने एक कार एवं 31.90 लाख रुपये नकद सहित गिरफ्तार किया था।उन्होंने बताया कि अगले दिन गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा सहित अन्य 30 से अधिक बदमाश एके-47 एवं अन्य अत्याधुनिक हथियारों के साथ बहरोड़ थाने पर हमला कर हवालात में बंद पपला गुर्जर को छुड़ाकर ले गए थे। अधिकारी ने बताया कि इस घटना के 17 महीने बाद 27-28 जनवरी 2021 को पुलिस की विशेष टीम ने विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को उसकी महिला मित्र जिया के साथ महाराष्ट्र के कोल्हापुर से गिरफ्तार किया था।

भारत-बांग्लादेश मैत्री सेतु के खुलने की उम्मीद है: चौधरी

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और बांग्लादेश को जोड़ने वाली फेनी नदी पर मैत्री सेतु को चालू किया जाएगा।दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम को बांग्लादेश के रामगढ़ से जोड़ने वाली 133 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का उद्घाटन मार्च, 2021 में किया गया था, लेकिन अभी तक इसका संचालन संभव नहीं हो पाया है। लगभग 1.9 किलोमीटर लंबा यह पुल चटगांव बंदरगाह से 72 किलोमीटर दूर स्थित है। माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य चौधरी ने कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति के कारण उन्हें इस मामले पर दोनों देशों के बीच बातचीत की कोई संभावना नहीं दिखती। उन्होंने मंगलवार को सबरूम में संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यपड़ोसी देश की मौजूदा स्थिति पुल को चालू करने के लिए नुकसानदायक हो सकती है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि भविष्य में इसे खोल दिया जाएगा। लेकिन फिलहाल, मुझे इस मामले पर दोनों देशों के बीच बातचीत की कोई संभावना नहीं दिखती। माकपा नेता ने इस मामले में भाजपा के राज्य नेतृत्व पर उदासीन रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का राज्य नेतृत्व, केंद्र को इस पुल के महत्व का एहसास कराने में विफल रहा है।

कोलकाता के आसमान में ड्रोन जैसी वस्तुएं दिखीं, पुलिस ने जांच शुरू की

प्रात: किरण/ एजेंसी

कोलकाता। हाल में कोलकाता में रात के समय आसमान में ड्रोन जैसी कई वस्तुएं मंडराती हुई देखी गईं, जिसके बाद पुलिस ने जासूसी की आशंका सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि सोमवार रात को हेस्टिंग्स क्षेत्र, विद्यासागर सेतु और मैदान के ऊपर कम से कम आठ से 10 ऐसी संदिग्ध वस्तुएं उड़ती हुई पाई गईं। गायब होने से पहले ये वस्तुएं महानगर के पूर्वी हिस्से में पार्क सर्कस क्षेत्र के ऊपर भी देखी गईं।राज्य प्रशासन के एक वरिष्ठ नौकरशाह ने बताया कि केंद्र ने भी इस घटना पर पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है। एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि कोलकाता के ऊपर ड्रोन देखे जाने की सूचना मिली है और फिलहाल इसकी जांच की जा रही है।उन्होंने एक बयान में कहा, इस घटना की सत्यता का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हेस्टिंग्स पुलिस थाने के कर्मियों ने सबसे पहले ड्रोन जैसी नजर आने वाली इन उड़ती हुई वस्तुओं को देखा। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ये ड्रोन जैसी वस्तुएं सोमवार देर रात दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला की दिशा से उड़ती देखी गईं।

कुछ इस तरह की कुणाल शर्मा ने मकाम के लिए तैयारी

बॉलीवुड एक्टर कुणाल शर्मा अपनी आने वाली एक्शन-ड्रामा फिल्म मकाम में विक्रम रानवाल का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। फिल्म की शूटिंग कोलकाता, मुंबई, पुणे और हैदराबाद में की गई। कुणाल लगभग हर शूटिंग शेड्यूल का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा, मैं विक्रम रानवाल का किरदार निभा रहा हूं, जिसे अंडरग्राउंड फाइटिंग सर्किट में किंग ऑफ द रिंग के नाम से जाना जाता है। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं बहुत खुश हुआ... लेकिन थोड़ा डर भी लगा। इस किरदार के लिए बड़ी और मजबूत बॉडी चाहिए थी। लेकिन, मेरे पास ज्यादा समय और पैसे नहीं थे, इसलिए पर्सनल ट्रेनर रखना मुश्किल था। उन्होंने आगे कहा, ऐसे में मेरे इंजीनियरिंग दिमाग ने बहुत मदद की। मैंने खुद ही फिटनेस ट्रेनर और न्यूट्रिशन का कोर्स किया। मैं थ्योरी पढ़ता और फिर उसे अपने शरीर पर आजमाता था। कुणाल ने खुद से सीखकर, बिना किसी ट्रेनर के अपनी बॉडी बनाई। उन्होंने पढ़ाई और मेहनत दोनों का इस्तेमाल किया और खुद को किरदार के रूप में ढाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, विक्रम के अंदर की दुनिया को समझना, उसके जज्बात, सोच और दर्द को महसूस करना। मैं असल में एमएमए (मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स) फाइटर नहीं हूं और फिल्म के क्लाइमेक्स में 10-12 मिनट लंबी रिंग फाइट है। कुणाल ने कहा कि एमएमए को पूरी तरह सीखने का वक्त नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने शरीर की मुद्रा, खड़े होने का तरीका और दुनियाभर की फिल्मों में दिखाए गए एमएमए को ध्यान से देखा और सीखा। इसमें उन्होंने टीम की भी मदद ली। लेकिन, ये सब करते हुए उनके शरीर पर काफी असर पड़ा, बावजूद इसके उन्होंने हार नहीं मानी। एक्टर ने कहा, मुझे चोटें आईं, कुछ हड्डियां भी टूट गईं और क्लाइमेक्स की फाइट के बाद मुझे ठीक होने में 4 से 6 हफ्ते लगे। लेकिन, जब फिल्म का ट्रेलर आया और लोगों ने मेरी तारीफ करनी शुरू की, तो सारा दर्द गायब हो गया।

कुणाल ने हवाई फाइव-0, प्रिजन ब्रेक जैसी फिल्मों और शोज में काम किया है। उन्होंने द किड्स आर ऑल राइट नाम की फिल्म में भी काम किया है, जिसे लीसा चोलोडेंको ने डायरेक्ट किया था। इसमें एक समलैंगिक कपल को दो बच्चों की परवरिश करते हुए दिखाया गया है।

सोशल मीडिया के शोर और निगेटिविटी को मैं नजरअंदाज करना पसंद करती हूं

निमरत कौर इन दिनों अपनी सीरीज कुलः द लीगेसी ऑफ द रायसिंघ्स की वजहों से सुर्खियों में हैं। इस सीरीज में वो रानी का किरदार निभा रही हैं। हाल में उन्होंने अपनी एक्टिंग जर्नी पर बातचीत की है।

कुल के बारे में कुछ बताइए?

मेरे लिए रानी इंद्राणी राय सिंह का किरदार काफी मधुर रहा है। ऐसी जिंदगी असल में हम कहां जीते हैं। मैं तो किसी को जानती भी नहीं हूं, जो रॉयल्टी वाली लाइफ जी रहा ही होगा। मुझे स्क्रिप्ट लेवल पर ही ये कहानी काफी आकर्षक लगी थी। इस किरदार की जैसी शुरुआती होती है और वो बाद में जैसी निखरकर आती है, वो अपने आप में दमदार है। 8 एपिसोड की सीरीज में रानी इंद्राणी बहुत सारी लाइफ जीती हैं। ये वो कहानी है, जिसे सुनकर मैं सेट पर जाने के लिए बैचेन थी।

इरफान खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे बताइए?

मैं इरफान सर से पहली बार फिल्म द लंचबॉक्स की स्क्रिप्ट रीडिंग पर मिली थी। वो बहुत चुप रहते थे तो हमारी बहुत बात नहीं हुई। प्रॉपर मिलना और बातचीत फिल्म के सेट पर हुई। इरफान का काम देखकर बहुत कुछ सीखा। उनमें एक जादू था।

आपका एम्बिशन क्या हैं?

मुझे फिल्मों के जॉनर बहुत रोमांचक लगते हैं। जैसे रोमांटिक कॉमेडी, हॉरर। हॉरर को बिल्कुल पसंद नहीं करती हूं। मुझे समझ नहीं आता कि पैसे देकर लोग क्यों डरेंगे। मुझे बहुत डर लगता है लेकिन मैं हॉरर फिल्म में करना चाहूंगी। कोई अच्छी हॉरर फिल्म की स्क्रिप्ट आएगी तो मेरे लिए काफी इंटरेस्टिंग रहेगा। बायोग्राफी जो आप करना चाहती हैं? में अमृता प्रीतम का किरदार करना चाहूंगी। मुझे लगता है कि अगर कभी ये कहानी बनी और मुझे रोल मिला तो मैं उसे दिल से निभाऊंगी।

आप ट्रोलर्स और निगेटिविटी से कैसे निपटती हैं?

मैं इन चीजों पर ज्यादा ध्यान नहीं देती हूं। सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का ही एक्सटेंशन हैं और मैं इसे मानती हूं। लेकिन मैं ये तय करती हूं कि अपने ऊपर मैं इसका ज्यादा असर न होने दूं। अगर मैं तारीफ को भी बहुत ज्यादा दिल से ले लूं तो मुझे लगने लगेगा कि मेरे आगे तो कोई है ही नहीं। ठीक वैसे ही, अगर मैंने बेकार कमेंट या निगेटिविटी को दिल से लगा लिया तो अगले दिन मैं उठकर क्या करूंगी। लाइफ में आगे कैसे बढ़ूंगी। सोशल मीडिया के फायदे को सही इस्तेमाल करने में मेरा यकीन है। सोशल मीडिया के शोर और निगेटिविटी को मैं नजरअंदाज करना पसंद करती हूं। अगर मैं उस पर ध्यान दूंगी तो उनकी जीत होगी। मैं नहीं चाहती कि निगेटिविटी की कभी भी जीत हो।

बकेट लिस्ट में कोई एक्टर हैं, जिनके साथ काम करना चाहती हैं?

मेरी बकेट लिस्ट में जितने लोग थे, मैंने सबके साथ काम कर लिया है। अब मैंने जिनके साथ काम नहीं किया, उन सबके साथ काम करना चाहूंगी। मेरी ऐसी कोई ख्वाहिश नहीं।

कोई किरदार जिससे निकलने में आपको बहुत दिक्कत हुई हो?

फिल्म द लंच बॉक्स का किरदार मेरे लिए खास रहा था। मैंने उस रोल के लिए कई महीनों तक तैयारी की थी। इला के किरदार के लिए मैंने खुद को सोशली आइसोलेट कर लिया था। मेरी पहली फिल्म थी तो मैं उस रोल को शिद्दत से करना चाहती थी। उस किरदार से निकलने में मुझे दुख हुआ। मुझे लग रहा था कि इला की दुनिया कितनी प्यारी और सिंपल सी थी। इससे निकलने में मुझे थोड़ा समय लग गया। मुझे यह देख कर काफी अच्छा लगा था कि लोगों को मेरा किरदार पसंद भी आया।

'वॉर 2' के चलते अटका जूनियर एनटीआर की इस फिल्म का अपडेट

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर फैंस को 'वॉर 2' को लेकर एक बड़ा तोहफा मिलने वाला है। ऐसी उम्मीद है कि मेकर्स फिल्म का टीजर जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर जारी कर सकते हैं। जिसको लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अब जूनियर एनटीआर के फैंस के लिए एक और खबर भी सामने आ रही। इस खबर से जूनियर एनटीआर के फैंस थोड़ा निराश जरूर हो सकते हैं। क्योंकि उन्हें अब एनटीआर का डबल धमाका इस बार देखने को नहीं मिलेगा। ये तो तय है कि 20 मई को जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर फैंस को 'वॉर 2' से जुड़ा एक बड़ा तोहफा मिलने वाला है। उम्मीद है कि ये तोहफा फिल्म का टीजर होगा। लेकिन एनटीआर के फैंस 'वॉर 2' के साथ-साथ उनकी एक और अनटाइटल्ड फिल्म के अपडेट का भी इंतजार कर रहे थे। इस फिल्म को अभी एनटीआर-नील के नाम से जाना जा रहा है। लेकिन अब इस फिल्म के मेकर्स ने फैंस को निराश कर दिया है। एनटीआर-नील की टीम ने 'वॉर 2' को देखते हुए फैसला किया है कि वो फिल्म को लेकर कोई नई अपडेट साझा नहीं करेंगे। एनटीआर-नील के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी एनटीआर-नील के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फैंस के लिए एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में मेकर्स ने लिखा, फैंस हम जानते हैं कि आप उस व्यक्ति का जश्न मनाने के लिए कितने उत्सुक हैं जिसने हमें खुश होने के अनगिनत कारण दिए हैं। 'वॉर 2' के कंटेंट के रिलीज होने के साथ, हमने महसूस किया कि इसे पूरा मौका देना चाहिए। इसलिए एनटीआर-नील मास फिल्म की झलक को बाद के लिए बचाकर रखना सबसे अच्छा है। हम इस साल के जन्मदिन का जश्न पूरी तरह से 'वॉर 2' के साथ मना रहे हैं। एनटीआर और प्रशांत नील की फिल्म का टाइटल अभी तक तय नहीं हुआ है। हालांकि, इसका नाम 'ड्रैगन' होने की चर्चाएं हैं।

चिरंजीवी की फिल्म में हुई नयनतारा की एंट्री

मेगा स्टार चिरंजीवी की फिल्मों का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। इन दिनों चिरंजीवी निर्देशक अनिल रविपुडी की फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं, जिसकी कास्टिंग पर काम चल रहा है। इस फिल्म को अभी 'मेगा157' के नाम से बुलाया जा रहा है। अब इस फिल्म में साउथ की फीमेल सुपरस्टार की एंट्री हो गई है। जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है।

तेलुगु सिनेमा में नयनतारा की वापसी

चिरंजीवी की 'मेगा157' को लेकर मेकर्स ने एक बड़ी घोषणा की है। मेकर्स ने फिल्म की लीड एक्ट्रेस का चयन कर लिया है। ये लीड एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि साउथ की फीमेल सुपरस्टार कही जाने वाली अभिनेत्री नयनतारा हैं। इस फिल्म के जरिए नयनतारा तेलुगु सिनेमा में वापसी कर रही हैं। नयनतारा के फिल्म में शामिल होने की घोषणा मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए की। निर्देशक अनिल रविपुडी ने नयनतारा की फिल्म में एंट्री करने की घोषणा करते हुए एक प्रोमो एक्स पर साझा किया।

चिरंजीवी के साथ नयनतारा की तीसरी फिल्म

मेकर्स की इस पोस्ट को चिरंजीवी ने री-शेयर करते हुए लिखा, हैट्रिक फिल्म के लिए स्वागत है नयनतारा। दरअसल, चिरंजीवी के साथ ये नयनतारा की तीसरी फिल्म है। इससे पहले नयनतारा और चिरंजीवी की जोड़ी 2019 में 'सई रा नरसिम्हा रेड्डी' और 2022 में आई 'गॉडफादर' में नजर आ चुकी है। इस फिल्म को निर्देशक अनिल रविपुडी की पिछली फिल्मों की तरह कॉमेडी-एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है।

नंदमुरी बालकृष्ण 'बिग बॉस 9' तेलुगू वर्जन को नहीं करेंगे होस्ट?

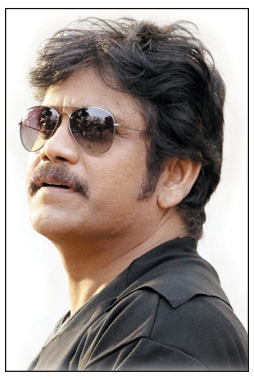

रियालिटी शो 'बिग बॉस' सिर्फ हिंदी में ही पॉपुलर नहीं है, कई और भारतीय भाषाओं में भी यह शो आता है। 'बिग बॉस' के तेलुगू वर्जन को काफी समय से नागार्जुन अक्किनेनी होस्ट कर रहे हैं। होस्ट के तौर पर दर्शक उन्हें काफी पसंद करते हैं। हाल ही में खबर आई थी, उन्हें शो में नंदमुरी बालकृष्ण रिप्लेस करने वाले हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।

नागार्जुन अक्किनेनी छह साल से बने हैं होस्ट

नागार्जुन अक्किनेनी दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय करने के अलावा 'बिग बॉस' के तेलुगू वर्जन को भी होस्ट कर रहे हैं। वह पिछले छह साल से इस शो के होस्ट हैं। हाल ही में खबर आई थी कि वह 'बिग बॉस 9' तेलुगू वर्जन को होस्ट नहीं करेंगे। नागार्जुन की जगह पहले विजय देवरकोंडा का नाम सामने आया, फिर बालकृष्ण नंदमुरी का नाम होस्ट के तौर पर सामने आया था। ओटीटी प्ले की एक खबर के अनुसार नंदमुरी भी इस शो को होस्ट नहीं कर रहे हैं।

कौन होगा इस बार का होस्ट

'बिग बॉस 9' तेलुगू वर्जन में नागार्जुन अक्किनेनी ही होस्ट के तौर पर वापसी करेंगे। कहा जा रहा है कि उन्होंने अपना कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू कर लिया है। इस बार उन्होंने तेलुगू वर्जन 'बिग बॉस 9' को होस्ट करने के लिए बड़ी रकम ली है।

प्रतियोगी के तौर पर ये लोग आएंगे नजर

'बिग बॉस 9' के तेलुगू वर्जन में एक्टर्स के अलावा यूट्यूबर भी शामिल हो सकते हैं। खबर के अनुसार एक नामी यूट्यूबर बमचिक बबलू इस बार इस शो का हिस्सा बन सकते हैं, वैसे इस बारे में अभी शो के मेकर्स की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

कमल हासन के साथ किसिंग सीन से चर्चा में तृषा, एक्ट्रेस के अफेयर से सगाई टूटने तक का सफर

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म ठग लाइफ का हाल ही में ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस फिल्म में एक सीन देख कर नेटिजंस भड़क गए हैं। इस सीन में अभिनेत्री तृषा कृष्णन और अभिनेता कमल हासन के बीच रोमांटिक सीन दिखाया गया है, जिसमें दोनों के बीच किसिंग सीन को फिल्माया गया है। इस कारण से सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। आइए जानते हैं तृषा कृष्णन के बारे में कि वो कब-कब चर्चाओं में रहीं।

दलपति विजय के साथ अफेयर

साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन और साउथ सुपरस्टार दलपति विजय के अफेयर्स की खूब चर्चाएं हुई थीं। विजय और तृषा को पहली बार साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म घिल्ली में देखा गया था, जो एक शानदार फिल्म साबित हुई थी। इसके बाद भी दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। साल 2008 के बाद दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें सामने आईं। इसी के बाद लगभग 15 सालों तक दोनों ने साथ में कोई फिल्में नहीं कीं। इसके बारे में मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा के साथ काम करने के लिए मना किया था। हालांकि, 15 सालों बाद 2024 में दोनों लियो फिल्म में फिर एक साथ नजर आए। इसके अलावा अभिनेत्री ने उन्हें 2024 में अलग अंदाज में बर्थडे विश किया था, जिसने कई अफवाहों को फिर से तूल दे दी थी।

राणा दग्गुबाती के साथ चली थी लव स्टोरी

अभिनेता और फिल्म निर्माता राणा दग्गुबाती के साथ भी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के अफेयर की खबरें सामने आईं थीं। यह अफवाह इतनी फैली कि उनके फैंस को लगा कि ये दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्तों की आधिकारिक घोषणा नहीं की थीं, लेकिन सार्वजनकि तौर पर उनकी गतिविधियां बहुत कुछ बयां कर देती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर के साथ एक इंटरव्यू में करण ने राणा दग्गुबाती से तृषा कृष्णन के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा, तो अभिनेता ने स्वीकार किया कि वे डेटिंग कर रहे थे। हालांकि, उनके बीच चीजें ठीक नहीं रहीं, इस वजह से वो अलग हो गए थे।

चेन्नई के एक व्यवसायी से की सगाई

कहा जाता है राणा दग्गुबाती से ब्रेकअप के बाद अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने साल 2015 में चेन्नई के एक व्यवसायी वरुण मनियन से सगाई कर ली थी। हालांकि, बाद में अभिनेत्री की सगाई टूट गई थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कहा गया कि वरुण के पिता अपने बेटे की शादी तृषा से करने के फैसले के खिलाफ थे, क्योंकि वह चाहते थे कि उनके परिवार में समान पृष्ठभूमि से कोई बहू आए। हालांकि, एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी सगाई इसलिए टूटी, क्योंकि वरुण उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए कह रहे थे।

तृषा कृष्णन के बारे में

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन अभिनेता कमल हासन अभिनीत फिल्म ठग लाइफ में नजर आएंगी, जिसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ठग लाइफ 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म की स्क्रिप्ट को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, गुरूवार, 22 मई, 2025

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। इससे पहले बीते कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 फीसदी उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार में नरमी के साथ क्लोजिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ 25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ। आइए जानते हैं बाजार का हाल।

देश में खाद्यान्न की महंगाई से रहेगी राहत

आगामी महीनों में भी नहीं सताएंगे बढ़े दाम; गेहूं की बंपर फसल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के लोगों को खाद्यान्न की महंगाई नहीं सताएगी। बंपर पैदावार और मुद्रास्फीति का ऐतिहासिक रूप से 42 माह में सबसे निचले स्तर पर होना बताता है। देश खाद्यान्न के मामले में सक्षम है और भंडार भरे हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन इस बार भी बंपर है। इसलिए निकट भविष्य में भी स्थितियां सामान्य रहने वाली है। देश में अप्रैल में कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स सबसे कम 1.78 फीसदी था। इससे पहले यह अक्तूबर 2021 में 0.85 फीसदी सबसे कम था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में खाद्यान्न की कीमतों में निकट भविष्य में कोई बड़ी बढ़ोत्तरी नहीं होगी।

इसके अलावा देश में चालू रबी मार्केटिंग सीजन में अभी तक गेहूं की सरकारी खरीद तय लक्ष्य से कम रहने वाली है। किंतु यह चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि यह तय लक्ष्य से थोड़ी ही कम है। किसानों को उनकी फसल का भरपूर दाम मिला है। निजी कंपनियों ने किसानों से खूब खरीदी की है। देश के सरकारी गोदामों में 382.22 लाख मीट्रिक टन चावल का भंडार है। अक्टूबर नवंबर से नई फसल आ जाएगी, जिसके पूर्वानुमान भी काफी अच्छे होने की उम्मीद है।

गेहूं की अभी तक 296 लाख मीट्रिक टन खरीद- सरकारी खरीद में गेहूं की अभी तक 296 लाख मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। चोपड़ा ने कहा कि जबकि सरकारी खरीद का लक्ष्य 312 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का रखा गया था। इसमें पंजाब में निजी कंपनियों और उत्तर प्रदेश से कम सरकारी खरीद के कारण तय लक्ष्य से कुछ कम रह गया है।

राजस्थान में 16.46 लाख मीट्रिक टन खरीद

राजस्थान में 16.46 लाख मीट्रिक टन खरीद हुई है। जबकि गेहूं उत्पादन वाले अन्य राज्यों से कोई खरीद नहीं हो पा रही है। सरकार ने गेहूं के लिए 2425 रुपये प्रति क्विंटल सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है, लेकिन बाजार में सभी राज्यों में यह काफी ऊपर चल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय मिसाइलों की बढ़ी डिमांड, उछलेगा डिफेंस एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने जो अपनी ताकत दिखाई है, उससे हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट और अधिक बढ़ जाएगा। भारत में लगभग 100 कंपनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। केंद्र सरकार ने साल 2024-25 के लिए रक्षा बजट के लिए 6.21 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछले वित्तीय वर्ष में आवंटित 5.94

लाख करोड़ रुपये से 4.3 प्रतिशत अधिक है। भारत डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने के प्रयास में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों से लेकर तोपखाने व बंदूकों तक विभिन्न प्रकार के हथियारों के अपने निर्यात का विस्तार कर रहा है। यह विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली के प्रयास के हिस्से के रूप में आता है। भारत ने 2024-25 तक वार्षिक रक्षा निर्यात को 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

शुद्ध निर्यातक देश बनने की राह पर भारत- भारत रक्षा उपकरणों का शुद्ध निर्यातक देश बन जाने की राह पर अग्रसर हो चुका है। आज भारत से रक्षा उपकरण ले रहे देशों की सूची में कतर, लेबनान, इराक, इक्वाडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं, जिन्हें भारत बॉडी प्रोटेक्टिंग उपकरण भी

पाकिस्तान का कर दिया बुरा हाल, अब भारत से भी बाहर होगा चीनी माल!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में हुए संघर्ष में चीन में बने सामान की गुणवत्ता एक बार फिर जगजाहिर हो गई है। पाकिस्तान ने इस संघर्ष में बड़े पैमाने पर चीन के हथियारों और रक्षा साजोसामान का यूज किया लेकिन ये किसी काम के नहीं निकले। इसमें पाकिस्तान का साथ देने वाले चीन के खिलाफ भारत ने अब अपना रुख कड़ा कर दिया है। सरकार चीन से आने वाले छोटे घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर लगाम लगाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार ने सुरक्षा नियमों को और सख्त कर दिया है।

हाल ही में पता चला था कि चीन से आने वाले कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण घटिया क्वालिटी के हैं। अब कुछ खास तरह के उपकरणों पर बीआईएस का मार्क होना जरूरी होगा। इनमें इलेक्ट्रिक रिक्लाइनर, फर्नीचर, व्हर्लपूल बाथ, स्पा, इलेक्ट्रिक टॉयलेट, कपड़े सुखाने की मशीन, तौलिया गरम करने वाले उपकरण और इलेक्ट्रिक ब्यूटी प्रोडक्ट्स शामिल हैं। ये सभी उपकरण बिजली या बैटरी से चलते हैं।

कबसे लागू होगा आदेश

ईटी की एक खबर के मुताबिक चीन से आयात पर सख्ती का एक मकसद यह भी है कि सरकार देश में ही इन चीजों का उत्पादन बढ़ाना चाहती है। इससे घरेलू उद्योगों को फायदा होगा और उपभोक्ताओं को घटिया किस्म के सामान से बचाया जा सकेगा। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने इस बारे में 19 मई को एक आदेश जारी किया है। डीपीआईटी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आता है। यह आदेश 19 मार्च, 2026 से लागू होगा।

- **किन-किन पर होगी सख्ती-** उद्योग संगठन इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के चीफ इवेंजेलिस्ट सलिल कपूर ने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे छोटे घरेलू उपकरणों के लिए भारत में ही उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह आत्मनिर्भर उपकरण उद्योग के अनुरूप है। उन्होंने आगे कहा कि इससे उपभोक्ताओं को भी बहुत फायदा होगा, क्योंकि छोटे उपकरणों की गुणवत्ता और स्पेसिफिकेशन्स तय हो जाएंगे। यह आज की जरूरत है। अभी तक लगभग 23 बिजली के उत्पादों को क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर में शामिल किया गया है। इनमें मिक्सर ग्राइंडर, सीलिंग फैन, गीजर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन और इंडक्शन स्टोव जैसे उपकरण शामिल हैं। नए आदेश के अनुसार बड़ी कंपनियों को 19 मार्च 2026 से नियमों का पालन करना होगा। छोटी कंपनियों को 19 जून, 2026 से और सूक्ष्म उद्यमों को 19 सितंबर 2026 से इन नियमों का पालन करना होगा।
- **वोकल फॉर लोकल-** हालांकि सभी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को सुरक्षा मानकों को पूरा करना होगा लेकिन सरकार ने कुछ उत्पादों की एक लिस्ट भी दी है। इस लिस्ट में इलेक्ट्रिक शेवर, हेयर क्लिपर, इलेक्ट्रिक फ्राइंग पैन, स्टीम कुकर, कीट नाशक, कॉफी मेकर, इलेक्ट्रिक कैन ओपनर, इलेक्ट्रिक सिट्रस फ्रूट स्क्वीजर, एगबीटर, आउटडोर बारबेक्यू, बैटरी से चलने वाले मसाजर, फुट वार्मर, हीटिंग पैड, टूथब्रश और शेवर शामिल हैं।

जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू एलमंड्स: बादाम की श्रेणी में नया इनोवेशन

भोपाल। पिछले कुछ सालों में लोग अपने आहार को लेकर काफी सावधान हो गए हैं। बदलती जीवनशैली और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के बीच बादाम की श्रेणी में भी इनोवेशन हो रहा है। नए लॉन्च किए गए बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स की लोकप्रियता ग्राहकों के बीच बढ़ रही है क्योंकि ये स्नैक्स का एक माइंडफुल विकल्प हैं। बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स में पेस्टिसाईड के अवशेष प्रति किलोग्राम 0.01 मिलीग्राम से कम या 0.01 पीपीएम हैं, जो एक स्वतंत्र यूरोपियन लैब द्वारा प्रमाणित मानक है। ग्राहक इसकी पुष्टि पैक पर दिए गए एक क्यूआर कोड को स्कैन करके कर सकते हैं। बैच नंबर डालने पर उन्हें सर्टिफिकेट मिल जाता है। बोर्जेस इंडिया ने भारत में ग्राहकों की विकसित होती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए जैडपीआर एलमंड्स बाजार में उतारे हैं। स्वच्छ और पोषक आहार की बढ़ती मांग के साथ बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स भारत में स्नैक का अद्वितीय विकल्प प्रदान करके इस मांग को पूरा कर सकते हैं। ये बादाम स्पेनिश ओरिजिन के है और अपनी नेचुरल मिठास के लिए विख्यात है। साथ ही ये बादाम हल्के भुने हुए और कुरकुरे हैं और इनका स्वाद बहुत ही अच्छा है।

बोर्जेस ऐसे उत्पाद पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो ग्राहकों के लिए उपयोगी हों, ऐसे उत्पाद, जो क्वालिटी, स्वास्थ्य और सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता देते हों। जैडपीआर एलमंड्स सहित बोर्जेस के सभी उत्पाद लोगों को अपने दैनिक जीवन में ज्यादा समझदार और सेहतमंद विकल्प चुनने में मदद करने के लिए बनाए गए हैं। बोर्जेस के उत्पाद स्वच्छ, पोषक और सर्वोच्च क्वालिटी के हैं, जो विश्व में सेहतमंद और सुविधाजनक आहार की मांग को पूरा करते हैं।

बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स इतने लोकप्रिय क्यों हैं, इसका कारण है कि ये एलमंड्स माइंडफुल स्नैकिंग और स्वस्थ जीवनशैली के लिए उत्तम हैं। बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स अपने भरपूर पोषण के लिए मशहूर हैं। ये ग्लूटेन-फ्री हैं, इनमें फाईबर भरपूर मात्रा में हैं और ये प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं। ये कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस-फैट फ्री हैं। इसलिए ये दिन में किसी भी वक्त खाने के लिए एक स्वस्थ आहार हैं। जैडपीआर एलमंड्स की बढ़ती मांग प्राकृतिक और स्वच्छ उत्पादों की ओर ग्राहकों का झुकाव प्रदर्शित करती है। बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स भारत में पूरी पारदर्शिता और विश्वास के साथ उपलब्ध हैं। उत्पाद की विश्वसनीयता जाँचने के लिए ग्राहक पैक के पीछे दिया गया क्यूआर कोड स्कैन करके जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू के लिए सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकते हैं। स्नैकिंग के ज्यादा विकल्प प्रदान करने के लिए बोर्जेस द्वारा जैडपीआर एलमंड बाजार में दो वैरिएंट में पेश किए गए हैं।

धोखाधड़ी रोकने के लिए बहुत जल्द हर बैंक का होगा अपना एक नेशनल कॉलिंग नंबर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत जल्द ही हर बैंक को अपना एक नेशनल कॉलिंग नंबर देने की मंजूरी दे सकता है, जिसमें इनकमिंग कॉल की सुविधा भी शामिल होगी। इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए बैंकों के कॉल और मैसेज को पहचानना आसान बनाना और धोखाधड़ी रोकना है। बैंकिंग उद्योग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बैंकों ने सरकार के सामने 1600×× सीरीज में प्रत्येक के लिए एक अलग नंबर का प्रस्ताव रखा है। इस पर जल्द ही अमल होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने कहा, प्रत्येक बैंक का अपना राष्ट्रीय नंबर होने और उस पर इनकमिंग कॉल की सुविधा से ग्राहकों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ेगी। हमने इस मुद्दे पर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ चर्चा की है। जल्द ही स्पष्ट दिशा-निर्देश मिलने की उम्मीद है।

क्या होगा फायदा

एक बड़ा सवाल यह है कि क्या तीसरे पक्ष के रिकवरी एजेंटों को भी इन नंबरों का उपयोग करना होगा एक अधिकारी ने कहा, इस पर आरबीआई और टेलीकॉम नियामक ट्राई से स्पष्टीकरण जरूरी है। इस पहल से न केवल ग्राहकों को विश्वसनीय कॉल की पहचान करने में मदद मिलेगी, बल्कि ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में भी कमी आने की संभावना है।

द जायंट व्हील फेस्टिवल वापस आ गया है आपके शहर में

मुंबई। अब आम जिंदगी पर ब्रेक लगाने का समय आ गया है – क्योंकि शहर का सबसे वाइब्रंट उत्सव फिर लौट आया है। द जायंट व्हील फेस्टिवल का 5वां संस्करण 30 मई से 1 जून तक आर सिटी मॉल, घाटकोपर में आयोजित होने जा रहा है, और ये लेकर आ रहा है मस्ती, कल्पना और आपके पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर्स की एक जादुई दुनिया।

शिन चेन, ओगी, हनी बनी, नारुतो हां – ये सभी एक ही छत के नीचे आ रहे हैं। हर उम्र के फैंस से मिलने के लिए तैयार हैं। चाहे आप हमेशा से कार्टून के दीवाने रहे हों या अब अपने बच्चों का इनसे परिचय करा रहे हों – यही वो जगह है जहाँ जादू हकीकत बनता है। यहां आप एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) से भरपूर रोमांचक एडवेंचर्स, मजेदार और रचनात्मक वर्कशॉप्स, हैरान कर देने वाले मैजिक शोज़ और और हर कोने में छिपे ढेरों सरप्राइज़ की उम्मीद कर सकते हैं।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एस25 एज के लिए प्री-बुकिंग की घोषणा की; कीमत 109,999 रुपये से शुरू

गैलेक्सी एस25 एज का प्री ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को 12 हजार रुपये मूल्य का फ्री स्टोरेज अपग्रेड मिलेगा

ग्राहक डिवाइस पर 9 महीने तक की नौ-कॉस्ट ईएमआई का भी लाभ उठा सकते हैं

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने श्रेणी को परिभाषित करने वाले गैलेक्सी एस25 एज के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। यह गैलेक्सी एस सीरीज़ का सबसे स्लिम स्मार्टफोन है। स्टाइल और ताकत को ध्यान में रखकर बनाया गया, गैलेक्सी एस25 मजबूत टाइटेनियम बॉडी में प्रीमियम, प्रो-लेवल परफॉर्मेंस का नया बैलेंस प्रदान करता है। एस25 एज स सीरीज़ की विरासत को आगे बढ़ाता है, इसमें एक आइकॉनिक गैलेक्सी एआई-इनेबल्ड कैमरा दिया गया है और यह एक पोर्टेबल डिवाइस में रचनात्मकता के नये द्वार खोलता है।

असाधारण रूप से पतला और मजबूत डिज़ाइन- गैलेक्सी एस25 एज, 5.8 द्व्व के पतले चेसिस के साथ, इंजीनियरिंग की दुनिया में एक शानदार उपलब्धि है। यह स्मार्टफोन डिज़ाइन के लगभग हर तत्व को फिर से परिभाषित करता है। इसका हल्का महज 163 ग्राम वजन वाला फ्रेम स्टाइल और कार्यक्षमता दोनों में अव्वल है। यह स्लिम स्मार्टफोन्स को नए स्तर पर ले जाता है और गैलेक्सी स सीरीज़ की एकजैसी डिज़ाइन को बनाए रखता है। अपनी खूबसूरत, स्लिम डिज़ाइन के साथ यह फोन बेजोड़ मजबूती भी लेकर आता है। इसके घुमावदार किनारे और मज़बूत टाइटेनियम फ्रेम रोज़मर्रा के इस्तेमाल में शानदार सुरक्षा देते हैं। फ्रंट डिस्प्ले में इस्तेमाल हुआ नया कॉर्निंग0 गोरिल्ला0 ग्लास सिरैमिक 2 न सिर्फ बेहतरीन चमक देता है, बल्कि असाधारण मजबूती भी प्रदान करता है।

पॉकेट में आने वाले 200एमपी कैमरे के साथ रचनात्मकता

गैलेक्सी एस25 एज का पतला और हल्का डिज़ाइन यूजर्स के लिए कभी भी, कहीं भी यादगार पल कैप्चर करना और अपनी क्रिएटिविटी दिखाना आसान बनाता है। 200एमपी का वाइड लेंस गैलेक्सी स सीरीज़ के शानदार कैमरा अनुभव को बरकरार रखता है और नाइटोग्राफी को नए स्तर पर ले जाता है। इसकी अल्ट्रा-हाई रेजोल्यूशन से तस्वीरें बेहद शार्प और कम रोशनी में 40त्न बेहतर चमक के साथ स्पष्ट रहती हैं। यह स्मार्टफोन 12एमपी के अल्ट्रा-वाइड सेंसर ऑटोफोकस के साथ आता है, जो मैक्रो फोटोग्राफी को और रचनात्मक बनाता है जिससे और अधिक रचनात्मक लचीलापन मिलता है।

पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने यूपी के निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस प्रोजेक्ट पर 24 घण्टे में सड़क निर्माण का विश्व रिकॉर्ड बनाया

हरदोई और उन्नाव के बीच रिकॉर्ड तोड़ समय में 6 लेन का एक्सप्रेसवे तैयार किया

इस रिकॉर्ड को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया 34.24 किलोमीटर लम्बा एक्सप्रेसवे बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के निर्माण क्षेत्र में योगदान देने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पटेल), गुजरात ने 6 लेन के गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट का सबसे तेज़ निर्माण कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है, जो एक राज्य के स्वामित्व का भारत का सबसे लम्बा एक्सप्रेसवे है, तथा उत्तर प्रदेश राज्य के प्रगतिशील एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है।

इस विश्व रिकॉर्ड के तहत 24 घण्टे के भीतर बिना रुके कार्य करते हुए 20,105 मीट्रिक टन बिटुमिनस कॉन्क्रीट के इस्तेमाल से 171,210 वर्गमीटर को कवर कर 34.24 किलोमीटर का बिटुमिनट कॉन्क्रीट बिछाया गया तथा पटेल एंसीलरी कंपनी रोड शील्ड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 10 किलोमीटर के मैटल बीम क्रैश बैरियर का इंस्टॉलेशन किया गया। इस उपलब्धि को तीन मुख्य प्रतिष्ठित संस्थानों - गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ

रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्रदान कर आधिकारिक रूप से प्रमाणीकृत किया गया है।

यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के सीईओ श्री मनोज कुमार सिंह की दूरदर्शिता एवं निगरानी में यह विश्व रिकॉर्ड संभव हो पाया। स्थानीय एवं राज्य अधिकारियों के पूर्ण सहयोग से इस प्रोजेक्ट का पूरा होना स्थानीय क्षेत्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, जो राष्ट्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने एवं क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय भूमिका निभाएगा।

रिकॉर्ड बनाने का प्रयास प्रतिष्ठित गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट (ग्रुप 3) पर किया गया, जो अदानी ग्रुप की कंपनी अदानी रोड एण्ड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड (एआरटीएल) का एक प्रोजेक्ट है। जिसका नेतृत्व हरदोई एवं उन्नाव ज़िलों के बीच यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) द्वारा किया गया है। यह काम 17 मई 2025 सुबह ठीक 5 बजे शुरू हुआ और लक्ष्य के मुताबिक 18 मई 2025 को सुबह 5 बजे पूरा हो गया। महज 24 घण्टे के भीतर इसे सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए इंजीनियरों, आधुनिक मशीनरी, मटीरियल एवं कुशल श्रमिकों ने अद्भुत समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। श्री अरविंद पटेल, मैनेजिंग डायरेक्टर, पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने कहा, ''हमें गर्व है कि हम इस तरह की उपलब्धियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड ही नहीं है बल्कि हमारी टीम के दृढ़ इरादे और भारतीय इंजीनियरों की क्षमता का प्रमाण है।''

शिखर धवन ने गुरुग्राम में खरीदा लग्जरी फ्लैट, कीमत है करोड़ों में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन ने गुरुग्राम में 69 करोड़ रुपए में एक लग्जरी फ्लैट खरीदा है। यह फ्लैट गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर अत्यधिक भव्य परियोजना 'द डहलियाज' में है। इस अपार्टमेंट का साइज 6,040 वर्ग फुट है। रियल एस्टेट क्षेत्र में आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली फर्म सीआरई मैट्रिक्स के मुताबिक पंजीकृत समझौता चार फरवरी, 2025 को हुआ था। धवन ने गुइस संपत्ति का मूल्य 65.61 करोड़ रुपए है। स्टाम्प शुल्क 3.28 करोड़ रुपये है, जिससे कुल कीमत लगभग 69 करोड़ रुपए हो जाती है। पिछले साल अगस्त में हरियाणा के गुरुग्राम में शुरू हुए 'द डहलियास' परियोजना में 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। सीआरई मैट्रिक्स के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार यहां प्रति स्क्वायर फीट अपार्टमेंट की कीमत 1,14,068 रुपए है। भारतीय क्रिकेट में 'गब्बर' नाम से के मशहूर शिखर धवन ने अगस्त 2024 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 2010 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और भारत के लिए उनका अंतिम मैच भी 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 50 ओवर का खेल था। अपने करियर के दौरान, धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले।

मलेशिया मास्टर्स 2025, दो बार की चैंपियन सिंधु बाहर

● वियतनाम की गुयेन ने हराया; प्रणय, करुणाकरण अगले दौर में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रणय ने जापान के केंटा निशिमोटो को 19-21 21-17 21-16 से हराया। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स 2025 से बाहर हो गई हैं। वहीं, एचएस प्रणय और सतीश करुणाकरण ने शानदार जीत दर्ज करते हुए मेंस सिंगल्स के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे टूर्नामेंट के पहले दौर में भारतीय शटलर प्रणय ने जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21 21-17 21-16 से हराया।

सिंधु का खराब फॉर्म जारी – करुणाकरण ने चीनी ताइपे के तीसरी सीड चोउ टिएन चेन को सिर्फ 39 मिनट में 21-13 21-14 से हराकर उलटफेर किया। भारत के मेंस शटलरों के लिए यह अच्छा दिन रहा क्योंकि आयुष शेट्टी भी कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। लेकिन, सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा और वह सुपर 500 टूर्नामेंट की शुरुआती बाधा को पार करने में विफल रहीं और वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से 11-21, 21-14, 15-21 से हार गईं। गुयेन थुई लिन्ह ने सिंधु को 21-11, 14-21, 21-15 से हराया।

हर पांचवीं गेंद पर छक्का, 200+ का स्ट्राइक रेट...

● वैभव सूर्यवंशी ने 7 मैचों में वो कर दिखाया, जो कई सूरमा ना कर सके

नई दिल्ली, एजेंसी। 20 मई को जब वो राजस्थान रॉयल्स के लिए चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उतरे तो यह उनका इस सीजन का आखिरी मुकाबला रहा. वहीं राजस्थान रॉयल्स का भी इस सीजन का आखिरी मैच रहा. वैभव कुल मिलाकर इस सीजन में तब खेलने उतरे जब राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन इंजर्ड थे, उन्होंने सीजन में 7 मुकाबले खेले, लेकिन इन 7 मैचों में उन्होंने जो करिश्मा करके दिखाया वो कई बड़े दिग्गज भी नहीं कर सके हैं. उनके कीर्तिमानों की बात करेंगे लेकिन पहले जान लेते हैं 14 साल के वैभव ने चेन्नई के आखिरी मुकाबले में क्या किया? वैभव ने इस मुकाबले में महज 33 गेंदों पर 57 रनों की जोरदार और असरदार पारी खेली. इसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल रहे, उनका स्ट्राइक रेट 172.72 का रहा. इस तरह आईपीएल आईपीएल 2025 के मैच नंबर 62 में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से मात दी. इस जीत के साथ ऋऋने सीजन में चार जीत हासिल की, जबकि सीएसके को 13 मैचों में 10वीं हार का सामना करना पड़ी.

वैभव का आईपीएल 2025 में प्रदर्शन – अब आपको बता देते हैं वैभव सूर्यवंशी के आईपीएल 2025 के डेब्यू सीजन के बारे में...वैभव ने आईपीएल 2025 में कुल 7 मैच खेले. जहां 252 रन बनाए. इस दौरान उनका बल्लेबाजी का एवरेज 36 का दर्ज किया गया ।

'धोनी के बिना भी टीम मजबूत बन सकती है'

पूर्व क्रिकेटर्स ने किया सीएसके की योजनाओं का 'पोस्टमार्टम'

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का आईपीएल 2025 में अब तक का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ मिली हार ने उनकी कमजोरियों को और अधिक उजागर कर दिया है। इस हार के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने सीएसके की रणनीति, खिलाड़ियों के चयन और भविष्य की दिशा पर सवाल उठाए हैं। विशेष रूप से, टीम के दिग्गज कप्तान एमएस धोनी के भविष्य को लेकर चर्चा तेज हो गई है, जिनका अनुभव और नेतृत्व हमेशा सीएसके की ताकत रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अब समय आ गया है कि फ्रेंचाइजी भविष्य की ओर कदम बढ़ाए। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के एक शो में पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा और संजय बांगर ने सीएसके को लेकर अपने विचार साझा किए। आकाश चोपड़ा ने सुझाव दिया कि सीएसके को अपनी टीम में बड़े बदलाव करने की जरूरत है और कई प्रमुख खिलाड़ियों को रिलीज करना चाहिए। इनमें रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, रचिन रवींद्र, डेवोन कॉन्वे, विजय शंकर, दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी जैसे नाम शामिल हैं।

आकाश चोपड़ा के सुझाव – आकाश चोपड़ा ने कहा कि सीएसके को अपनी बल्लेबाजी लाइन-अप में सुधार की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि डेवाल्ड ब्रेविस को नंबर 4 पर बल्लेबाजी करानी चाहिए, क्योंकि मौजूदा टॉप ऑर्डर, जिसमें डेवोन कॉनवे, आयुष म्हात्रे और उर्विल पटेल शामिल हैं, स्थायी समाधान नहीं है। चोपड़ा ने जोर देकर कहा कि टीम को एक आक्रामक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज और एक मजबूत फिनिशर की जरूरत है, जो ब्रेविस के साथ मिलकर बल्लेबाजी को मजबूती दे सके। गेंदबाजी में उन्होंने नूर अहमद और मथीषा पथिराना जैसे खिलाड़ियों को अपने साथ रखने की बात कही। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अगर ब्रेविस मध्य क्रम में खेलते हैं, तो टॉप ऑर्डर में एक विस्फोटक बल्लेबाज की जरूरत होगी।

संजय बांगर का धोनी पर बयान – संजय बांगर ने एमएस धोनी के भविष्य पर खुलकर अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि 43 साल की उम्र में इतने प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में खेलना बेहद चुनौतीपूर्ण है। बांगर ने कहा कि अगर मैं धोनी की जगह होता तो मैं कहता कि अब बहुत हो चुका। मैंने वह सब कुछ हासिल कर लिया, जो मैं चाहता था। मैंने फ्रैंचाइजी के हितों का ध्यान रखा, लेकिन अब समय है आगे बढ़ने का। बांगर का मानना है कि धोनी की मौजूदगी से टीम का ट्रांजिशन धीमा हो सकता है। उन्होंने कहा कि धोनी के बिना भी सीएसके एक या दो साल में खुद को मजबूत कर सकती है।

रणनीति पर सवाल

बांगर ने सीएसके की बल्लेबाजी रणनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर टॉप ऑर्डर में आक्रामक बल्लेबाज हों और मध्य क्रम में डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी हों, तो क्या रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी की जरूरत है जो पारी को संभालने का काम करते हैं? बांगर ने सुझाव दिया कि सीएसके को अगले सीजन से पहले अपनी रणनीति में बड़े निर्णय लेने होंगे।

सीएसके के लिए नई शुरुआत

विशेषज्ञों का मानना है कि आईपीएल 2025 सीएसके के लिए एक नई शुरुआत हो सकता है। टीम को युवा और आक्रामक खिलाड़ियों पर ध्यान देना चाहिए। टॉप ऑर्डर में एक विस्फोटक बल्लेबाज और मध्य क्रम में एक फिनिशर की जरूरत है। गेंदबाजी में नूर अहमद और मथीषा पथिराना जैसे खिलाड़ियों को बनाए रखते हुए, बल्लेबाजी में बदलाव पर जोर देना होगा।

जिम्बाब्वे 22 साल बाद टेस्ट वापसी के लिए तैयार

इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में होगा एकमात्र मैच

नॉटिंघम, एजेंसी। जिम्बाब्वे 22 साल के लंबे अंतराल के बाद इंग्लैंड पर टेस्ट मैच खेलेगा। वह 22 मई से ट्रेंट ब्रिज में बेन स्टोक्स की टीम से एकमात्र मैच खेलेगा। इंग्लैंड नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत फ्रंट फुट पर करना चाहेगा, जबकि जिम्बाब्वे हाल ही में बांग्लादेश में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद जीत के साथ इंग्लैंड में वापसी का जश्न मनाने की उम्मीद करेगा।

जिम्बाब्वे ने आखिरी बार 2003 में टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा किया था, जहां मेजबान टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की थी। इससे पहले दोनों टीमें सन् 2000 (इंग्लैंड ने 1-0 से जीत हासिल की) और 1996-97 में रेड-बॉल फॉर्मेट में भिड़े थे, जहां सीरीज ड्रॉ पर समाप्त हुई थी। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण में तेज गेंदबाज सैम कुक को शामिल किया गया है, जिन्होंने काउंटी सीजन में शानदार प्रदर्शन और इंग्लैंड लायंस के साथ हाल ही में मिली सफलता के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेला है। नॉटिंघमशायर के तेज गेंदबाज जोश टंग भी 2023 में एशेज में खेलने के बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। बेन स्टोक्स शीर्ष क्रम के नियमित खिलाड़ियों बेन डकेट, जो रूट, ओली पोप और हैरी ब्रूक की अगुवाई वाली टीम की अगुआई करेंगे जबकि होनहार प्रतिभाएं जेम्स रेव, जेमी स्मिथ और शोएब बशीर अपने मौके भुनाने की कोशिश करेंगे।

जिम्बाब्वे के लिए स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा टीम में शामिल हो गए हैं जबकि क्लाइव मदंडे बैकअप विकेटकीपर के रूप में लौटे हैं। तेज गेंदबाज न्यूमैन न्यामहुरी ने लेग स्पिनर विंसेंट मासेकसा की जगह ली है जिससे जिम्बाब्वे को इंग्लैंड की तेज पिचों का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। अनुभवी क्रेग एर्विन की अगुआई में जिम्बाब्वे की टीम सीन विलियम्स और ब्लेसिंग मुजरबानी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर निर्भर करेगी जो उभरती प्रतिभाओं के साथ इंग्लैंड में दो दशकों से अधिक समय से चल रहे टेस्ट मैच में प्रभाव छोड़ने का लक्ष्य रखेंगे।

टीमें:

इंग्लैंड: बेन स्टोक्स (कप्तान), गस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रूक, सैम कुक, जेम्स रेव, जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टोंग

जिम्बाब्वे: क्रेग एर्विन (कप्तान), ब्रायन बेनेट, बेन कुरेन, ट्रेवर ग्वांडू, क्लाइव मदांडे, वेस्ली मधेवेरे, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा, ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगारावा, न्यूमैन न्यामुरी, विक्टर न्याउची, सिकंदर रजा, तफदज़्वा त्सिगा, निकोलस वेल्च, सीन विलियम्स।

इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान कब होगा

बीसीसीआई ने बताई तारीख... टेस्ट कप्तान पर भी आया बड़ा अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के नए टेस्ट कप्तान और आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम की घोषणा पर बड़ा अपडेट आया है. अजीत अगरकर की अगुवाई वाली सेलेक्शन कमेटी और हेड कोच गौतम गंभीर 24 मई को भारतीय टीम का ऐलान कर सकते हैं. वहीं इसी तारीख को भारतीय क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान का ऐलान भी किया जाएगा. जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने की चिंताओं के बीच शुभमन गिल को इस भूमिका के लिए सबसे आगे बताया जा रहा है. बुमराह ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में दो टेस्ट मैचों सहित तीन टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया है. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (2024-25) के लिए भारतीय चयनकर्ताओं ने 18 सदस्यीय टीम चुनी थी. भारत का आगामी इंग्लैंड दौरा भी ऑस्ट्रेलिया दौरे की तरह काफी लंबा रहने वाला है. ऐसे में इस बात की संभावना है कि इंग्लैंड दौरे के लिए भी भारतीय चयनकर्ता 18 सदस्यीय टीम चुन सकते हैं.

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की 18 सदस्यीय संभावित टीम- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल,. केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, श्रेयस अय्यर, करुण नायर.

ये खिलाड़ी भी सेलेक्शन के दावेदार: अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, मुकेश कुमार, आकाश दीप, अभिमन्यु ईश्वरन, अंशुल कम्बोज, अर्शदीप सिंह, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, तनुष कोटियन, नवदीप सैनी, खलील अहमद.

ईश्वरन भारत ए के कप्तान नियुक्त

पिछले सप्ताह सेलेक्शन कमेटी ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम की घोषणा की थी. जहां अभिमन्यु ईश्वरन कैंटरबरी और नॉर्थम्प्टन में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैचों के लिए टीम की अगुआई करेंगे. ऋषिकेश कानितकर भारत ए के मैचों लिए हेड कोच होंगे. मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के पूरा होने के बाद, गिल और साई सुदर्शन दूसरे मैच के लिए टीम में शामिल होंगे.

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम –

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन (विकेटकीपर), मानव सुतार, तनुष कोटियन, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, ऋतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे

20 जून से शुरू हो रही है सीरीज

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ हेडिंग्ले के लीड्स क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होने वाली है, जिसका पहला मैच 20 से 24 जून तक होगा. अगला टेस्ट बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड में 2 से 6 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा.तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से 14 जुलाई तक लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में होगा. फिर मैनचेस्टर 23 जुलाई से 27 जुलाई तक ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट की मेजबानी करेगा. इस रोमांचक सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में खेला जाना है.

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का पूरा शेड्यूल

पहला टेस्ट– 20–24 जून, 2025 – हेडिंग्ले, लीड्स
दूसरा टेस्ट– 2–6 जुलाई, 2025 – एजबेस्टन, बर्मिंघम
तीसरा टेस्ट– 10–14 जुलाई, 2025 – लॉर्ड्स, लंदन
चौथा टेस्ट– 23–27 जुलाई, 2025 – ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
पांचवां टेस्ट– 31 जुलाई–4 अगस्त, 2025 – द ओवल, लंदन

इंग्लैंड की धरती पर भारत का रिकॉर्ड

इंग्लैंड की धरती पर भारत की जीत का टेस्ट रिकॉर्ड अच्छा नहीं है. इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में भारत ने अब तक (1932-2022) 67 टेस्ट मैच खेले है. इनमें से भारत को सिर्फ 9 टेस्ट में जीत मिली है, जबकि 36 मैचों में हार झेलनी पड़ी. 22 मैच ड्रॉ रहे. महेंद्र सिंह धोनी (2011-2014) का कप्तान के तौर पर इंग्लैंड की धरती पर खराब रिकॉर्ड रहा. 9 टेस्ट मैचों में भारत को एक ही जीत मिली, जबकि इंग्लिश टीम को 7 में जीत मिली. एक मैच ड्रॉ रहा ।

विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ खेला ये खेल, करोड़ों भारतीयों ने तो नाम तक नहीं सुना

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली भले ही टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं. लेकिन आरसीबी के आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचने की खुशी उनके चेहरे पर साफ दिख रही है. इसी खुशी के बीच उन्होंने अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ एक खेल भी खेला, और वो ऐसा खेल रहा कि जिसका नाम भी करोड़ों भारतीयों तक ने नहीं सुना. इस खेल का नाम है पिकलबॉल, जो अंदाज से तो टेनिस की तरह होता है, पर इसका मिजाज जरा हटकर है.

विराट और अनुष्का ने खेला पिकलबॉल – विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने पिकलबॉल लगता है उसी होटल में खेला, जिसमें आरसीबी की टीम ठहरी है. अनुष्का और विराट एक टीम बनकर इस खेल को खेलते दिखे. उन्होंने इसका डबल्स मुकाबला खेला, जिसमें जीत भी दर्ज की. अनुष्का-विराट की सामने आई तस्वीर से उनक जीत का पता भी चलता है.

विराट-अनुष्का के अलावा बाकी सब ने भी खेला पिकलबॉल – हालांकि, विराट और अनुष्का अकेले नहीं रहे, जिन्होंने वो खेल खेला. उन दोनों के अलावा आरसीबी के सारे खिलाड़ी और स्टाफ भी उस खेल में रमे दिखे, फिर चाहे वो दिनेश कार्तिक हों, भुवनेश्वर कुमार, जॉश हेजलवुड या फिर दूसरे कोई भी. आरसीबी ने अपने इंस्टाग्राम पर उन सबके पिकलबॉल खेलने की तस्वीरें शेयर की है.

विराट-अनुष्का ने किसे हराया – विराट-अनुष्का ने पिकलबॉल में अपनी जीत का जश्न तो मनाया मगर ये समझ नहीं आया कि इस खेल में उन्होंने हराया किसे हैं? वैसे सोशल मीडिया पर सामने आई कुछ तस्वीरों से पता चलता है जैसे उन्होंने साउथ इंडियन फिल्मों के हीरो विजय देवरकोंडा के खिलाफ अपना मुकाबला जीता है.

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीम का ऐलान

बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहिद अफरीदी का कटा पत्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित की है, जिसमें कई बड़े नाम शामिल नहीं हैं। पूर्व कप्तान बाबर आजम, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी 16 खिलाड़ियों के समूह से बाहर हैं, जो लाहौर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेंगे।

बल्लेबाज सलमान अली आगा कप्तान बने रहेंगे जबकि ऑलराउंडर शादाब खान उपकप्तान होंगे, जबकि सफेद गेंद के अनुभवीखिलाड़ी फखर जमान, हारिस रऊफ और नसीम शाह को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी के लिए कोई जगह नहीं है।

सेलेक्टर्स ने पाकिस्तान सुपर लीग के आधार पर चुनी टीम

दरअसल, पाकिस्तान ने घोषणा की है कि टीम का चयन मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग सीजन के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। यह टी20 सीरीज पाकिस्तान के नए कोच माइक हेसन के नेतृत्व में पहली बार होगी। पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश टी20 सीरीज का शेड्यूल आने वाले दिनों में घोषित किया जाएगा। बांग्लादेश को 25 मई से पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने थे, लेकिन अब वह तीन मैच की ही सीरीज खेलेगा।

बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी का टीम में नहीं चुना सबसे बड़ी चर्चा का विषय है। चयनकर्ताओं ने मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में प्रदर्शन का हवाला देकर अपने चयन को सही ठहराया है। कुछ दिन पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने चेयरमैन मोहसिन नकवी के हवाले से बताया था कि बांग्लादेश के साथ बातचीत सफल रही। अब श्रृंखला में पांच की जगह तीन टी20 मैच होंगे। दौरे को लेकर कुछ खिलाड़ियों ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं जताई थीं।

बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैच की टी-20 सीरीज के लिए चुनी गईपाकिस्तान की टीम~ सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब।

संक्षिप्त समाचार

संगम विहार में बदमाशों ने पैर में गोली मारकर लूट लिए 50 हजार रुपये

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। संगम विहार में सोमवार देर रात बदमाशों ने एक व्यक्ति के पैर में गोली मारकर 50 हजार रुपये लूट लिए और फरार हो गए। घायल महेश कुमार को को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। संगम विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। सोमवार को रात करीब 12:30 बजे संगम विहार थाना पुलिस को साईं चौक के पास लूटपाट होने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची, मगर तब तक घायल को एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया जा चुका था।

पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला कि बदमाशों ने संगम विहार निवासी 52 वर्षीय महेश कुमार के पैर में गोली मारकर उनसे दो लाख रुपये लूट लिए हैं, हालांकि रकम 50 हजार रुपये थी।

पुलिस एम्स ट्रामा सेंटर पहुंची तो वहां घायल महेश और उनके स्वजन मिले। पुलिस को घायल महेश कुमार के भांजे ने कॉल कर वारदात की सूचना दी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि संगम विहार में रात को उनके मामा को दो लोग मिले थे और उनसे कुछ बात कर रहे थे।

इस दौरान उनसे से एक बदमाश ने मामा के पैर में गोली मारकर उनसे 50 हजार रुपये लूट लिए और फरार हो गए। पुलिस के अनुसार हमलावर पीड़ित के जानने वाले हैं और उनकी पहचान कर ली गई है।

पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। साथ ही पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपितों की तलाश में जुटी है। बदमाश जल्द पकड़े जाएंगे।

मोटे मुनाफे का लालच : एक झटके में हड़पीं 36 कारें; अब खुलासा हुआ तो दंग रह गए पुलिस अफसर

साहिबाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के साहिबाबाद में शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के टैक्सी कंपनी के संचालक से किराये पर कंपनी में लगवाने के नाम पर 36 कारें हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपित ने किराये पर लेकर लोगों के पास गिरवी रख दी। उन्होंने तलाश की तो आरोपित ने मारपीट की। पीड़ित की ओर से फरीदाबाद निवासी आरोपित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र की अशोक वाटिका के नदीम अख्तर रेंटो कार के नाम से टैक्सी कंपनी चलाते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास कुछ अपनी कारें हैं। कई कारें उन्होंने परिचित से ली हुई हैं।

उन्हें किराये पर और मासिक भुगतान पर देते हैं। कुछ समय पहले उनकी मुलाकात फरीदाबाद के अभय पेरीवाल से हुई थी। उसने फरीदाबाद की एक कंपनी में किराये पर कार लगवाने की बात कही। मोटा मुनाफा मिलेगा। आरोपित की बात में आकर उनसे 36 कारें ले ली। यह कारें उन्होंने अपनी, परिचितों की दी। शुरुआत के दो महीने में सही समय पर किराये दिया। इसके बाद रुपये देने बंद कर दिया। उन्होंने काल कर रुपये देने की बात कही। आरोप है कि वह टाल मटोल करता रहा। उन्हें संदेह हुआ तो वह अपने परिचितों के साथ आरोपित से मिलने फरीदाबाद पहुंचे। तब पता चला कि जिस कंपनी में आरोपी ने कार लगवाने की बात कही थी। उस नाम की कोई कंपनी फरीदाबाद में है ही नहीं। तब उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। कई कारें बेची, कई गिरवी रखीं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपित ने उनसे ही नहीं धोखाधड़ी की। उसने एनसीआर के कई लोगों से सैकड़ों कारें किराये पर लगवाने के नाम पर ली। कई कार बेच दीं तो कई को गिरवी रख दिया। कई कार उन्होंने खुद तलाशीं, जिन पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलाया जा रहा है। आरोप है कि आरोपित से उन्होंने कार मांगी तो उसने मारपीट की। उन्होंने पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन कार्यालय में शिकायत की।

5 घंटे तक स्टील की बेंच में फंसी रही बच्ची की दोनों अंगुली, फिर ऐसी निकाली

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में सेक्टर-53 ए स्थित फव्वारा पार्क में खेल रही छह वर्षीय बच्ची के दोनों हाथ की एक-एक अंगुली स्टील बेंच में फंस गई। काफी मशक्कत के बाद भी अंगुलियां नहीं निकलीं लेकिन, इस कवायद में बच्ची के अंगुली की खाल निकल गई और हड्डी दिखने लगी। वहीं, मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने बेंच के कुछ हिस्से को छोड़कर बेंच को काटा और बच्ची को अस्पताल ले जाया गया। बेंच के जिस हिस्से में अंगुलियां फंसी थीं उसको अस्पताल में निकाला गया।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कथित आपत्तिजनक पोस्ट के सिलसिले में प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने महमूदाबाद को कड़ी नसीहत देते हुए कहा कि आपको सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर अली खान के सोशल मीडिया पोस्ट पर शब्दों के चयन पर सवाल उठाए और कहा कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल दूसरों को अपमानित करने और उन्हें असहज करने के लिए किया गया। हालांकि सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन अभी ऐसी टिप्पणी क्यों की गई?

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के डीजीपी को निर्देश दिया कि वे प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ मामले की जांच के लिए आईजी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन करें। साथ ही अदालत ने महमूदाबाद को भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर कोई और ऑनलाइन पोस्ट लिखने से मना किया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी के मामले में गिरफ्तारी होने के बाद सोनीपत स्थित अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद राहत के लिए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अली खान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। उनकी ओर से मामले पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई गई थी जिस पर कोर्ट ने केस सुनवाई के लिए जल्द ही सूचीबद्ध करने का भरोसा दिलाया था। अली खान ने अपनी गिरफ्तारी को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सोमवार को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और आगस्टिन जार्ज मसीह की पीठ के समक्ष याचिका का जिक्र किया। सिब्बल ने कहा था कि उन्हें देशभक्ति वाले बयान के लिए गिरफ्तार किया गया है।

बता दें कि इससे पहले, मंगलवार को प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की दो दिन की रिमांड खत्म होने पर ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आजाद सिंह की कोर्ट ने सात दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा था।

उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी बड़ा मुद्दा बन चुकी है। सोशल मीडिया पर उन्हें समर्थन मिल रहा है। 1,100 से अधिक लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर उनकी रिहाई की मांग की है। यही याचिका सुप्रीम कोर्ट में डाली गई है। उधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर से भाजपा के पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने भी प्रोफेसर की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया था।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने नई दिल्ली में कहा था कि मैं अपने देश की किसी बेटी को झुकने नहीं दूंगी। अपने पद पर रहते हुए न कल झुकने दिया, न आज झुकने दूंगी और न ही आगे नहीं झुकने दूंगी। प्रोफेसर अली खान का नाम लेकर कहा था कि जो भी व्यक्ति इस तरह से देश की बेटियों के नाम पर गद्दारी करेगा, उनके खिलाफ मेरा काम चलता रहेगा।

नोएडा में 4 लाख से अधिक उपभोक्ताओं की जेब पर बढ़ेगा बोझ, कितनी होगी बढ़ोतरी?

नोएडा, एजेंसी। नोएडा जिले में करीब चार लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार बढ़ने वाला है। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के हालिया फैसलों ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। अप्रैल 2025 में बिजली बिलों में 1.24 प्रतिशत ईंधन और ऊर्जा खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) जोड़ा गया था, जिसके बाद अब बिजली दरों में और वृद्धि की तैयारी हो रही है। इससे घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने जनवरी 2025 में बहुवर्षीय टैरिफ नियमन के तहत ईंधन अधिभार लगाने की मंजूरी दी थी। इसके तहत अप्रैल में सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के बिलों पर 1.24 प्रतिशत अधिभार जोड़ा गया। उदाहरण के लिए, 1000 रुपये के बिल पर उपभोक्ताओं को 12.40 रुपये अतिरिक्त चुकाने पड़े। अब विभाग एक बार फिर दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव ला रही हैं।

वहीं, जून 2025 में होने वाली जनसुनवाई में इस प्रस्ताव पर चर्चा होगी, जिसका उपभोक्ता परिषद पुरजोर विरोध करने की तैयारी में है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने कहा कि यह बढ़ोतरी उपभोक्ताओं के लिए अन्यायपूर्ण है। बिजली कंपनियों ने पहले ही अनुचित तरीके से अतिरिक्त वसूली की है। ग्रेटर नोएडा में 2021-22 तक 1176 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वसूली का मामला सामने आ चुका है।

उन्होंने मांग की कि जब तक कंपनियों का बकाया उपभोक्ताओं को वापस नहीं मिलता, तब तक कोई नई वृद्धि लागू नहीं होनी चाहिए। अधीक्षण अभियंता विवेक पटेल ने इस पर किसी तरह की टिप्पणी करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से जो आदेश होगा उसका पालन किया जाएगा।

कुल्हाड़ी से गले पर किए ताबड़तोड़ वार, युवक की हत्या से इलाके में फैली सनसनी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के खांडसा मंडी में आढ़त पर मुंशी का काम करने वाले 42 वर्षीय युवक की सोमवार रात ओल्ड रेलवे रोड पर आरडीएस वाइन शाप के पास गले पर कुल्हाड़ी से वारकर हत्या कर दी गई।

पुलिस ने मंगलवार को शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया। युवक के भाई की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित से प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि शराब के नशे में झगड़े के कारण उसने हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

मृतक युवक की पहचान सुभाष नगर के सतीश उर्फ छंगा के रूप में की गई। उनके भाई मनोज कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह चार भाई और एक बहन हैं। वह सबसे छोटे हैं। उनसे बड़े भाई सतीश खांडसा मंडी में एक आढ़ती के यहां मुंशी का कार्य करते थे। वह नियमित सुबह पांच बजे जाते थे और दोपहर दो बजे मंडी से वापस घर आ जाते थे।

सोमवार को भी दोपहर दो बजे आने के बाद शाम चार बजे वह घर से अपनी कार लेकर निकले थे। किंतु देर रात वापस नहीं लौटे। रात 12 बजे उन्हें किसी ने सूचना दी कि उनके भाई सतीश पर ओल्ड रेलवे रोड पर वाइन शाप के पास अनजान व्यक्ति ने गले पर धारदार हथियार से हमला किया है। आसपास के लोग घायल को खांडसा रोड स्थित लावण्या अस्पताल ले गए। परिवार के लोगों के पहुंचने से पहले ही डाक्टरों ने सतीश को मृत घोषित कर दिया।

गुरुग्राम शहर थाना पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मौके पर सीन आफ क्राइम, थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच और एफएसएल की टीमों ने साक्ष्य जुटाए। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई और सतीश के मोबाइल की जांच की गई। जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए मंगलवार शाम आरोपित को धर दबोचा गया। उसकी पहचान सुभाष नगर के रहने वाले 34 वर्षीय धर्मेंद्र के रूप में की गई। वहीं, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि धर्मेंद्र और सतीश की जान-पहचान थी। दोनों का कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। हालांकि बाद में फिर से बोलचाल हो गई थी। सोमवार रात सतीश आरोपित के बुलाने पर वाइन शाप के पास पहुंचे थे। यहां दोनों ने शराब पी। इसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई।

बताया गया कि झगड़े के दौरान ही आरोपित ने कुल्हाड़ी से सतीश की गर्दन पर वार कर दिया और मौके से फरार हो गया था। शहर थाना प्रभारी ने कहा कि आगामी पूछताछ के लिए आरोपित को बुधवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

पाकिस्तान में पानी के लिए मचा हाहाकार

सिंध में गृह मंत्री का घर जलाया; बंदूकें लेकर आए प्रदर्शनकारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को रोक दिया। उधर पाकिस्तान में सिंधु नदी के पानी के लिए आंदोलन जारी है। सिंध प्रांत में सिंधु नदी पर विवादास्पद नहरों के निर्माण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और उग्र हो गया।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, नौशहरो फिरोज जिले के मोरो तालुका में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच भयंकर झड़प हो गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और गोलियां भी चलाई गईं। पुलिस के लाठीचार्ज में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) सहित कुछ अन्य घायल हो गए।

गृह मंत्री के घर घुसे प्रदर्शनकारी : इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हिंसक रूप धारण कर लिया और दो ट्रेलरों में आग लगा दी। उन्होंने सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर के घर में भी घुसकर तोड़फोड़ की और कई हिस्सों में आग लगा दी, जबकि कुछ मोटरसाइकिलों को भी आग लगा दी गई। प्रदर्शनकारी गृहमंत्री के घर बंदूकें लेकर पहुंचे हैं। इस वजह से मोरो की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात स्थगित रहा। वहीं पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि बेनजीराबाद के पुलिस उप महानिरीक्षक परवेज चंदियो और नौशहरो फिरोज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संघार मलिक मौके पर पहुंचे स्थिति को कंट्रोल में लाने के लिए विभिन्न थानों के कर्मियों को भी बुलाया गया।

राजनेता के घर पर हमला कोई साजिश है: पीपीपी सिंध के सूचना सचिव अजीज धामरा ने एक बयान में घटना की निंदा करते हुए इसे आतंकवादी गतिविधि करार दिया। उन्होंने कहा कि लोगों के विरोध प्रदर्शन पर कोई बैन नहीं है, लेकिन राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के घर पर हमला करना कोई साजिश नजर आती है। सिंध के गृह मंत्री ने भी एक बयान जारी किया और नौशहरो फिरोज एसएसपी से घटना की रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

माउंट ल्होत्से से लौट रहे भारतीय पर्वतारोही की मौत

काठमांडू, एजेंसी। हिमालय में दुनिया के चौथे सबसे ऊंचे पर्वत माउंट ल्होत्से पर चढ़ने के बाद एक भारतीय पर्वतारोही की मौत हो गई। राजस्थान के राके बिश्नोई ने प्रहोत्से के शिखर बिंदु से लौटने के बाद कैंप-4 के पास येलो बैंड में अतिम सांस ली। हिमालयन टाइम्स ने नेपाली गाइड के हवाले से बताया कि बिश्नोई ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की अपनी कोशिश को छोड़ने के बाद माउंट ल्होत्से पर चढ़ाई की। लेकिन येलो बैंड के पास उतरते समय वह मारे गए।

राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा आरोप; बाइडन के कर्मचारियों ने देशद्रोह किया, अमेरिका को खतरे में डाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्रंप ने दावा किया है कि बाइडन के सहयोगियों ने उनकी मानसिक कमजोरी का फायदा उठाकर अमेरिका की सीमाएं खुली छोड़ दीं, जिससे देश में अपराधी, ड्रग डीलर और मानसिक रूप से अस्थिर लोग बिना किसी जांच के घुसते रहे। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, यह अमेरिका के खिलाफ सबसे बड़ा देशद्रोह है।

ऑटोपेन से फैसले लिए गए- डोनाल्ड ट्रंप: उन्होंने आरोप लगाया कि बाइडन खुद खुली सीमाओं के पक्ष में नहीं थे, लेकिन उनके कर्मचारियों ने सत्ता संभाल ली और ऑटोपेन (एक इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर उपकरण) से फैसले लिए। ट्रंप ने कहा कि सीमा पार से अपराधियों, ड्रग तस्करों और मानसिक रोगियों का प्रवेश बिना रोक-टोक के होता रहा। इससे देश को सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान हुआ और राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ी।

ट्रंप ने की सख्त सजा की मांग: डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जो लोग यह सब कर रहे थे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इन देशद्रोही लोगों को बहुत कड़ी सजा मिलनी चाहिए। ये देश को खत्म करना चाहते थे, लेकिन मैं उन्हें रोकने के लिए आया।

बाइडन की सेहत को लेकर भी निशाना : ट्रंप के इस बयान से पहले एक नई किताब ओरिजिनल सिनः प्रेसिडेंट बाइडन डिक्लाइन, इट्स कवर-अप एंड हिज डिसट्रॉस वाइस टू रन अगेन में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति बाइडन की शारीरिक हालत काफी खराब हो गई थी। वहीं कुछ समाचार एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, बाइडन के डॉक्टर ने चेतावनी दी थी कि अगर वह गिरते हैं तो उन्हें व्हीलचेयर की जरूरत पड़ सकती है। इसी कारण उनके स्टाफ ने उनके लिए चलने के रास्ते छोटे कर दिए, रेलिंग लगवाई और सीढ़ियों की जगह छोटे रास्तों का इस्तेमाल किया।

अफगानिस्तान भी रोकेगा पाकिस्तान का पानी: कुनार नदी पर डैम बना रहा

अफगान जनरल बोले- ये पानी हमारा खून, इसे बहने नहीं देंगे

काबुल, एजेंसी। भारत के बाद अब अफगानिस्तान भी पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी के प्रवाह को रोकने के लिए डैम बनाने की तैयारी कर रहा है। तालिबान सरकार के आर्मी जनरल मुबीन ने कुनार नदी पर बन रहे डैम का निरीक्षण किया। बलूच नेता मीर यार बलूच ने सोमवार को जनरल मुबीन के दौरे का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। जनरल मुबीन ने तालिबान सरकार से इस डैम को बनाने के लिए धन जुटाने की अपील की। उन्होंने कहा- यह पानी हमारा खून है और हम अपने खून को अपनी नसों से नहीं बहने दे सकते। हमें अपने पानी को रोकना होगा। इससे हमारी बिजली की जरूरतें पूरी होंगी और हम अपनी खेती में इस्तेमाल करके पैदावार बढ़ाएंगे।

तालिबान के जल और ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता मतीउल्लाह आबिद का कहना है कि इस डैम का सर्वे और डिजाइन तैयार हो चुका है, लेकिन इसे बनाने लिए पैसे की जरूरत है। तालिबान सरकार का दावा है कि यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाता है तो इससे 45 मेगावाट बिजली पैदा होगी और लगभग 1.5 लाख एकड़ खेती को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। इससे अफगानिस्तान में ऊर्जा संकट और खाद्य सुरक्षा में सुधार होगा।

कुनार नदी को लेकर पाक-अफगान में कोई समझौता नहीं: 480 किलोमीटर लंबी कुनार नदी अफगानिस्तान के हिंदू कुश पर्वतों से निकलती है और पाकिस्तान में जलालाबाद के पास काबुल नदी में मिलती। यह पाकिस्तान का एक अहम जल स्रोत है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच काबुल नदी और इसकी सहायक नदियों के जल बंटवारे को लेकर कोई औपचारिक द्विपक्षीय समझौता नहीं है। पाकिस्तान पहले भी अफगानिस्तान की डैम परियोजनाओं पर चिंता जता चुका है, क्योंकि इससे उसके इलाके में आने वाली जल की आपूर्ति कम हो सकती है।

काबुल नदी का जल प्रवाह 16-17प्रतिशत घट सकता है: पाकिस्तान मीडिया के मुताबिक कुनार नदी पर डैम बनने से काबुल नदी के जल प्रवाह में 16-17प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। इससे पाकिस्तान की खेती और जल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ेगा। पाकिस्तान पहले ही भारत की तरफ से सिंधु जल संधि को स्थगित करने और चिनाब नदी पर डैम के स्लुइस गेट (पानी का गेट) बंद होने की वजह से दबाव में है। ऐसे में कुनार नदी पर यह डैम बन जाता है तो उसे और यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। भारत ने अफगानिस्तान में शहतूत और सलमा डैम जैसे प्रोजेक्ट को वित्तीय और तकनीकी मदद दी है। ये प्रोजेक्ट काबुल नदी पर हैं और पाकिस्तान के लिए जल आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं।

जयशंकर ने तालिबान के विदेश मंत्री से फोन पर बात की: भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 15 मई को तालिबान के विदेश मंत्री से फोन पर बात की थी। इस दौरान भारत ने काबुल नदी पर शहतूत डैम प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। शहतूत डैम एक जलविद्युत (हाइड्रोपावर) और सिंचाई प्रोजेक्ट है। इसके लिए भारत 2020 करोड़ रुपए (236 मिलियन डॉलर) की वित्तीय सहायता दे रहा है। यह प्रोजेक्ट तीन साल में पूरा होगा और 4 हजार हेक्टेयर जमीन की सिंचाई करेगा, साथ ही 20 लाख लोगों को पीने का पानी देगा। भारत और अफगानिस्तान ने फरवरी 2021 में शहतूत बांध के लिए एक समझौता किया था। इससे पहले भारत ने 2016 में अफगानिस्तान में सलमा बांध बनाया था, जिसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अफगान राष्ट्रपति अशरफ घनी ने किया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129